धनबाद, सोमवार
26 मई 2025
वर्ष : 10 अंक : 355
पृष्ठ : 12
मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
नई पत्र वार्ता
सोच आगे की ...

ब्रीफ न्यूज

कोविड के नए वेरिएंट पर झारखंड अलर्ट पर, सरकार पूरी तरह तैयारः मंत्री

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची, : देश में कोविड के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि यह एक सामान्य स्थिति है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग पूरी स्थिति पर नजर रहे हुए है ।डॉ. अंसारी ने रविवार को कहा कि भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनना जरूरी है। इससे न केवल कोविड, बल्कि अन्य बैक्टीरियल और वायरल संक्रमणों से भी बचाव होता है। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें।मंत्री ने बताया कि झारखंड सरकार, केंद्र सरकार की ओर से जारी होने वाली नई गाइडलाइन्स का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्देश मिलते ही राज्य सरकार तुरंत आवश्यक कदम उठाएगी। डॉ. अंसारी ने कहा लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि सतर्कता बनाए रखने की जरूरत है।

झारखंड सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क एवं तैयार हैं। नागरिकों से अपील है कि वे अफवाहों से दूर रहें, आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करें और आवश्यक एहतियात बरतें।

अमृतसर में अकाली दल पार्षद की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़, (एजेंसी) :पंजाब के अमृतसर में पुरानी रंजिश के चलते नकाबपोशों ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के एक नगर पार्षद की गोली मारकर हत्या कर दी। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने तीन हमलावरों की पहचान किए जाने का दावा किया है।

इस घटना के बाद शिरोमणि अकाली दल कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आक्रामक हो गया है, वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान ने पुलिस महानिदेशक को हमलावरों को तुरंत गिरफ्तार करने के आदेश जारी किए हैं।

जानकारी के अनुसार, रविवार बाद दोपहर जंडियाला नगर परिषद के वार्ड नंबर 2 से पार्षद हरजिंदर सिंह अपने कुछ साथियों के साथ स्थानीय गुरुद्वारा साहिब के बाहर खड़े थे। तभी कुछ लोग मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हरजिंदर सिंह को गोली लगने के बाद आसपास मौजूद लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां कुछ समय बाद उनकी मृत्यु हो गई। डॉक्टरों का दावा है कि हरजिंदर सिंह को तीन गोलियां लगी थी।

शेष पृष्ठ-4.....

प्रधानमंत्री के मन की बात में तेलुगू भाषाई राज्यों का जिक्र

हैदराबाद,(एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में तेलुगू भाषाई राज्यों से जुड़े मुद्दों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि ड्रोन तेलंगाना में कृषि क्षेत्र में बड़े बदलाव ला रही है। मोदी ने ड्रोन से खेती करने के लिए तेलंगाना के संगारेड्डी जिले की महिलाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ₹ग्रामीण महिलाओं को ड्रोन ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। वे बगीचों में कीटनाशकों और शाकनाशियों का छिड़काव करने के लिए ड्रोन का उपयोग कर रही हैं।

मोदी ने बताया, ₹पारंपरिक तरीकों की तुलना में कीटनाशकों का छिड़काव तेजी से और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। पानी और कीटनाशक की खपत 30-40 प्रतिशत तक कम की जा सकती है। महिलाओं का आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ी है। यह विकास ड्रोन तकनीक₹ को ग्रामीण स्तर तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्र सरकार 'कृषि के लिए ड्रोन' योजना के तहत महिला समूहों को रियायती दरों पर ड्रोन उपलब्ध करा रही है। प्रशिक्षण केंद्र और ड्रोन शेष पृष्ठ-4.....

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बना, जापान को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी) : भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। अब हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। यह घोषणा नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवी आर सुब्रह्मण्यम ने की है। उन्होंने कहा है कि भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह आंकड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के लेटेस्ट आंकड़ों पर आधारित है। सुब्रह्मण्यम ने यह जानकारी नई दिल्ली में आयोजित 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में दी।

बैठक के दौरान ह्यविकसित राज्य से विकसित भारत 2047 विषय पर केंद्र और राज्यों के बीच गहन विचार-विमर्श हुआ। नीति आयोग के सीईओ ने बताया कि इस बैठक में मैन्युफैक्चरिंग, सेवाएं, ग्रामीण और शहरी गैर-कृषि क्षेत्र, अनौपचारिक क्षेत्र, ग्रीन और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सुब्रह्मण्यम ने कहा, ह्यभारत अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां से उसकी अर्थव्यवस्था बहुत तेज गति से आगे बढ़ सकती है। हम टेक-ऑफ स्टेज पर हैं।

अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे

सुब्रह्मण्यम ने कहा, जैसा कि मैं बोल रहा हूं, भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। यह मेरा नहीं बल्कि आईएमएफ का डेटा है। भारत अब जापान से आगे निकल गया है। उन्होंने आगे कहा कि अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे हैं। यदि भारत की आर्थिक प्रगति इसी रफ्तार से चलती रही तो आने वाले 2 से 3 वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

अगले साल 4,187 अरब डॉलर होगी

आईएमएफ की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (अप्रैल 2025) रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में भारत की जीडीपी करीब 4,187 अरब डॉलर होगी। वहीं, जापान की जीडीपी अनुमानित रूप से 4,186 अरब डॉलर रहने की संभावना है। भारत 2024 तक दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। आईएमएफ का कहना है कि भारत 2025 और 2026 में क्रमशः 6.2 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत की दर से विकास करेगा। इसके विपरीत वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर 2025 में 2.8 प्रतिशत और 2026 में 3 प्रतिशत रहने की संभावना है। यह आंकड़े भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को रेखांकित करते हैं।

4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर 19 को मतदान, 23 जून को आएंगे परिणाम

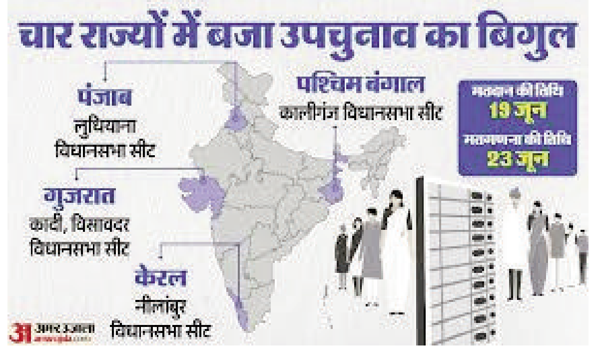

नई दिल्ली(एजेंसी) : चुनाव आयोग ने 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जहां चुनाव होना है उसमें गुजरात की 2, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल है। यहां 19 जून को मतदान होगा और 23 जून को नतीजे आ जाएंगे। ये उपचुनाव विधायकों के इस्तीफे या मौत की वजह से ये खाली हुई सीटों पर हो रहे हैं।

गुजरात में कादी और विसावदर सीट पर चुनाव होगा। केरल में नीलांबुर, पंजाब में लुधियाना और पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर भी उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने कहा है कि सभी इलाकों में चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सारे जरूरी कदम उठाए जाएंगे।चुनाव आयोग के अनुसार, इन सभी क्षेत्रों में चुनाव की तैयारी पूरी कर ली गई है। मतलब वोटिंग की सारी व्यवस्था हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यानी, किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इन उपचुनावों के नतीजे इन राज्यों की राजनीति में कुछ बदलाव ला सकते हैं। देखना होगा कि कौन सी पार्टी इन सीटों पर जीत हासिल करती है।

झारखंड में भी कोरोना की दस्तक, फिल्म मेकर लाल विजय शाहदेव संक्रमित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में भी फिर कोरोना वायरस ने दस्तक दी है। झॉलीवुड और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके फिल्म निमार्ता लाल विजय शाहदेव कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। रविवार को लाल विजय शाहदेव ने फेसबुक पोस्ट के जरिए बताया कि वे कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने लिखा कि भारत में अब तक 257 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं और अब वे भी उनमें शामिल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि 22 मई को जब वे मुंबई से रांची लौट रहे थे, तभी फ्लाइट में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। इसके बाद जब जांच कराई गई तो रिपोर्ट में कोरोना पॉजिटिव पाए गए। लाल विजय शाहदेव ने बताया कि झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्य होने के नाते उन्हें कुछ फिल्मों का प्रिव्यू करना था, लेकिन बीमार पड़ने की वजह से वे यह काम नहीं कर सके। फिलहाल वे रांची के एक अस्पताल में भर्ती हैं और इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि अब वे पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अपील की कि जो भी लोग हाल के दिनों में उनके संपर्क में आए हैं और जिनमें सर्दी, खांसी, बुखार या सिरदर्द जैसे लक्षण हैं, वे तुरंत अपनी जांच करवाएं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जमशेदपुर से दिया बड़ा संदेशः अब भारत मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार

पूर्वी सिंहभूम(एजेंसी) : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को जमशेदपुर में सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 75वीं वर्षगांठ (प्लैटिनम जुबली) कार्यक्रम के अवसर पर देशवासियों को एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की देश को विकसित करना है, तो पूरे देशवासियों को मिलकर काम करना होगा।अपने संबोधन में ओम बिरला ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति का ज़िक्र करते हुए कहा की भारत अब नया भारत है। जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देगा, उसे मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। हमारे प्रधानमंत्री पूरे देश को सुरक्षित करना चाहते हैं।उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हो रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत स्टार्टअप और नई तकनीक के साथ हथियार भी बना रहा है। पहले हम लोग हथियार मंगाते थे, आज हम खुद बना रहे हैं। हम आत्मनिर्भर हो रहे हैं और दुनिया को दिखा देंगे कि हम सबसे मजबूत हैं।इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की प्रधानमंत्री ने दुनिया को यह बता **शेष पृष्ठ-4..**

झारखण्ड के हाजियों के लिए अगले वर्ष से रांची से ही होगी फ्लाइटः मंत्री हफीजुल हसन

आजमीन-ए-हज की सुविधाओं का स्वयं जायजा ले रहे हफीजुल हसन

मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने झारखण्ड से हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों से की मुलाकात।

26 को कोलकाता से झारखंड के 642 यात्री हज यात्रा पर होंगे रवाना।

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कोलकाताःझारखंड सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं जल संसाधन मंत्री हफीजूल हसन अंसारी एवं झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हाजी हिदायतुल्ला खान ने कोलकाता न्यू टाऊन स्थित हज हाउस में पवित्र हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों को हज यात्रा पर रवाना होने से पूर्व पश्चिम बंगाल हज हाउस में हाजियों को संबोधित करते हुए कहा कि अगले वर्ष से झारखण्ड सरकार द्वारा झारखंड के हाजियों के लिए रांची से ही फ्लाइट की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने पश्चिम बंगाल हज कमेटी द्वारा हाजियों के लिए की गई व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि हज कमेटी द्वारा हाजियों के लिए बेहतर व्यवस्था कर रही है। इस अवसर पर झारखण्ड के स्वास्थ मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने भी झारखण्ड से हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हाजी हिदायतुल्ला खान ने झारखण्ड से हज यात्रा पर जाने वालों से कहा कि जब आप की नजर पहली बार खाना काबा(हरम) पर पड़े तब आप देश में अमन चैन और झारखण्ड की खुशहाली के लिए मखसूस दुआ करें। इस अवसार पर झामुमो नेता शहबाज अहमद, फरदीन अहमद सहित अन्य झामुमो के नेता मौजूद थे।

मंत्री हफीजुल हसन ने बातचीत के दौरान बताया कि झारखंड से 142 यात्री हज के लिए आज रवाना हुए हैं। झारखंड से आजमीन-ए-हज 2025 के यात्रियों के जत्थे का जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। राज्य हज कमेटी झारखंड की ओर से भी आजमीनों के लिए मुकम्मल व्यवस्था की गई है, ताकि हज यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। शनिवार को झारखंड के हज यात्री दो विमान से गए। मुंबई इम्बार्केशन से विमान संख्या एईबीई093 में 76 हज यात्री एवं दिल्ली इम्बार्केशन से विमान संख्या 3083 से 66 हज यात्री गए। झारखंड से कुल 142 हज यात्री मदीना गए। **शेष पृष्ठ-4..**

राजद सुप्रीमो लालू यादव ने अपने बडे.बेटे तेजप्रताप यादव को राजद से निकाला, तेजस्वी ने की पुष्टि

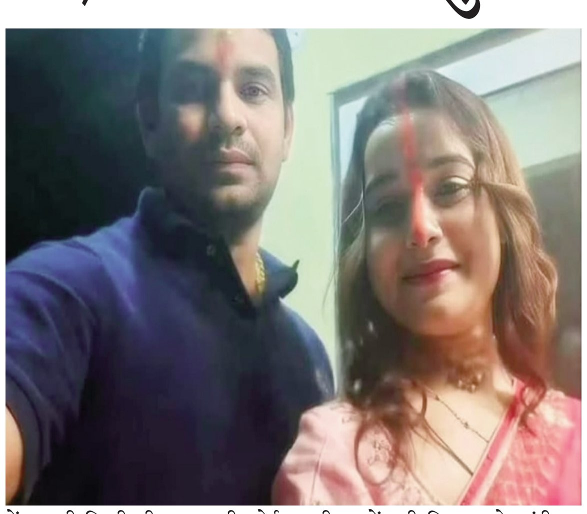

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

पटना : सोशल मीडिया पर तेजप्रताप यादव ने अपनी कथित लव स्टोरी पोस्ट करने पर देश की राजनीति में मची अफरातफरी। उसके बाद तेज प्रताप ने सफाई भी दिया। इस बीच राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। साथ ही, उन्हें परिवार से भी निकाल दिया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर लिखा कि निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है।अतं एवं उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

श्री प्रसाद ने आगे लिखा कि अपने निजी जीवन का भला -बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सावर्जनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें ये सब अच्छा नहीं लगता है ना हम इसे बर्दाश्त करते हैं। हम बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं, जनता के सुख-दुख में हम भाग ले रहे हैं। जहां तक मेरे बड़े भाई की बात है, राजनीतिक और निजी जीवन अलग होता है।तेजस्वी ने कहा कि **शेष पृष्ठ-4..**

कोरोना का कहर शुरूः महाराष्ट्र-कर्नाटक समेत कई राज्यों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली(एजेंसी) :एक बार फिर कोरोना का कहर शुरू होता दिखाई दे रहा है। यूपी, एमपी, दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित कई राज्य हैं जहां कोरोना पांस पसारना शुरू कर दिया है। कहीं कहीं मौत की भी खबरें आई हैं। कई राज्यों में कोरोना के नए वेरिएंट के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने शनिवार को कोविड-19 के केसों को लेकर समीक्षा बैठक बुलाई थी। इतनी राहत की बात है कि ज्यादातर नए मामले हल्के हैं और घर पर ही लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है। कुछ राज्यों ने कोरोना को लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

कोरोना के 23 मामले सामने आए थे। केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली में कोरोना के मरीज पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक नए वेरिएंट एनबी.1.8.1 का एक और एलएफ.7 के चार केस भारत में पाए गए हैं। डब्ल्यूएचओ ने इन दोनों वेरिएंट की पहचान बताई थी। हालांकि यह नहीं कहा था कि ये वेरिएंट बहुत खतरनाक हैं। इन वेरिएंट की वजह से चीन और एशिया के अन्य हिस्सों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं।

उत्तराखंड में दो केस, दिल्ली में अलर्ट

उत्तराखंड में कोरोना के दो मामले सामने आए हैं। मरीजों को ऋषिकेश एम्स में भर्ती करवाया गया है। हालांकि प्रदेश सरकार का कहना है कि कोरोना के मामले बेहद हल्के हैं और किसी तरह के डर की कोई बात नहीं है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि ये मरीज राज्य के बाहर से ही संक्रिमित होकर आए थे। कोरोना के 23 मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। संक्रमण रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अडवाइजरी जारी की है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि कोरोना से किसी तरह की घबराने की बात नहीं है। सरकार स्थिति पर पूरा ध्यान दे रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है।

कर्नाटक सरकार ने जारी की एडवाइजरी

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है कि कोविड के **शेष पृष्ठ-4..**

Page 2_Page 3.qxd 2025-05-25 21:53 Page 1

वाराणसी में कला श्री से सम्मानित हुए बोकारो के चित्रकार सरोज मिश्रा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो के ख्याति प्राप्त चित्रकार सरोज मिश्रा को वाराणसी में कला श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान दिनांक 23 मई से 25 मई 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय जल रंग एवं एक्रेलिक पेंटिंग कार्यशाला के दौरान दिया गया। चित्रकार सरोज मिश्रा ने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं काशी चित्रकला संगठन के द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ ओम प्रकाश गुप्ता ने की। ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार विश्वकर्मा सहित प्रेमचंद विश्वकर्मा, प्रतिमा शर्मा, अरविंद प्रताप, ललन इत्यादि इस कार्यक्रम में मुख्य आयोजक के रूप में शामिल रहे। कार्यक्रम में लगभग 85 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकार शामिल हुए और अपने शैली में चित्रों को सुंदर तरीके से बनारस के विभिन्न पहलुओं को एक्रेलिक और जल रंग शैली में दिखाने का प्रयास किया। झारखंड, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, दिल्ली, बिहार, देहरादून, उत्तराखंड, नेपाल, श्रीलंका, मेक्सिको इत्यादि के कलाकारों के चित्र देखने को मिले। भारत से नागेंद्र, शशिधर, तपन राय, अजय उपासनी, सरोज मिश्रा के चित्र अपने तकनीक के लिए चर्चा में रहे।

इस कार्यशाला में उपस्थित अन्य कलाकारों को प्रमाण पत्र स्मृति चिन्ह तथा वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सरोज मिश्रा श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो के कला शिक्षक हैं। श्री मिश्रा अपने राज्य के विद्यार्थियों के बीच आदिवासी कला का प्रचार प्रसार और उसके तकनीक को चित्रकला के माध्यम से बताने में सक्रिय योगदान देना चाहते हैं।

स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान तथा नागरिक अधिकार मंच की संयुक्त बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : रविवार को स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के महासचिव सह नागरिक अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा मुकुल के बोकारो के सेक्टर 3 स्थित आवास पर्यावरण-मित्र आश्रम में स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान तथा नागरिक अधिकार मंच की एक संयुक्त बैठक हुई जिसमें कई विषयों पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण द्वारा निर्णय लिया गया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस दिनांक 31 मई 2025 को नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान को बताते हुए इसे छोड़ने हेतु शपथ दिलाई जाएगी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक के पास स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में वृक्षारोपण करने तथा इसी रोज पड़ने वाले गंगा दशहरा को गरगा पूजन कार्यक्रम का संध्या समय भव्य आयोजन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया और इस कार्यक्रम में धनबाद के सांसद ढुलू महतो मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु भी निर्णय लिया गया। नागरिक अधिकार मंच द्वारा बोकारो हवाई अड्डा को जल्द शुरू करने को लेकर आगे के कार्यक्रमों पर विशेष चर्चा की गई तथा इसके लिए हस्ताक्षर अभियान चलाने और प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को मेल करने का भी निर्णय लिया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान तथा नागरिक अधिकार मंच के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों में रघुवर प्रसाद, शशि भूषण ओझा मुकुल, मृणाल कांत चौबे, गौरी शंकर सिंह, विष्णु शंकर मिश्र, संतोष गुप्ता, अक्षय कुमार दुबे, मनीष झा आदि उपस्थित रहे।

28 मई को संविधान बचाओ रैली की तैयारी की समीक्षा बैठक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक रविवार को नया परिसदन भवन में हुई।अध्यक्षता जिला धनंजय कुमार सिंह ने की। बैठक के मुख्य अतिथि जेपी भाई पटेल थे। बैठक आगामी 28 मई को संविधान बचाओ रैली की तैयारी की समीक्षा पर हुई पर्यवेक्षक जीपी पटेल ने उपस्थित सभी कार्यकताओं को निर्देश दिया कि राहुल गांधी का जो सपना है उसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है। इस देश से भाजपा को भगाना है। जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि संविधान बचाओ रैली में जिले से हर कोने से कार्यकर्ता पहुंचेंगे यह वर्ष संगठन सृजन का है प्रदेश प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में संगठन में और अधिक मजबूती आ रही है। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष सतीश केडिया,नरेश वर्मा, उपेंद्र सिंह, बलराम यादव, विमल कुमार सिंह, यूथ कांग्रेस के पुरुषोत्तम चौधरी, यश सिन्हा, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष नूरी,ओबीसी के जिला अध्यक्ष इतवारी वर्मा, प्रखंड अध्यक्ष इम्तियाज, मनोज राय, मोतीलाल शास्त्री, निजाम अंसारी, निजामुद्दीन,अशोक कुमार निराला, धनंजय गोस्वामी,सोहेल कुरेशी साबिर खान,चांद, त्रिभुवन दास, चंद्रेशकर सिंह, अमित सिन्हा, समीर चौधरी समेत कई कार्यकर्ता थे।

यातायात विभाग के निर्देशों पर बैठक कर रणनीति बनाएंगे ऑटो चालक

रांची: झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सह रांची जिला ई रिक्शा चालक यूनियन के अध्यक्ष दिनेश सोनी, रांची जिला ई रिक्शा चालक यूनियन के महासचिव मो अब्बास और रांची जिला ई-रिक्शा चालक यूनियन के कोषाध्यक्ष भोला सिंह ने रविवार को संयुक्त प्रदेश बयान जारी कर बताया है कि यातायात एसपी की ओर से जारी किए गए 10 एजेंडा पर जल्द बैठक कर रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि यातायात विभाग की ओर से जारी निदेर्शों पर सभी यूनियन आठ जून को मोरहाबादी मैदान में बैठक कर रणनीति बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि यातायात विभाग की ओर से जो एजेंडा जारी किया गया है उनमें रांची शहर में ऑटो चालक और ई- रिक्शा चालक परिचालन करने के समय पर वर्दी पहनकर ही परिचालन करने, सभी ऑटो चालक और ई रिक्शा चालको को आई कार्ड या नेम प्लेट परिचालन करने के समय पर लगाने,रांची में परिचालन करने वाले ऑटो चालक, ई रिक्शा चालक सीट से ज्यादा पैसेंजर नहीं बैठाने और ऑटो चालक, ई रिक्शा चालक नशा की हालत में ऑटो या ई रिक्शा की ओर से परिचालन नहीं करना सहित अन्य शमिल है।

बालू उठाव रोकने को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

बालू उठाव पर रोक लगाने की बनी सहमती

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : जमुआ प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेरहाबाद में बालू के अवैध खनन पर रोक लगाने को लेकर बैठक की गई।

बैठक की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि गौतम सागर राणा ने की और कहा कि बालू हमारी संपदा है। इसे बचाना हमारी जिम्मेवारी है। यह पूरे प्रखंड में अवैध खनन पर प्रशासन को रोक लगना चाहिए। सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व की हो रही नुकसान। इस बैठक में प्राकृति संपदा बचाव को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। वहीं लोगों ने अपनी अपनी बातों को रखा और सभी ने इस अभियान को लेकर लिखित समर्थन भी दिया। इस बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर निर्णय लिया गया। पंचायत स्तरीय बालू बचाव संघर्ष समिति का गठन करने का निर्णय भी लिया। मनोज यादव ने कहा अवैध बालू खनन पर रोक लगनी चाहिए। अगर रोक नहीं लगती है तो हमारा भविष्य खतरे में पड़ जाएगा।

आने वाले समय हमलोगों को ऊंचे दामों में बालू को खरीदना पड़ेगा इसलिए इस पर रोक लगाया जाए राधे यादव ने कहा कि बालू की अवैध खनन पर रोक लगना बहुत जरूरी है। बालू खनन से नदियों का अस्तित्व खतरे में है और हम सभी ग्रामीणों को इसपर विशेष जागरूक होकर रोक लगाना होगा तभी रुकेगी। इस बैठक में उप मुखिया इकबाल अंसारी, वार्ड सदस्य राजू सिंह, मंटू यादव, बसीर अंसारी, नरेश यादव, प्रदीप ठाकुर, महेंद्र दास, सोना यादव, इसरेल अंसारी, राधे यादव, प्रदीप तुरी,बासुदेव यादव, राजेश यादव, विजय यादव, सहदेव यादव, अमृत दास, हजरत अंसारी, मुस्तकीम अंसारी, घनश्याम यादव, बजरंगी यादव, पप्पू यादव, एजाज खान, बिनोद मोदी, शंकर मोदी आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

सात दिवसीय मार्शल आर्ट समर कैंप का हुआ समापन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : द बैलेंस पाथ एकेडमी में चल रहे सात दिवसीय मार्शल आर्ट समर कैंप का समापन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारत विकास परिषद के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह उपस्थित हुए। गिरिडीह जिला ताइक्वांडो संघ के महासचिव सह द बैलेंस पाथ एकेडमी के डायरेक्ट अमित स्वर्णकार ने बताया कि फिजिकल फिटनेस और लड़कियों के आत्मरक्षा के गुन को सिखाने के उद्देश्य से इस समर कैंप का आयोजन किया गया था।जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।इस समर कैंप में प्रशिक्षण ले रहे बच्चों को ताइक्वांडो, कराटे, वूशु जैसे मार्शल आर्ट सिखाया गया। इसके साथ साथ इनको मानसिक रूप से मजबूत करने के लिए योगा और ध्यान का भी प्रशिक्षण दिया गया ताकि ये शारीरिक के साथ साथ मानसिक रूप से भी मजबूत बन सके। आज के समापन समारोह में आए मुख्य अथिति देवेंद्र सिंह बच्चों का प्रदर्शन देख कर उन्हीं बहुत तारीफ की और उनको शाबाशी दी और मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लगातार लेते रहने को कहा। उन्होंने कहा कि लड़कियों को तो इसका प्रशिक्षण जरूर लेना चाहिए क्योंकि आज के समय के अनुसार ये कला इनके लिए वरदान से कम साबित नहीं होगा। अंत में मुख्य अतिथि के द्वारा सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित किया गया। इस सात दिवसीय मार्शल आर्ट समर कैंप को सफल बनाने में जिला ताइक्वांडो संघ के महासचिव सह द बैलेंस पाथ एकेडमी के डायरेक्टर अमित स्वर्णकार के अलावा कराटे कोच मोहम्मद अली,सोनू कुमार, ताइक्वांडो कोच आकाश स्वर्णकार के अलावा सीनियर कोच रोहित राय,सीनियर खिलाड़ी कृष्णा कुमार, नयन भट्टाचार्य, साक्षी कुमारी एवं अन्य का अहम योगदान रहा।

ऑपरेशन सिन्दूर सेना के शौर्य और देश के सामर्थ्य का प्रतीक : कुमार अमित

मन की बात कार्यक्रम के बाद सेक्टर 3 में भाजपा ने स्थानीय स्तर पर निकाली तिरंगा यात्रा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : भारतीय सेना और ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में भाजपा कार्यकताओं ने रविवार को सेक्टर 3 में हाथ में तिरंगा लेकर सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के उपरांत स्थानीय स्तर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। यह तिरंगा यात्रा महिला कॉलेज के पास से प्रारम्भ होकर सिटी पार्क, छपरा मोड़ होते हुए कृष्णा मोड़ तक गयी। कार्यक्रम के भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित भी बतौर मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम जहां देश की जनता की भावना का प्रकटीकरण है वहीं ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के शौर्य एवं राष्ट्र के सामर्थ्य का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर से एक बार पुनः पाकिस्तान के साथ साथ वैश्विक जगत में भारतीय सेना के पराक्रम का परचम लहराया है, वहीं दूसरी ओर देश के उन्नत युद्ध शैली एवं नवीनतम सामरिक तकनीक का भी दुनिया ने भारत का लोहा माना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरा देश भारतीय सेना के समर्थन में एकजुट रहा। सीमा पार से चलाए जा रहे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भारतीय सेना के द्वारा लॉन्च किए गए ऑपरेशन सिंदूर की कहर से पाकिस्तान आज विश्व समुदाय के समक्ष कराह रहा है।

कुमार अमित ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के लिए बोकारो वासी भी तिरंगा यात्रा के माध्यम से अपने देश की सेना और सरकार के प्रति अपना समर्थन देकर आभार प्रकट कर रहे हैं। इस दौरान बतौर विशिष्ट अतिथि अतुल सिंह, पार्टी के बोकारो नगर उपाध्यक्ष कुमार राहुल, भाजयुमो नगर महामंत्री लालबाबू, राजीव सिंह, शक्ति केन्द्र सह संयोजक चंद्रप्रकाश, बाबा क्लब के कुन्दन सिंह, राहुल कुमार, अमरजीत कुमार, निर्भय प्रजापति, पियूष पल्लव, सहित सैकड़ों युवा शामिल हुए।

संक्षिप्त खबर

अस्वस्थ चल रहे लोगों से मिले मंत्री शुदिव्य कुमार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह: सुबे के कई विभागों के मंत्री शुदिव्य कुमार ने अपने व्यस्ततम कार्यक्रम से समय निकालकर अस्वस्थ चल रहे झारखंड मुक्ति मोर्चा नेताओं तथा अधिवक्ता के शोक संतप्त परिजन से मिल संवेदनाएं व्यक्त की।झारखंड सरकार के विभिन्न विभागों के मंत्री एवं गिरिडीह के विधायक सुदीवय कुमार पार्टी के अस्वस्थ नेतागण से मुलाकात कर उनका हाल जानने तथा सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करने में बीता।उन्होंने इस क्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता शोभा यादव जो की बीमार हैं उनसे उनके कुशलक्षेम जानने को उनके घर पहुंचे तथा हर संभव मदद का भरोसा दिया।इसके बाद मंत्री वार्ड पार्षद चामो के आवास पर पहुंचे तथा उनका कुशलक्षेम जाना । यहां बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने अपनी हार्ट की सर्जरी कराई है। उनसे उनके आवास पर मिलकर उनका हाल जाना। इसके उपरांत वे अधिवक्ता बृजमोहन तिवारी के आवास पर गए। गौर तलब है कि अधिवक्ता ब्रिज मोहन तिवारी का पिछले दिनों निधन हो गया था ।मंत्री उनके घर पर पहुंचकर उनके परिजनों से मिलकर उन्हें संतावनाएं दी।

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के जिला शाखा बोकारो की बैठक आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : रविवार को उमेश प्रसाद महतो, अध्यक्ष, झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) जिला शाखा बोकारो की अध्यक्षता में संघ की बैठक स्थानीय जायका हैपीनेस कैंप 2 में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला मंत्री द्वारा कहा गया कि समाहरणालय संवर्ग के लिपिकीय कर्मियों का विधिवत चुनाव 10.04.2025 को हो चुका है। कुछ तथाकथित संघ तोड़क तत्वों द्वारा बिना सदस्य बनाए ही गैर सदस्यों को सम्मिलित करते हुए भ्रामक मतदाता सूची जारी किया गया है, जो कर्मियों द्वारा अस्वीकार कर दिया गया है। शीघ्र ही सभी सदस्यों के संयुक्त हस्ताक्षर से बोकारो उपायुक्त को अवगत कराया जाएगा। बैठक में मनोरंजन कुमार निराला, जिला मंत्री सहित सुभाष चौधरी, दिग्विजय नारायण, अमलेश कुमार, संजय कुमार पांडे, ओमप्रकाश, संजय कुमार गोराई, हिमांशु मांझी, संजय कुमार नवीन कुमार, मो नियाज अहमद, मनीष, नागेंद्र कुमार सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे।

कोटपा-2003 के अनुपालन हेतु चास अनुमंडल की स्वास्थ्य टीम ने की छापेमारी

छापेमारी के दौरान कोटपा कानून उल्लघंग करने वाले व्यक्तियों को चालान के साथ की गई कार्रवाई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निदेर्शानुसार शनिवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चास के नेतृत्व में चास थाना क्षेत्र में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा .2003) एवं पेका एक्ट-2019 की धारा 4 व 6ए, 6बी के तहत नियमित जांच अभियान चलाया गया, जिसमें 10 दुकानों, व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लंघन करते हुए पाया गया जिनको चालान कर कार्रवाई की गई। स्कूल के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री न करें-प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चास डॉ अनिल कुमार ने बताया कि छापामारी के दौरान विशेष रूप से देखा गया कि कोई दुकानदार स्कूल के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री न करें और अगर कोई कर रहा है तो उनका कोटपा 2003 की धारा 6बी के तहत चालान किया जाएगा। छापामारी के दौरान सभी दुकानों से विज्ञापन वाले पोस्टर हटाया गया। साथ ही सभी दुकानों में कोटपा-2003 की धारा 6ए का अनुपालन कराया गया।सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले को 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू पदार्थ बेचना या बेचवाना कानूनन अपराध है- का पोस्टर दुकान के सामने लगवाया गया। छापामारी के दौरान प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक आलोक कुमार के साथ उनकी टीम के लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस 26 मई को सरना धर्म कोड लागू करने को लेकर करेगी प्रदर्शन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची: प्रदेश कांग्रेस की ओर से 26 मई को सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में यह धरना-प्रदर्शन होगा। इसमें कांग्रेस के सभी वरीय नेता, मंत्री, विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व सांसद, जिला अध्यक्ष सहित राज्य भर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने रविवार को बताया कि एक लंबे अरसे से आदिवासी समुदाय अपने धार्मिक पहचान को पाने के लिए सरना धर्मकोड की मांग कर रहा है, जिसका कांग्रेस पूरी तरह से समर्थन करती है और चाहती है कि आगामी जनगणना में सरना धर्म कोड का एक कॉलम भी अंकित किया जाए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय का रहन-सहन, उनकी पूजा पद्धति और मान्य परंपराएं सभी धर्मो से अलग हैं। ये प्रकृतिपूजक हैं, इनके धार्मिक पहचान को बनाए रखना समय की मांग है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत प्राप्त संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार यह एक गंभीर समसामयिक मांग है, जिसे केंद्र सरकार को अविलंब मानना चाहिए।

Page 3_Page 3.qxd 5/25/2025 10:24 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

महुदा स्टेशन से हज यात्रियों का एक जत्था कोलकाता एयर पोर्ट के लिए हुए रवाना

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदा : महुदा रेलवे स्टेशन से शनिवार की रात हाजियों का एक जत्था कोलकाता के लिए रवाना हुआ. जहां से सोमवार को दिन 11 बजे हवाई जहाज से जद्दा के लिए रवाना होंगे, इस मौके पर स्टेशन परिसर अल्लाह हू अकबर के नारों से गूंजयमान हो उठा. बड़ी संख्या में पहुंचे लोग जायरीन-ए-हज से मिलने के लिए बेताब दिखे.हज पर जाने वालों में गोमो के मौलाना मो. हुसैन अहमद और उनकी पत्नी साजदा खातून आदि शामिल हैं. इस मौके पर दुनिया में अमन व अमान के लिए दुआएं मांगी गई. इससे पहले वाहनों के काफिले के साथ हाजियों का जत्था महुदा स्टेशन पहुंचा. महुदा बाजार स्थित मस्जिद में ईसा की नमाज अदा की गई. मौके पर पूर्व जिप सदस्य अब्दुल जब्बार अंसारी, हाजी फरीद अहमद, शमशुल अंसारी, रहमगुल अंसारी, तारिक अनवर, मिंहाजुल अंसारी, मौलाना अलाउद्दीन नदवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

बबलू मोदक बने धनबाद जिला युवा जदयू अध्यक्ष, जदयू नेताओं ने दी बधाई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड प्रदेश जदयू युवा अध्यक्ष निर्मल सिंह के साथ विचार-विमर्श कर धनबाद जिला जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने अरलगड़िया बस्ती पुटकी निवासी बबलू मोदक को धनबाद जिला युवा जदयू अध्यक्ष के पद पर मनोनित किया है.इनके मनोनयन पर धनबाद जिला जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह, प्रदेश महासचिव सुशील सिंह, उदय कुमार सिंह, प्रदेश महासचिव दीपनारायण सिंह, पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राम स्वरूप यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी हसीब खान, प्रदेश सचिव राजू सिंह, मुन्ना सिन्हा, केबी सहाय, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दूबे, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष पुष्पा पाण्डेय, दिलीप सिन्हा, उचित महतो, विजय सिंह कुशवाहा, राजेन्द्र राही, डॉ राजेश राम ,भरत कुमार, छोटू भुइयां, हरीश चंद्र कुम्हार एवं संगीता देवी आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं.नव मनोनित जदयू धनबाद युवा जिलाध्यक्ष बबलू मोदक ने झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद खीरू महतो, झारखंड प्रदेश युवा अध्यक्ष निर्मल सिंह एवं धनबाद जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह के प्रति कृतज्ञता जाहिर किया हैं.

पचगढी काली मंदिर का 51 वां तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव आज से, सभी तैयारियां पूरी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : कतरास स्वास्तिक सिनेमा स्थित काली मंदिर की 51 वां वार्षिकोत्सव पर भव्य तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है. काली मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया है. जगह-जगह तोरण द्वार बनाए गए हैं. आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की जा रही है, पूरे मंदिर प्रांगण में लाइटिंग किया जा रहा है. रंग-बिरंगे लाइटिंग श्रद्धालुओं को अपने और आकर्षित कर रही है. कार्यक्रम को लेकर मंदिर में पिछले 1 माह से रंग रोगन का कार्य चल रहा था. मंदिर कमेटी के लोग कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर काफी सक्रिय हैं. इस बार 28 मई को आयोजित भजन संध्या में इस्कोन के द्वारा भजन प्रस्तुत किया जाएगा. 26 मई को फलहारिणी काली पूजा रात में, 27 को महाप्रसाद का वितरण होगा.

रांची के श्याम भक्त मुन्ना ने खाटू धाम के लिए शुरू की निशान पद यात्रा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । राजरप्पा के शक्ति पीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर से श्री श्याम निशान का विधिवत पूजन और आरती के बाद रविवार को जय श्री श्याम के जयकारा के साथ श्याम भक्त मुन्ना शर्मा ने निशान उठाया। उनके साथ काफी संख्या में रांची से श्याम भक्त मौजूद थे। सबसे पहले निशान के साथ सभी लोग मंदिर गर्भगृह में जाकर माता के पूजन, दर्शन किये और निशान की आरती की गई। उल्लेखनीय है कि खाटू श्याम के लिए यह 14 वीं निशान पद यात्रा है । रजरप्पा से चलकर 30 किलोमीटर की यात्रा तय कर निशान पद यात्रा रामगढ़ पहुंचेगी। यहां श्री श्याम भगवान के मंदिर में निशान का स्वागत और पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर माता के मंदिर के पंडा ने श्याम भक्त मुन्ना शर्मा को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।

यह श्री श्याम निशान पद यात्रा रजरप्पा से रामगढ़ , हजारीबाग , बरही, चौपारण, शेरघाटी औरंगाबाद, सासाराम ,डेहरी ऑन सोन, बनारस, इलाहाबाद होते हुए 1550 किलोमीटर की यात्रा तय कर खाटू के श्री श्याम मंदिर 35 दिनों में पहुंचेगी। लगभग प्रतिदिन 40 किमी की यात्रा के बाद रात्रि विश्राम होगा। मुन्ना की झारखंड के रजरप्पा धाम से श्याम निशान लेकर 14 वीं श्री श्याम निशान पद यात्रा होगी। इस यात्रा को सजाने में कई श्याम प्रेमियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस यात्रा में नटवर शिखवाल, धर्मपत्नी , जगदीश, रामजी, तिवारी सहित काफी संख्या में श्याम भक्त रजरप्पा से रामगढ़ पहुंचेंगे।

किसानों में जागरूकता से खत्म होगा बिचौलिया राज : मंत्री

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । झारखंड में एक बार फिर रविवार से बीज वितरण की शुरूआत हो गई है। कृषि निदेशालय प्रांगण में बीज दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों के बीच बीज वितरण का शुभारंभ किया। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने खरीफ फसल के बीज वितरण का लक्ष्य 80 हजार क्विंटल रखा है। ये आंकड़ा पिछले दो वित्तीय वर्ष से दोगुना है। इस मौके पर कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से किए गए वायदे के प्रति सजग है। यही वजह है कि बीज दिवस के दिन से ही राज्य भर में बीज वितरण की शुरूआत कर दी गई है। कमजोर राज्यों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए ज्यादा काम करना जरूरी है। झारखंड भी इसी रास्ते पर निरन्तर आगे बढ़ रहा है। अगर किसान विभाग की योजनाओं प्रति जागरूक होंगे , तो राज्य से बिचौलिये खत्म हो जाएंगे। ऐसा किसानों की जागरूकता और उनकी सूझ-बुझ से ही संभव है।

कृषि मंत्री ने कहा कि विभाग किसानों को 50 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक अनुदान पर बीज उपलब्ध करवा रहा है। लेकिन इसका लाभ लेने के लिए समय पर सही जानकारी और प्रक्रिया को अपनाना होगा। कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता विभाग जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक किसानों से योजनाओं का फीडबैक ले रही है , ताकि कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। राज्य में छोटे बदलाव से विकसित झारखंड का निर्माण संभव है।

मंत्री ने कहा कि फसल के पटवन के लिए विभाग ने नदी पर बिरसा पक्का चेक डैम योजना की शुरूआत करने का निर्णय लिया है।विभाग किसानों के अनुरूप योजना को रूप देना चाहती है। किसान जागरूक बने और गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक विभाग की योजनाओं की जानकारी साझा करें , ये जरूरी है। ऐसा करके झारखंड के किसान भी केरल और महाराष्ट्र की तरह खुद को कृषि के क्षेत्र में सफल साबित कर सकते है। उन्होंने कहा कि आज किसानों को आधुनिकता के दौर में विज्ञान और ज्ञान को अपनाना होगा। कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीक से फसल की पैदावार में बढ़ोत्तरी तय है।

विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीकी ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि भूल से भी बीज खरीद के लिए अपना ओटीपी किसी दूसरे से साझा ना करें। एक भूल से आप खुद का नुकसान कर सकते है। बीज वितरण के लिए प्रखंड स्तर पर मॉनिटरिंग टीम का गठन किया गया है। इतना ही नहीं ब्लॉक चेन सिस्टम को भी विभाग ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर बीज उपलब्ध कराना है।

दिनदहाड़े आदिवासी युवती से गैंगरेप, एक आरोपित गिरफ्तार

गोड्डा **(एजेंसी)** । जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत हरख्खा स्थित रेलवे ओवरब्रिज के समीप शनिवार दोपहर एक 30 वर्षीय आदिवासी युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पीड़िता घटना के समय अपने मित्र जीतन हेंब्रम के साथ जा रही थी।

पहले से घात लगाए ललमटिया क्षेत्र के नजीर अंसारी (22) और सादिक अंसारी (20) ने चाकू की नोंक पर जीतन को भगा दिया और युवती को जबरन रेलवे पुल के पास ले जाकर दुष्कर्म किया। घटना के तुरंत बाद जीतन हेंब्रम ने हरख्खा गांव में ग्रामीणों को सूचना दी, जिन्होंने एक आरोपित को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस ने पीड़िता के आवेदन पर मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि दूसरे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

रविवार को घटना के विरोध में आदिवासी समुदाय के लोगों ने ललमटिया थाना परिसर में प्रदर्शन कर दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी और कठोर सजा की मांग की। आदिवासी संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद हेम्ब्रम, सोनालाल टुडू, दीवान किस्कू, रमेश, वीरेंद्र, संतोष किस्कू, अजय किस्कू सहित लीलातरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ने घटना पर गहरा आक्रोश जताते हुए प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। ललमटिया थाना प्रभारी के अनुसार, मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और शीघ्र ही फरार आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कार और मालवाहक वाहन की सीधी भिड़ंत में तीन की मौत, तीन घायल

लोहरदगा **(एजेंसी)** । नेशनल हाईवे 39 कुडू - चंदवा मुख्य पथ पर कुडू और चंदवा थाना की सीमा पर चंदवा थाना क्षेत्र के सेन्हा खेल मैदान के समीप रविवार को कार और मालवाहक वाहन के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो महिलाओं सहित तीन की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए हैं। सभी का इलाज कुडू सीएचसी में कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया है। घटना की सुचना के बाद चंदवा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच शुरू कर दिया है।

बताया जाता है कि मेदनीनगर पलामू जिले के लेस्लीगंज से कार नंबर (जेएच 01 वीयू 6020) में सवार होकर एक ही परिवार के छह लोग रांची जा रहें थें। इसी बीच रांची से डाक पार्सल लेकर चंदवा की तरफ जा रहा मालवाहक वाहन नंबर (यूपी 65 केटी 6649) से चंदवा थाना क्षेत्र के सेन्हा खेल मैदान के समीप सीधी भिड़ंत हो गई। घटना के बाद घटना स्थल पर चित्कार मच गया। घटना की जानकारी होने के बाद लाधुप और सेन्हा के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा घायलों को इलाज के लिए कुडू सीएचसी पहुंचाया गया।

जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने शांति देवी को मृत घोषित कर दिया। घायलों बबीता देवी, मनोज कुमार वर्मा,राकेश रौशन, श्रुति कुमारी, ज्योति कुमारी की हालत गंभीर देखते हुए रांची रिम्स रेफर किया गया। लेकिन रांची पहुंचने से पहले बबिता देवी तथा मनोज कुमार वर्मा की मौत रास्ते में हो गई। घटना की सूचना पर चंदवा पुलिस कुडू सीएचसी पहुंच मामले की छानबीन कर रही थी। चंदवा पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त करते हुए जांच शुरू कर दिया है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के रांची आगमन पर झारखंड विस अध्यक्ष ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची : अध्यक्ष लोक सभा ओम बिड़ला के राँची आगमन पर अध्यक्ष झारखंड विधानसभा रबीन्द्रनाथ महतो बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर उनसे शिष्टाचार भेंट की। अध्यक्ष झारखंड विधानसभा उनके आगमन पर हर्ष व्यक्त किया।उन्होने कहा कि पीठासीन अधिकारियों की बैठक में मेरी मुलाकात उन से हमेशा होती रही है। रविवार को झारखंड में उनका स्वागत करने का मौका मिला।देश की सर्वोच्च पंचायत लोक सभा के अध्यक्ष का झारखंड की धरती पर आगमन हम सभी के लिए हर्ष का विषय है।

दो नई गाड़ियों का परिचालन होगा प्रारंभ

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कोलकाता। भारतीय रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए दो नई एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन का फैसला लिया गया है जिसमें एक वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा भी शामिल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दाहोद में आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन दोनों एक्सप्रेस गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। गाड़ी संख्या 26901 साबरमती वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन सप्ताह में 6 दिन किया जाएगा। गुरुवार को इस ट्रेन का परिचालन नहीं होगा। प्रतिदिन यह गाड़ी सुबह 05.25 बजे साबरमती स्टेशन से खुलेगी और चांदलोडिया, विरमगाम, राजकोट, जूनागढ़ होते हुए दोपहर 12:25 पर वेरावल स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 26902 प्रतिदिन दोपहर बाद 14:40 पर वेरावल स्टेशन से खुलेगी और जूनागढ़ राजकोट, विरागम होते हुए 21:35 पर साबरमती स्टेशन पहुंचेगी। चांदलोडिया स्टेशन पर अभी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत डेवलपमेंट के काम हो रहे हैं जिनका पूरा किए जाने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस का वाणिज्यिक ठहराव चांदलोडिया स्टेशन पर प्रारंभ होगा।

गुजरात में यात्रियों की सुविधा के लिए दूसरी एक्सप्रेस गाड़ी वलसाड दाहोद एक्सप्रेस का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 19011 प्रतिदिन सुबह 5:15 बजे वलसाड स्टेशन से खुलेगी और बीलीमोरा, नवसारी, सूरत वडोदरा, गोधरा होते हुए 11:05 पर दाहोद स्टेशन पहुंचेगी वापसी में यह गाड़ी दाहोद स्टेशन से 11:55 पर खुलेगी और 20:05 पर वलसाड स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 17 कोच होंगे। ट्रेन में एग्जीक्यूटिव क्लास का एक कोच, थर्ड एसी का चार कोच और सेकंड क्लास के 10 कोच लगाए जाएंगे। इसके अलावा गार्ड सह पार्सल वान के दो कोच होंगे। एक गार्ड वान में दिव्यांग यात्रियों के बैठने की सहूलियत प्रदान की जाएगी।

झारखंड आंदोलन में बांग्लाभाषियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : काबू दत्ता

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम । झारखंड बांग्लाभाषी उन्नयन समिति का राज्य सम्मेलन रविवार को जमशेदपुर के होटल मिस्टी इन में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में राज्य के विभिन्न जिलों से आए बांग्लाभाषी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में इस बात पर गहन चर्चा हुई कि किस प्रकार झारखंड में बांग्ला भाषा और बांग्लाभाषियों के अस्तित्व को लगातार दबाने और मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। झारखंड बांग्लाभाषी उन्नयन समिति के प्रदेश संयुक्त सचिव काबू दत्ता ने बताया कि झारखंड ऐतिहासिक और भौगोलिक दृष्टि से एक बांग्ला भाषा बहुल राज्य है और राज्य के चौबीस में से सोलह जिलों में बांग्ला प्रमुख संपर्क भाषा है। बावजूद इसके, झारखंड के गठन के बाद से अब तक की सभी सरकारों ने बांग्ला भाषा और बांग्लाभाषियों के अस्तित्व को समाप्त करने की दिशा में योजनाबद्ध साजिश की हैं।

सम्मेलन में यह भी कहा गया कि सरकार ने पहले बांग्ला में पठन-पाठन को बंद करने के लिए बांग्ला की पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति रोक दी, फिर बांग्ला शिक्षकों की नियुक्ति पर भी रोक लगा दी। इसका परिणाम यह हुआ कि बांग्ला भाषी छात्रों की संख्या घटने लगी, स्कूलों से ड्रॉपआउट बढ़ गया और अंततः ऐसे सोलह हजार स्कूलों को बंद कर दिया गया जिनमें छात्र कम हो गए थे। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे बड़ा असर राज्य के बांग्लाभाषी गरीब और ग्रामीण छात्रों पर पड़ा है। आज शिक्षा मंत्री यह कहकर अपना पल्ला झाड़ते हैं कि पहले छात्र लाइए, फिर किताबें और शिक्षक देंगे। बांग्ला भाषी समाज का सवाल है कि जब सरकार की गलत नीतियों के कारण ही छात्र कम हुए हैं, तो उसकी भरपाई समाज क्यों करे। सरकार की इन नीतियों और गैर-जिम्मेदार बयानों से बांग्लाभाषी समाज अत्यंत क्षुब्ध है और इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। सम्मेलन में इस बात को भी लेकर गहरा आक्रोश था कि राज्य सरकार ने राष्ट्रवादी विचारक और बंगाली महापुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से नामांकित विश्वविद्यालय से उनका नाम हटा दिया है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि बांग्ला समाज के सम्मान और योगदान का अपमान है। सम्मेलन में यह भी याद दिलाया गया कि झारखंड आंदोलन में बांग्लाभाषियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन, बिनोद बिहारी महतो के साथ-साथ दिवंगत एके राय जैसे बांग्लाभाषी नेताओं ने झारखंड राज्य निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया। इसके बावजूद बांग्ला भाषा और संस्कृति के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। इस सम्मेलन में यह स्पष्ट किया गया कि अब बांग्लाभाषी समाज इन षड्यंत्रों को अच्छी तरह समझ चुका है और इसका सशक्त और संगठित प्रतिकार करने को तैयार है। इसके तहत राज्य भर में 19 मई से बांग्ला जनजागरण अभियान की शुरूआत की गई है, जो राज्य के 150 प्रखंडों के 25,000 गांवों तक पहुंचाया जाएगा। यह आंदोलन खासकर उन ग्रामीण इलाकों में केंद्रित होगा, जहां बांग्ला भाषी गरीब और वंचित तबके के लोग रहते हैं, जो सरकार की नीतियों से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। सम्मेलन में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि सरकार को बांग्ला भाषा और बांग्लाभाषियों की भावनाओं, अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए अविलंब ठोस कदम उठाने होंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो राज्यभर में जनांदोलन तेज किया जाएगा।

बेलाहाथी गांव में जंगली हाथियों का उत्पात, मकान को किया क्षतिग्रस्त

खूंटी **(एजेंसी)** । खूंटी प्रखंड के बेलाहाथी गांव में शनिवार की शाम दो जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। ये दोनों हाथी अपने झुंड से बिछड़कर शुक्रवार से ही इलाके में भटक रहे थे। भूख-प्यास से बेहाल हाथियों ने गांव में घुसकर एक पक्के मकान को नुकसान पहुंचाया और अंदर रखे खाद्य सामग्री को खा गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार शाम लगभग छह बजे दोनों हाथी बेलाहाथी गांव के देवीगुड़ी स्थान पर पहुंचे और वहां मिट्टी खोदकर अपनी सूंड उठाकर नमन किया। गांव के लोग पहले से ही शोर मचाते हुए हाथियों को भगाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन हाथी गांव के अंदरूनी हिस्से में प्रवेश कर गए।

हाथियों का मुख्य निशाना बना गांव निवासी संजय कुमार का घर, जहां उस समय संजय की पत्नी खुशबू कुमारी लकड़ी के चूल्हे पर खाना बना रही थीं और पास में डेढ़ साल का बेटा आद्विक खेल रहा था। जैसे ही हाथियों ने मेनगेट और चाहरदीवारी को तोड़ना शुरू किया, खुशबू कुमारी खाना पकाना छोड़ अपने बेटे को गोद में उठाकर खेतों की ओर भाग निकली। उस वक्त संजय कुमार बाजार गए हुए थे। हाथियों ने संजय के घर के मेनगेट और चाहरदीवारी को तोड़ने के बाद रसोईघर की खिड़की से प्रवेश कर वहां रखा पका हुआ खाना, छह पैकेट आलू, दो पैकेट प्याज, दो पैकेट लहसुन, चना, दाल, चावल आदि खा गए। साथ ही कुछ सामान बर्बाद भी कर दिया। घर के अन्य खिड़कियां और ग्रिल भी क्षतिग्रस्त कर दिए। गांव वालों ने मिलकर शोर मचाकर हाथियों को किसी तरह गांव से बाहर खदेड़ा। बताया जा रहा है कि रविवार को दोनों हाथी मुरही पंचायत के जंगलों की ओर चले गए हैं। लेकिन डरे-सहमे लोग पूरी रात अलाव जलाकर अपने गांव की रक्षा हाथियों से करते रहे।

हाथियों के इस तरह रिहायशी क्षेत्र में प्रवेश करने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वन विभाग के अधिकारी हाथियों की लगातार निगरानी कर रहे हैं और प्रयास जारी है कि किसी को नुकसान पहुंचाए बिना हाथियों को सुरक्षित जंगल में वापस भेजा जा सके।

26 May Page 4_Page 3.qxd 5/25/2025 10:18 PM Page 1

मधुमेह एक दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थिति, जिसे अगर नियंत्रित न किया जाए तो गंभीर जटिलताएं हो सकती हैं : डॉ सुमित

मधुमेह रोग के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गयाजी):फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय में रविवार को मधुमेह जागरूकता अभियान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोगों को मधुमेह रोग के प्रति जागरूक करते हुए खान-पान और जीवन शैली से सुधार के विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी दी गई। मौके पर मौजूद रहे गया के जेनरल फिजिशियन व मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ सुमित कुमार ने कहा मधुमेह एक दीर्घकालिक स्थिति है जो तब होती है जब शरीर रक्त शर्करा के स्तर को ठीक से नियंत्रित करने में असमर्थ होता है। यह सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करता है और

अगर प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया जाता है तो गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। मधुमेह के प्रकारों को समझना और लक्षणों को जल्दी पहचानना रोकथाम और उपचार में महत्वपूर्ण कदम हैं। मधुमेह एक दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थिति है, जिसे अगर नियंत्रित न किया जाए तो हृदय रोग, गुर्दे की विफलता, दृष्टि हानि और तंत्रिका क्षति जैसी गंभीर जटिलताएं हो सकती हैं।उन्होंने कहा कि मधुमेह के तीन मुख्य प्रकार टाइप 1 मधुमेह , टाइप 2 मधुमेह और गर्भावधि मधुमेह है। हालांकि वे कुछ समानताएँ साझा करते हैं, लेकिन प्रत्येक प्रकार के अलग-अलग कारण और प्रभाव होते हैं। सामान्य लक्षणों के बारे में जागरूक होना जैसे कि अधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, बिना किसी कारण के वजन कम होना और थकान, व्यक्तियों को समय पर चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक प्यास और बार-बार पेशाब आना, नियमित भोजन के बावजूद अचानक वजन कम होना, धुंधली दृष्टि, लगातार थकान टाइप 1 मधुमेह के लक्षणों में शामिल हैं। इस प्रकार का मधुमेह अक्सर समय के साथ धीरे-धीरे विकसित होता है और स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम और वजन प्रबंधन सहित जीवनशैली में बदलाव करके इसे रोका या प्रबंधित किया जा सकता है। हृदय रोग, गुर्दे की क्षति और तंत्रिका संबंधी समस्याओं जैसी जटिलताओं के जोखिम को कम करने के लिए प्रारंभिक निदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इसी तरह बार-बार प्यास लगना और पेशाब आना, भूख में वृद्धि, हाथ और पैर में झुनझुनी या सुन्न हो जाना, धीरे-धीरे ठीक होने वाले घाव या संक्रमण टाइप 2 मधुमेह के लक्षणों में शामिल हैं। स्वस्थ जीवनशैली की ओर कदम बढ़ाने से टाइप 2 मधुमेह के प्रबंधन या रोकथाम पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। गर्भकालीन मधुमेह गर्भावस्था के दौरान होता है जब हार्मोनल परिवर्तन इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनते हैं, जिसके परिणामस्वरूप रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। हालांकि यह आमतौर पर बच्चे के जन्म के बाद ठीक हो जाता है, लेकिन अगर इसका इलाज न किया जाए तो गर्भकालीन मधुमेह माँ और बच्चे दोनों पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है। जन्म के समय अधिक वजन, जिससे प्रसव संबंधी जटिलताएं हो सकती हैं। माँ और बच्चे दोनों के लिए जीवन में आगे चलकर टाइप 2 मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है। मौके पर डा. ऋचा ने महिलाओं को महिला रोग के बारे में जानकारी देते हुए उसके उपचार के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन रवि कुमार उर्फ गुड्डू वर्णवाल ने किया।

विदेशी शराब के साथ नवादा के दो युवक को किया गया गिरफ्तार

ऑपरेशन सतर्क के तहत कोडरमा आरपीएफ की टीम ने की कार्रवाई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया जी :पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार के मार्गदर्शन में आरपीएफ की टीम द्वारा की जा रही कार्रवाई के तहत विदेशी शराब की तस्करी का मामला पकड़ा जा रहा है। ऑपरेशन सतर्क के तहत कोडरमा आरपीएफ की टीम ने कार्रवाई करते हुए

विदेशी शराब के साथ दो युवक गिरफ्तार किया। रेल सूत्रों ने बताया कि कोडरमा आरपीएफ इंस्पेक्टर

दीपक कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे हैं विशेष सर्च अभियान के दौरान स्टेशन के पास एफओबी के नीचे दो यवको को पिठ्ठु बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में देखा गया। संदेह होने पर उसके पास जाकर पूछताछ किया गया तो उसने अपना नाम व पता राहुल कुमार पता दलेलपुर थाना नारदीगंज जिला नवादा तथा रोशन कुमार पता बहुरी बिधा थाना नारदीगंज जिला नवादा बताया। जब राहुल कुमार के कब्जे वाले ब्राउन रंग के पिठ्ठु बैग को खोलकर चेक किया गया तो उसमें रखा हुआ 06 बोतल रॉयल स्टैग डीलक्स व्हिस्की, 15 केन बीयर पाया गया। उसके बाद जब रोशन कुमार के कब्जे वाले काला रंग के पिठ्ठु बैग को खोलकर चेक किया गया तो उसमें रखा हुआ 24 केन बीयर पाया गया। उक्त दोनों से शराब की बोतलों के बारे में पूछताछ किया गया तो उसके द्वारा बताया गया कि हमलोग बेरोजगार है इसलिए इसे बिहार ले जाकर अधिक दामों में बेच कर इससे लाभ कमाता हूँ। शराब की बोतलों के बाबत न तो कोई कागजात दिखाया और ना ही संतोषप्रद जबाब दिया।

फतेहपुर में सेना के सम्मान में निकाला गया तिरंगा यात्रा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गयाजी): आपरेशन सिंदूर की सफलता एवं भारतीय सेना के वीर पराक्रम के सम्मान में रविवार को फतेहपुर प्रखंड में एनडीए, विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के नेता और कार्यकर्ता ने तिरंगा यात्रा निकाला। यह तिरंगा यात्रा डुमरीचट्टी बाजार से शुरू हुई और चमरुचक, शीतलपुर, इटवां होते हुए फतेहपुर झंडाचौक पर पहुंची। तिरंगा यात्र के दौरान भारत माता की जय, हिन्दुस्तान जिंदाबाद के खूब नारे लगे। मौके पर बीजेपी के पश्चिमी मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, दक्षिणी मंडल अध्यक्ष देवीलाल यादव व पूर्वी मंडल अध्यक्ष अरविंद राजवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सुरक्षित हाथों में है। पूर्व अध्यक्ष कृष्णा सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को औकात याद दिला दी। महामंत्री पप्पू कुमार ने कहा कि हमारे देश के वीर सैनिक पराक्रम का प्रतीक है। चंद्रिका साव ने कहा कि आपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैनिक कार्रवाई नहीं बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक संदेश है। तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों ने युद्ध के दौरान सीमा पर शहीद हुए सेना को याद कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर कार्यकम का समापन किया गया।

तिरंगा यात्रा में फतेहपुर के तीनों मंडल अध्यक्ष के साथ ही सुभाष राजवंशी, पप्पू यादव, रवि सिंह, आशुतोष कुमार सहित काफी लोग लोग शामिल हुए।

रफीगंज पोस्ट के आरपीएफ की टीम की तत्परता से ट्रेन में बेहोश युवती की बचायी जान

ट्रेन में सफल कर रहे यात्रियों की सूचना पर रफीगंज आरपीएफ टीम ने की त्वरित कार्रवाई

उत्कृष्ट सेवा देने वाले आरपीएफ टीम को आरपीएफ आईजी करेंगे पुरस्कृत, बताया सराहनीय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया जी :पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल के गया जी जंक्शन से होकर पटना से भभुआ जा रही पटना-भभुआ इंटरसिटी एक्सप्रेस के एक कोच में बेहोशी की हालत में रही करीब 22 वर्षीय एक युवती को यात्रियों के प्रयास से आरपीएफ की टीम ने जान बचायी। ट्रेन में सफल कर रहे यात्रियों की सूचना पर डीडीयू रेल मंडल के रफीगंज आरपीएफ पोस्ट की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रफीगंज स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही बेहोशी की हालत में रहे युवती को ट्रेन से उतार कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। मौके पर इलाज की सुविधा मिलने से युवती की जान बच गई। इसकी स्थिति में सुधार हो रहा है। शनिवार की रात पटना-भभुआ इंटरसिटी एक्सप्रेस गया जी

जंक्शन से खुलने के बाद यात्रियों ने बेहोश पड़े युवती पर असमाजिक तत्व की गलत नियत के सन्देह पर विरोध जताया। प्रारम्भ में कष्ठा स्टेशन पर युवती को उतारने का प्रयास किया गया जिसे कोच के। यात्रियों ने विरोध जताया। साथ ही यात्रियों ने सीट पर अचेत पड़े युवती के बारे में रफीगंज आरपीएफ को सूचित किया। सूचना पर आरपीएफ इंस्पेक्टर राम सुमेर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार व जवानों को लेकर प्लेटफार्म पर आए तथा ट्रेन आते ही बताए गए कोच में जाकर बेहोश रहे युवती तथा उसके साथ रहे एक युवक को ट्रेन से नीचे उतारा और वाहन से तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। आरपीएफ की निगरानी में युवती की रात भर इलाज जारी रहा। होश आने पर युवती ने केवल अपना नाम सोनाली बतायी। साथ रहे युवक से पूछने पर अपना नाम दुर्गा प्रसाद (उम्र 33 वर्ष)पिता भगवान दास ग्राम बेमन थाना कागारौल जिला आगरा (उत्तर प्रदेश) बताया। युवती के परिजनों के बारे में पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। यात्रियों ने आरपीएफ की इस कार्रवाई पर साधुबाद दिया है। विशेष छानबीन के लिए आरपीएफ व जीआरपी की टीम संयुक्त कार्रवाई में जुट गई है। इस मामले की सूचना पाते ही आरपीएफ की टीम द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई को लेकर रेलवे बोर्ड में कार्यरत आरपीएफ के एडीजी एससी पाढ़ी ने अधिकारी व जवानों की कार्यो की सराहना की। साथ ही यात्रियों की क्रियाशीलता पर धन्यवाद दिया। पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने इस कार्य में उत्कृष्ट सेवा देने वाले रफीगंज आरपीएफ पोस्ट के अधिकारी व जवानों को पुरस्कृत करने की बात की है।

संक्षिप्त खबरें

आतंकवाद को भारत से जड़मूल तरीके से किया जाएगा समाप्त:जीतनराम मांझी

कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भारत के अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में लगे हैं दिन-रात

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया जी।आतंकी गतिविधियों का भारत कभी नहीं बर्दाश्त नहीं करेगा। आतंकवादियों के मनसूबे को नाकाम करने के लिए भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत के बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जापान को भी पीछे छोड़ दिया है और विश्व के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनकर उभरा है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रविवार को गया जी स्थित अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए यह बातें कही। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद को जड़मूल से समाप्त करने के लिए भारत पूरी मजबूती की साथ तटस्थ है। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पाकिस्तान के आतंकवाद को सबक सिखाने का संकल्प लिया था। इस संकल्प को उन्होंने भारत के हित मे पूरा करने का काम किया है।भारतीय सेना ने आतंक पर काफी मजबूती के साथ हमला कर उसे सबक सिखाने का कार्य किया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को केवल पाकिस्तान के आतंकवादियों को जड़मूल से समाप्त करना है। वहां की जनता से भारत को कोई मतलब नहीं है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हम आतंकी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।ऑपरेशन सिंदूर' पर उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों को कोई क्षति नहीं पहुंचाया है। पहलगाम हमले का जवाब आतंकियों को मारकर लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की ओर से किसी प्रकार से हमला होने की स्थिति में मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत ने पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम भी इसी शर्त पर लगाया है। उन्होंने कहा कि देश का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का रुख साफ करने के लिए ही विदेश भेजा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि 2047 तक भारत देश को पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाना है। 11 वें स्थान पर रहे भारत के अर्थव्यवस्था का बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हाथ मे मिला था। लेकिन आज भारत का अर्थव्यवस्था चौथे स्थान पर है। 2030 तक तीसरे स्थान पर लाने का मुहिम जारी है।

शहीद मनीष के परिजनों को समाजसेवी डॉ अनुज ने दी एक लाख रुपये की सहायता राशि

नवादा (एजेंसी) : नवादा जिले के कौआकोल प्रखंड के पांडेयगंगौट के लाल शहीद मनीष के परिजनों को रविवार को जावेद डॉक्टर अनुज कुमार ने एक लाख रुपए की सहायता राशि दी ।उन्होंने जीवन में हर संभव मदद करने की बात कही ।

भारतीय सेना के जवान मनीष केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के कारगिल में शहीद हो गए थे। वे भारत-पाकिस्तान की सीमा पर तैनात थे।मनीष पांडेयगंगौट निवासी अशोक राम के तीसरे पुत्र थे। 2018 में उसकी बहाली आर्मी में हुई थी।

पिता ने बताया कि मनीष की शादी इसी वर्ष 6 मार्च 2025 को ही हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही वह देश की सेवा के लिए ड्यूटी पर चला गया।

रविवार को जिला के समाजसेवी, शिक्षाविद, मॉडर्न शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष डॉ अनुज सिंह शहीद मनीष के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया। शहीद मनीष के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

उन्होंने परिजनों से मिलकर कहा कि मनीष ने हमलोगों के लिए अपना बलिदान दिया, उनके इस बलिदान के लिए देशवासियों को उन पर गर्व है। वह भारत माता के असली सपूत थे। उनकी कुबार्नी बेकार नहीं जाएगी। ऐसे में जब शहीद होते हैं, तो हमारी जिम्मेदारी है कि उनके परिवार को पूरा सहारा दें। इस दौरान उन्होंने मनीष के परिवार को मॉडर्न शैक्षणिक संस्थान की तरफ से एक लाख रुपए का चेक आर्थिक सहयोग के रूप में प्रदान किया।

भाजपा किसान मोर्चा ने निकाली तिरंगा यात्रा, सेना के साहस को किया सलाम

भागलपुर, (एजेंसी) : भागलपुर के दक्षिणी क्षेत्र स्थित शीतला स्थान चौक से गुराहट्टा चौक तक रविवार को भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का आयोजन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को चिह्नित करने के लिए किया गया। भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री आशीष गुप्ता ने यात्रा का नेतृत्व किया। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य लाल मोहन गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। यह यात्रा भारतीय सेना के साहस को सलाम करने के लिए निकाली गई। यात्रा का उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा में सेना के योगदान को सराहना करना था।भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा की तिरंगा यात्रा का कदम देशभक्ति की प्रेरणा देता है और हम सभी को इस अभियान में शामिल होने के कार्य किया। किसान मोर्चा अध्यक्ष गोपाल मंडल ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत की तीनों सेनाओं ने ऑपरेशन सिन्दूर के जरिए पाक में घुसकर कई आतंकी अड्डे और ग्यारह एयरबेस को नेस्तनाबूद कर दिया, उन्होंने ने कहा कि पूरी दुनिया ने भारत के पराक्रम का लोहा माना।इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष नभय चौधरी, राजीव पोद्दार, राजकिशोर गुप्ता, योगेश पांडे, मनीष दास, जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी, डॉ संजय कुमार, चंदन पांडे, रघुनन्दन चौरसिया, प्रमोद प्रभात, अंकित कुमार, सदानंद चौरसिया, ब्राह्मश्वर साह, मनोज हरि, निशु राज पोली, सचिन अवस्थी, संजय हरि, अशोक कुमार, कल्याणी देवी आदि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

हर्ष फायरिंग में आई नर्तकी को लगी गोली, घायल

डेहरी आन सोन,(एजेंसी) : रोहतास जिले के आयरकोठा थाना के टंडवा गांव में आज सुबह चार बजे हर्ष फायरिंग में एक नर्तकी पलक को गोली लगने से घायल हो गई ।उसे इलाज के लिए बिक्रमगंज करुणा अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस मामले की जांच कर रही है।नासरीगंज थाना क्षेत्र के सबदला गांव से आयरकोठा थाना क्षेत्र के टंडवा गांव में शनिवार रात बारात गई थी।बारातियों को गांव से एक किमी दूर पडुहार गांव स्थित एक होटल में ठहराया गया था ।घराती व दूल्हे के स्वजन शादी कार्यक्रम में टंडवा गांव चले गए।

पृष्ठ एक का शेष...

अमृतसर में अकाली दल पार्षद की....

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे अकाली नेता विक्रमजीत सिंह मजीठिया ने पंजाब में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि हरजिंदर सिंह को पिछले कुछ समय से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही थी। इस संबंध में पुलिस के पास शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने सीसीटीवी रिकॉर्डिंग तथा मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन हमलावरों की तस्वीरें भी जारी की हैं।

अमृतसर के पुलिस आयुक्त जीएस भुल्लर ने दावा किया कि पुलिस को इस मामले में कहीं अहम सुराग हाथ लगे हैं। बहुत जल्द आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा। प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी रंजिश का लगता है। इसके बावजूद परिजनों के बयान दर्ज करके उचित कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री के मन की बात में तेलुगू भाषाई....

लाइसेंसिंग सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

प्रधानमंत्री ने इन महिलाओं को ₹स्काई वॉरियर्स₹ कहकर संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने आंध्र प्रदेश के बारे में बात की। उन्होंने इस साल 21 जून को विशाखापत्तनम में मनाए जाने वाले ₹11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस₹ का जिक्र किया। मोदी ने कहा कि वे विशाखापत्तनम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस₹ कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। मोदी ने विशाखापत्तनम की प्राकृतिक सुंदरता की प्रशंसा की। उनका मानना है कि समुद्र तट पर विशाखापत्तनम के आसपास के इलाकों में योग का अभ्यास करने से यह अनुभव और भी मजेदार हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने ह्ययोग आंध्रह्न नाम से एक विशेष अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य राज्य में हर किसी को योग के महत्व के बारे में जागरूक करना और हर गांव और स्कूल में योग अभ्यास को शुरू करना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में 10 लाख से ज्यादा योग साधक हिस्सा लेने जा रहे हैं। विशेष शिविर, स्कूल योग कार्यक्रम और मेगा इवेंट पहले ही शुरू हो चुके हैं।

झारखण्ड के हाजियों के लिए अगले वर्ष से रांची से ही होगी फ्लाइट...

सभी को मुबारकबाद दिया गया। राज्य हज समिति के खुर्शीद आलम ने कहा कि झारखंड से सबसे अधिक हाजियों का 26 मई को कोलकाता इम्बार्केशन से जाएंगे। इसमें 642 हज यात्री हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार 26 मई को राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी हज यात्रियों को विदा करने के लिए कोलकाता इम्बार्केशन में पहुंचेंगे। कोलकाता में पहुंचे हज यात्रियों को राज्य हज कमेटी पासपोर्ट, वीजा समेत हज संबंधित जरूरी चीजें उपलब्ध करा रही है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जमशेदपुर से दिया....

दिया कि एक सिंदूर की भी कीमत होती है। आतंकवाद के खिलाफ भारत ने एक नई शैली में युद्ध लड़ा और पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जो हमारे जवानों की शौर्यगाथा को दशार्ता है।कार्यक्रम में जमशेदपुर के सांसद बिद्युत वरण महतो और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरूआत छऊ नृत्य से हुई और दीप प्रज्वलन के साथ विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य लोगों को सम्मानित भी किया गया।

कोरोना का कहर शुरूः महाराष्ट्र-कर्नाटक....

नए मामलों को लेकर डर वाली कोई बात नहीं है। इस साल कर्नाटक में कोरोना के कुल 35 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं बीते 15 दिनों में केस तेजी से पाए गए हैं। शनिवार को बेंगलुरु में कोरोना से संक्रमित एक 84 साल के शख्स की मौत हो गई थी। वहीं बेंगलुरु में एक 9 महीने का बच्चा भी कोरोना संक्रमित पाया गया है। जानकारी के मुताबिक बच्चे की हालत स्थिर है।

हरियाणा भी अलर्ट

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पतालों को तैयार रहने का आदेश दिया गाय है। लेकिन लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। 23 मई की रिलीज के मुताबिक हरियाणआ में चार केस पाए गए थे। दो गुरुग्राम और दो फरीदाबाद में। किसी भी मरीज की कोई इंटरनेशनल ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है।

कई राज्यों में मिले केस

उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक 55 साल की महिला को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उसे घर पर ही क्वारंटाइन में रखा गया है। इसके अलावा शुक्रवार को चार लोग गाजियाबाद में कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। महाराष्ट्र के ठाणे में कोरोना के आठ नए मरीज शनिवार को पाए गए। वहीं एक मरीज की मौत हो गई। ठाणे में कोविड के कुल 18 ऐक्टिव केस हैं। इनमें से केवल एक अस्पताल में है बाकी का इलाज घर पर ही चल रहा है। शुक्रवार की रिपोर्ट के मुताबिक हैदराबाद में कोविड का एक केस पाया गया था। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में कोरोना के चार मरीज पाए गए।

राजद सुप्रीमो लालू यादव ने अपने बडे.बेटे तेजप्रताप यादव को राजद से...

निजी जीवन के निर्णय लेने का उनका अधिकार है। राष्ट्रीय अध्यक्ष दल के नेता है, उन्होंने अपने ट्वीट के माध्यम से अपनी भावनाएं स्पष्ट कर दी है। हम ऐसी चीजों को पसंद नहीं करते हैं।बताते चलें कि तेजप्रताप यादव ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, ह्यमैं तेज प्रताप यादव हूं और मेरे साथ जो तस्वीर में नजर आ रही हैं, उनका नाम अनुष्का यादव है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक-दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 वर्षों से रिलेशनशिप में रह रहे हैं। मैं बहुत दिनों से यह बात कहना चाहता था, पर समझ नहीं आ रहा था कि कैसे कहूं। इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल की बात आप सबों के बीच रख रहा हूं। आशा करता हूं आपलोग मेरी बात को समझेंगे।बवाल मचने पर तेज प्रताप यादव ने पोस्ट किया कि मेरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को हैक एवं मेरी तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट कर मुझे और मेरे परिवार वालो को परेशान और बदनाम किया जा रहा है। मैं अपने शुभचिंतकों और फॉलोवर्स से अपील करता हूं कि वे सतर्क रहें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दे। चर्चा है कि परिवार से भी बेदखल कर दिया गया है।

संक्षिप्त खबर

फतेहपुर हाई स्कूल भवन में घटिया सामग्री से हो रहा है निर्माण

जिला परिषद अध्यक्ष ने लगाया आरोप

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

विन्दापाथर : फतेहपुर हाई स्कूल में बन रहे नए भवन में भारी गड़बड़ी सामने आई है। जिला परिषद अध्यक्ष राधा रानी सोरेन ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य पर नाराजगी जताई।कहा कि विभाग और ठेकेदार मिलकर गड़बड़ी कर रहे हैं। काम पूरी तरह से गुप्त तरीके से कराया जा रहा है। न सूचना बोर्ड लगाया गया है, न योजना से जुड़ी कोई जानकारी दी गई है। राधा रानी सोरेन ने बताया कि निर्माण में घटिया ईंट और बालू का इस्तेमाल हो रहा है। जोड़ाई में सीमेंट की मात्रा बहुत कम है। सिर्फ बालू ही दिख रहा है। दो नंबर ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सुधार नहीं हुआ तो काम रुकवाया जाएगा।उन्होंने कहा कि खराब सामग्री से भवन बनाकर स्कूली बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। 15 दिनों से लाखों रुपये खर्च कर प्लस टू उच्च विद्यालय के लिए अतिरिक्त भवन बनाया जा रहा है। मकसद था कि विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा मिले। लेकिन संवेदक द्वारा घटिया निर्माण कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर विभाग के इंजीनियर भी मौजूद नहीं थे। सुधार नहीं हुआ तो विरोध में काम रुकवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जानकारी जिला उपायुक्त और संबंधित विभाग को दी जाएगी। ठेकेदार लगातार घटिया सामग्री का उपयोग कर रहा है। मनमानी ढंग से काम किया जा रहा है। कार्य में भारी अनियमितता देखी गई है।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

विन्दापाथर : झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार जामताड़ा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं सचिव के आदेशानुसार एवं मार्गदर्शन पर स्पेशल नालसा आशा यूनिट के पीएलवी सदस्य अमित कुमार सिंह एवं पीएलवी यदुनाथ सिंह के द्वारा जिले के नाला प्रखंड अंतर्गत गेड़िया गांव मिगीजोड़िया टोला में बाल विवाह रोकथाम पर विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें उपस्थित लोगों को विस्तृत जानकारी देते हुए बाल विवाह के संबंध में बताया कि बाल विवाह कानूनी रूप से दंडनीय अपराध है। इसमें शामिल लोगों को जुमार्ना के साथ साथ सजा का भी प्रावधान है।बाल विवाह के कारण बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक रूप से दुष्प्रभाव शरीर पर पड़ता है।भारत में, बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अनुसार, लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित है। बाल विवाह एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। जिससे बच्चों के जीवन और विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। बाल विवाह के कारण महिलाओं में गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताएं, शिशु मृत्यु दर में वृद्धि और प्रजनन स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। बाल विवाह के कारण बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने और अपने विकास के अवसरों को खोने का जोखिम होता है। बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है और यह उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, और विकास के अवसरों को बाधित करता है ।

जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : जिला एथलेटिक्स संघ की बैठक उमाशंकर चौबे की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 31 मई व 01 जून को जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन विभिन्न आयु वर्ग अंडर 14 अंडर 16 और ओपन वर्ग में कराई जाएगी। इस प्रतियोगिता में दुमका जिला के सभी बालक व बालिका खिलाड़ी अपने उम्र प्रमाण पत्र के साथ इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में कई इवेंट होंगे अंडर 14 वर्ग 60 मी०, 600मी०, लंबी कूद, ऊंची कूद, भला फेक, गोला फेक। अंडर 16 वर्ग 100 मी०, 200मी०, 400मी०, 800मी०,लंबी कूद, ऊंची कूद, भला फेक, गोला फेक तथा सामान्य पुरुष व महिलाओं के लिए 800 मी०1500 मिटर, व 100 मीटर की रेस का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता मैं पुरस्कार जीतने वाले सभी खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट वह मेडल प्रदान की जाएगी। बैठक में उमाशंकर चौबे, बरूण कुमार, निमाई कांत झा, मुकेश कुमार, मुनका मनीष हेंब्रम, विजय कुमार सिंह, शिशिर कुमार घोष, मोहम्मद हैदर अली, विनीत कुमार सिंह, प्रशांत कुमार सिंह, प्रिंस राज सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

कानूनी जागरूकता के लिए विधिक सेवा प्राधिकार का शिविर आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

विन्दापाथर : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के आदेशानुसार विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम अभियान के तहत सिमलाडांगाल पंचायत के मुरीडीह, महेशपुर, फतेहपुर पंचायत के कोलपाडा , खिजुरिया में पीएलवी साधन मंडल और मुकेश कुमार मंडल ने संयुक्त रूप से विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया तथा ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने एवं डालसा के विभिन्न कार्यक्रम की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को निःशुल्क टोल फ्री नंबर15100 के बारे में तथा विधिक सहायता संबंधित जानकारी दी गई। राज्य में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजना के बारे में भी जानकारी दी गई और साथी ग्रामीणों की नशा मुक्ति के बारे में भी बताया गया। हिट एंड रन के बारे में बताया गया। रोड एक्सीडेंट के बारे में भी जानकारी दी गई। नशा मुक्ति , बाल विवाह रोकथाम पर लोग को जागरूक किया गया।

नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने की पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने राज्य में होने वाले आगामी नगर निकाय चुनाव को देखते हुए पर्यवेक्षकों की नियुक्त की है। प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को सांसद, मंत्री, विधायक और गत लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे नेताओं को नगर निगम,नगर पंचायत एवं नगर परिषद क्षेत्रों के पर्यवेक्षक के रूप में मनोनीत किया है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि नगर निकाय चुनाव को गंभीरता से लेते हुए संगठन को मजबूत करने की दिशा में अग्रतर कार्रवाई करें, ताकि हम

नगर निकाय चुनाव में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर सकें। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने इस बारे में बताया कि विभिन्न नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पंचायत के लिए वरीय नेताओं को जिम्मेवारी दी गई है। इस क्रम में देवघर नगर निगम, मधुपुर नगर परिषद एवं गोड्डा नगर परिषद की जिम्मेदारी कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव को, महगामा नगर परिषद की दीपिका पांडे सिंह को, बासुकीनाथ नगर परिषद की बादल पत्रलेख को,चतरा नगर परिषद एवं लातेहार नगर पंचायत की के. एन. त्रिपाठी को, चास नगर निगम की श्वेता सिंह को तथा चिरकुंडा नगर परिषद की जिम्मेदारी अनुपमा सिंह को दी गई है।

इन सबके अलावा धनबाद नगर निगम की अजय दुबे, रांची नगर निगम और कपाली नगर परिषद की यशस्विनी सहाय, बुंडू नगर पंचायत और खूंटी नगर पंचायत की कालीचरण मुंडा, सिमडेगा नगर परिषद की भूषण बाड़ा ,गुमला नगर परिषद की सुखदेव भगत, लोहरदगा नगर परिषद की डॉ. रामेश्वर उरांव, बचरा नगर पंचायत की अंबा प्रसाद, रामगढ़ नगर परिषद की ममता देवी, हजारीबाग नगर निगम की मुन्ना सिंह, पाकुड़ नगर परिषद की निशांत आलम और मिहिजाम नगर परिषद एवं जामताड़ा नगर पंचायत की जिम्मेदारी डॉ. इरफान अंसारी को दी गई है। इसी तरह से फुसरो नगर परिषद का कुमार जय मंगल उर्फ अनूप सिंह, मानगो-नगर निगम का बन्ना गुप्ता, बिश्रामपुर नगर परिषद एवं माझियांव-नगर पंचायत का सुधीर कुमार चंद्रवंशी, छतरपुर नगर पंचायत का राधाकृष्ण किशोर और मेदिनी नगर नगर निगम का के. एन. त्रिपाठी को पर्यवेक्षक मनोनीत किया गया है। सोनाल शांति ने बताया कि आगामी नगर निकाय चुनाव को कांग्रेस पूरी गंभीरता से ले रही है और इन चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन कर शहरी जनमानस के बीच अपनी भूमिका तय करना चाहती है। यह चुनाव संगठन के लिए संजीवनी का काम करेगा, जिससे कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

फर्नीचर दुकान में लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । रांची में सदर थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फर्नीचर की दुकान में रविवार को अचानक आग लग गई, जिसकी वजह से लाखों का नुकसान हो गया। इस अगलगी में दुकान में रखे हुए फर्नीचर के लगभग सभी स्टॉक जल कर राख हो गए। आग किन वजह से लगी इसका पता लगाया जा रहा है, हालांकि आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। दरअसल, रविवार होने की वजह से दुकान पूरी तरह बंद थी। आसपास कुछ लोग अपने-अपने कामों में लगे थे तभी अचानक दुकान से धुआं निकलने लगा, थोड़ी ही देर में आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं, तब जाकर लोगों को पता चला कि दुकान में आग लगी है। आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते तब तक आग चारों तरफ फैल गई, आग की लपटें पूरे दुकान को अपनी टपेट में ले चुकी थीं। आग लगने की सूचना पर सदर थाने की टीम सबसे पहले मौके पर पहुंची, उसके बाद दमकल के कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गईं। खबर लिखे जाने तक आग पर काबू पाने लिए दमकलकर्मी मशक्कत कर रहे थे। हालांकि, इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार ने बताया कि आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। अगलगी में किसी के हताहत की सूचना नहीं है।

सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सरोज यादव ने जीता ब्रांज मैडल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : एथलेटिक्स संघ के तत्वाधान में झारखंड राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप बोकारो चंदनकियारी एथलेटिक्स संघ के द्वारा 25 से 26 मई 2025 चंदनकियरी के आउटडोर स्टेडियम खेल मैदान में आयोजित की जा रही हैं. जिसमें जामताड़ा जिला के सरोज यादव ने गोला फेंक में ब्रांज मैडल जीता. प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि चांदनकियारी के विधायक उमाशंकर रजक ने मैडल एवं चांदनकियारी बीडीओ एवं झारखंड एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष सीडी सिंह ने संयुक्त रूप से प्रणाम पत्र दे कर सम्मानित किया। झारखंड राज्य सचिव ने कहा कि जामताड़ा जिला का प्रदर्शन काफी सराहनीय है। छोटे से जिला में बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं जो राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रदर्शन अच्छा करते हैं और मैडल भी प्राप्त करते हैं। वही जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मनीष दुबे ने कहा कि सरोज यादव निरंतर खेल से जुड़े रहते हैं। अपनी प्रतिभा को निखारने का काम करते हैं। राज्य स्तर पर पदक प्राप्त करने पर बहुत बहुत बधाई। एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष ने बधाई दी और कहा जिला में खेल मैदान की कमी है। जिला प्रशासन को बुनियादी ढांचे जिला में तैयार करना चाहिए जिससे खेल का विकास हो सके। इस अवसर पर कोच छोटेलाल कामत, कोच नीरज कुमार, देवाशीष मुखर्जी,राजीव साव, विवेक रजक, राज मंडल, पूनम शर्मा, विष्णु सेन ,सुमित ओझा, मनोज कुमार, विष्णु सेन, दिलीप कुमार , मौके पर मौजूद थे।

कोयला डंपिग यार्ड से उठने वाले डस्ट के विरोध में धरना प्रदर्शन जारी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : उपराजधानी में रेलवे स्टेशन पर बने कोयला रैक अब आम जनता के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। कोयला रैक से उठने वाला डस्ट आम लोगों को बीमार बना रहा है। बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं के साथ साथ बीमार लोगों को और भी बीमार बना रहा है। विगत 33 सप्ताह से इसके विरोध में शहर वासी धरना प्रदर्शन कर विरोध जता रहे हैं। लेकिन स्थानीय विधायक और सांसद के साथ साथ जिला प्रशासन भी मौन है। गौरतलब है कि अब धरना प्रदर्शन में सिदो कान्हो मुर्मू विश्व विद्यालय के कई प्राध्यापक और नगर परिषद कि पूर्व अध्यक्ष अमिता रक्षित भी धरनार्थियों को साथ देकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर अपनी भढ़ास निकालते हुए कहा है कि वोट के समय तो सब बड़े-बड़े वादे करते हैं लेकिन चुनाव के बाद सब भगवान भरोसे छोड़ देते हैं। गौरतलब है कि दुमका रेलवे स्टेशन पर बनाए गए कोयला डंपिग यार्ड के लिए सारे नियम कानून को ताक पर रख दिया गया। कभी हरा भरा

रहने वाला दुमका अब कोयला रैक से होने वाले प्रदूषण के कारण काला पड़ गया है। रेलवे स्टेशन का कोई कोना इससे अछूता नहीं है। रेलवे कर्मी भी दबी जुबान में कहते हैं कि दुमका में रहना यानी कि मौत को दावत देना है। डॉ निशीकांत दूबे ने भी यहां की जनता से वादा किया था कि 2024 तक दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला रैक को हर हाल में हटा लिया जाएगा। लेकिन उनके द्वारा किया गया वादा अभी तक तो धरातल पर नहीं दिखाई पड़ा। बताते चलें कि विगत तीन वर्षों से लोग आंदोलन कर अपना विरोध जता रहे हैं लेकिन कोई भी जनप्रतिनिधि धरनार्थियों की सुध लेने नहीं पहुंचा जिसके कारण लोगों में काफी रोष है। आंदोलन कर रहे धरनार्थियों ने अब स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सरकार को चेतावनी दी है कि यह आंदोलन रूकने के बजाय और अधिक उग्र होगा। इसके तहत पुतला दहन, मशाल जुलूस और अन्य गतिविधियां के जरिए संवैधानिक तरीके से कोयला रैक को हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मौके पर रवि शंकर मंडल, डॉ अमीता रक्षित, डॉ शंभू सिंह, डॉ विनोद कुमार शर्मा, डॉ अनहद लाल , संजय मंडल, विष्णु यादव , मनोज सिंह मेलर, अमन सिंह, अभय गुप्ता, मृणाल मिश्रा, मंजू गुप्ता, कृष्ण सिंहा, डिस्को मंडल, विनय कुमार सिन्हा, अजय गुप्ता, रिंकू, तुलसी, सिंधु, जीमी, आकाश, मिक्कू, के साथ साथ दर्जनों लोग उपस्थित थे.

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकराई, तीन घायल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : मसलिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुमका-नाला मुख्य मार्ग पर कोल्हरिया गांव के समीप तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकराई। दुर्घटना में कार सवार तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार प्रवीण कुमार सिंह अपने दो पुत्रों के साथ शादी समारोह में शामिल होने दुमका आऐ थे वहां से पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर के लिए रवाना हुए। भागलपुर निवासी परवीन कुमार सिंह स्वयं वाहन ड्राइव रहे थे उनका बड़ा पुत्र प्रतीक कुमार सिंह पीछे की सीट पर और छोटा पुत्र प्रणय कुमार सिंह आगे की सीट पर बैठा था। दुर्घटना में प्रतीक कुमार सिंह का दाहिना पैर टूटने की आंशका जताई गई है। प्रणय कुमार सिंह को छाती और कमर में गंभीर चोटें आई हैं जबकि परवीन कुमार सिंह को हल्की अंदरूनी चोटें लगी हैं। घटना की सूचना मिलते ही मसलिया थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तत्काल पीसीआर वैन की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसलिया भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने घायलों को बेहतर इलाज के लिए दुमका मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

बेटी को सम्मान दिलाना और उनके भविष्य को उज्जवल बनाना ही लक्ष्य

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

शिकारीपाड़ा : जरूरतमंद परिवार की बेटी की शादी में सहयोग कर भारतीय एकता ट्रस्ट ने एक बार फिर मानवता और सेवा भावना का परिचय देते हुए एक गरीब परिवार की बेटी की शादी में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। यह सहायता ढेबाडीह में रहने वाले एक निर्धन परिवार की बेटी की शादी के अवसर पर दी गई। इस नेक कार्य से परिवार के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। बच्ची की माँ ने ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। स्थानीय लोगों ने भी ट्रस्ट की सराहना की और इस प्रयास को प्रेरणादायक बताया। भारतीय एकता ट्रस्ट पिछले तीन सालों से गरीबों और लाचारों के हर मुश्किल परिस्थितियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा का कार्य कर रही है। भारतीय एकता ट्रस्ट के अध्यक्ष आफताब अंसारी ने बताया कि उनका उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक मदद पहुंचाना है। हमारा उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं बल्कि समाज में सहयोग और एकता की भावना को जीवित रखना है। समाज में बेटी को सम्मान देना और उनके भविष्य को उज्जवल बनाने का लक्ष्य के साथ हम सभी इस कार्य के लिए सदैव तत्पर रहेगा। इस पुनीत कार्य से न केवल एक परिवार को सहारा मिला, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी गया कि एकजुट होकर हम हर कठिनाई को आसान बना सकते हैं। मौके पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष निजामुद्दीन अंसारी, कोषाध्यक्ष राजा, शब्बीर अंसारी , मो ताज, अफजल अंसारी , सद्दाम अंसारी , सफाद अंसारी, मेहबूब अंसारी ,अनवर अंसारी और कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा द्वारा मृत शिक्षक के परिजनों को आर्थिक सहयोग

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

शिकारीपाड़ा : सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के प्रखंड इकाई द्वारा मृत सहायक अध्यापक ईश्वर मुर्मू के पत्नी पानफुल टुडू को प्रखंड के सहायक अध्यापकों द्वारा बीस हजार का आर्थिक सहयोग दिया गया बताते चले कि पिछले 16 अप्रैल 2025 को प्राथमिक विद्यालय जामकांदर में कार्यरत सहायक अध्यापक ईश्वर मुर्मू का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। ईश्वर मुर्मू अपने पीछे दो पुत्र प्रशांत मुर्मू 25 वर्ष और उमेश मुर्मू 12 वर्ष तथा अपनी पत्नी पानफुल टुडू 45 वर्ष को छोड़कर गए हैं ईश्वर मुर्मू परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था जिसके निधन से उसका परिवार वर्तमान में

काफी आर्थिक संकट से गुजर रहा है। उनके बेटों की पढ़ाई और परिवार का भरण पोषण भगवान भरोसे ही गुजर रहा है इस स्थिति को देखते हुए प्रखंड इकाई ने उनकी पत्नी को बीस हजार का आर्थिक सहयोग दिया। मौके पर उपस्थित जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रकीब ने अनुकंपा के आधार पर स्वर्गीय ईश्वर मुर्मू के परिवार के एक सदस्य के लिए सरकारी नौकरी तथा 20 लाख रुपया आर्थिक मुआवजा की मांग की है मौके पर उपस्थित प्रखंड अध्यक्ष वकील मुर्मू और प्रखंड सचिव खलील अंसारी ने संयुक्त रूप से विभाग से यथाशीघ्र भविष्य निधि का बीमा राशि और जमा राशि उनके परिवार को भुगतान करने की सरकार से मांग की है। आर्थिक मुआवजा देने के लिए उनके निजी आवास जामकांदर में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रकीब प्रखंड अध्यक्ष वकील मुर्मू प्रखंड सचिव खलील अंसारी प्रखंड कमेटी सदस्य एनुल मियां मनोवर जमाल तनवीर आलम कमलेश पंडित इस्लाम अंसारी विमानरुप हाँसदा निरंजन पाल बीनीलाल टुडू सतीनाथ पाल भीमसेंट मरांडी अजीत कुमार वर्मा लक्ष्मी कुमारी सुरेश टुडू आदि दर्जनों शिक्षक पहुंचे थे।

संपादकीय

कोरोना संग जीना

दुनिया मानकर चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जन-जीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी। लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोरोना संक्रमण की वापसी की आहट पहले हांगकांग व सिंगापुर में सुनाई दी। हांगकांग में कुछ ही मामलों में तीस लोगों के मरने की खबर है। वहीं सिंगापुर में एक मई तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 हजार से अधिक थी, जिसमें 19 मई तक तीन हजार नये संक्रमित जुड़ गए हैं। जिस चीन से कोरोना वायरस सारी दुनिया में फैला, वहां भी कोरोना के मामले तो बढ़े हैं लेकिन इस संख्या को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं चीन का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों में तेजी आने की आशंका जता रहा है। चिंता इस बात की भी है कि भारत में केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि एक जनवरी से 19 मई तक देश में ढाई सौ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। मुंबई के अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की संक्रमण से हुई मौत को लेकर भी चिंता जतायी जा रही है। हालांकि, अस्पताल का दावा है कि एक रोगी कैंसर तो दूसरा किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी से पीड़ित था। बहरहाल, कोरोना के नये वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार के स्तर पर गंभीर प्रयास करने तथा नागरिकों को सजग-सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना संक्रमण की पिछली कई लहरों से सबक लेकर उपचारात्मक नीतियों के क्रियान्वयन व चिकित्सा सुविधाओं को विस्तार देने की जरूरत है। इससे पहले कि वायरस अनियंत्रित हो, सरकार व स्वास्थ्य एजेंसियों को बचाव के उपाय युद्ध स्तर पर करने चाहिए। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बार के संक्रमण के लिये ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जे.ए.1 तथा वेरिएंट एल.एफ.7 और एन.बी.18 जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि जे.एन.1 वेरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नये वेरिएंट से पीड़ित लोगों में गले में खराश, नींद न आना, छींके आना, खांसी, एंग्जाइटी, नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, थकान व मांसपेसियों में दर्द की शिकायत शामिल हो सकती है। हालांकि, इनमें से कुछ आम इंफ्लूएंजा के लक्षण भी हो सकते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण का टेस्ट करवाना भी जरूरी हो जाता है। वैसा कहना मुश्किल है कि कोरोना का वायरस हमारे बीच से चला गया। वह कहीं गया नहीं बल्कि टीकाकरण से मिली हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता ने उसे रोक दिया। लेकिन दिक्कत यह है कि मौसम परिवर्तन चक्र के बीच में म्यूटेशन से इसके नये वेरिएंट सामने आते हैं।

जिनका मुकाबला करने व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को इन्हें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। निस्संदेह, यह एक चुनौती है, लेकिन इससे घबराने की नहीं, समझदारी और सतर्कता से निपटने की जरूरत है। पिछली कई बड़ी कोरोना संक्रमण की लहरों ने हमें इस संक्रमण से मुकाबले के सबक दिए हैं। एक समय था जब हमारा चिकित्सा ढांचा इसके मुकाबले के लिये तैयार न था। जीवनदायिनी ऑक्सीजन की उत्पादन क्षमता और भंडारण में हम अब आत्मनिर्भर हैं। दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन अभियान चलाकर हमने 140 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है। हमने अपने नागरिकों को ही सुरक्षा कवच नहीं दिया, बल्कि पूरी दुनिया के अनेक देशों को भारत की वैक्सीन व चिकित्सा सामग्री देकर एक मिसाल कायम की है। दरअसल, कोरोना संक्रमण से बचने के वही उपाय हमें सुरक्षा देंगे, जो हमने पिछले संक्रमण लहरों में सफलतापूर्वक अपनाए थे। इनमें साफ-सफाई का ध्यान रखना है, सुरक्षित दूरी रखनी है, अपने खानपान को सुधारना है, हाथ मिलाने व भीड़भाड़ वालों स्थानों पर जाने से बचना चाहिए। मास्क का उपयोग अनिवार्य शर्त है। लक्षण दिखने पर जांच कराना और खुद को समाज व परिवार से अलग करना समझदारी होगी। हमारी सजगता व चिकित्सातंत्र की सक्रियता के आगे फिर वायरस कहां टिकेगा।

(चिंतन-मनन)

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकर्ताओं को निर्देश दे रहे थे– आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना ।एक ने कहा– बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है ।बापू ने कहा– वह जनसेवक के तौर पर आ रही है ।जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा ।पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा– उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ ।उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं । स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए । देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे । देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला । तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं । यह सुनकर सब लोग हंसने लगे । दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं । यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया । शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे– किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है ।

पूर्वोत्तर के लिए प्रधानमंत्री का ग्रैंड विजन

–एस. सुनील–

प्रधानमंत्री ने राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में एक और बहुत खास बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को सर्वाधिक विविधता वाला देश मानती है। उसमें भी हमारा पूर्वोत्तर भारत का सर्वाधिक विविधता वाला क्षेत्र है। यह विविधता भारत की और पूर्वोत्तर की शक्ति है। यह अब सिर्फ पूर्व और दक्षिण पूर्व के देशों के साथ भारत का गेटवे नहीं है, बल्कि विकास और संभावनाओं का क्षेत्र बन गया है, जो भारत के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट, 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्वोत्तर के विकास के ग्रैंड विजन को प्रतीकित करने वाला आयोजन था। अब तक देश के अलग अलग हिस्सों में निवेशकों के सम्मेलन होते थे, जहां कारोबार की संभावनाएं बेहतर होती थीं, जहां पहले से बुनियादी ढांचा विकसित रहता था, जहां कनेक्टिविटी बेहतर होती थी वहां निवेशक ज्यादा पैसा निवेश करते थे। पहली बार ऐसा हुआ कि उत्तर पूर्व में बुनियादी ढांचे के विकास पर इतना जोर दिया जा रहा है, उसे विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश हो रही है और निवेशकों का सम्मेलन हुआ, जिसमें एक दिन में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव आ गया। तभी जब प्रधानमंत्री ने शुक्रवार, 23 मई को नई दिल्ली के भारत मंडपम में कहा कि भारत का अपना पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर उत्तर पूर्व देगा तो यह सिर्फ उत्तर पूर्व के आठ राज्यों के लिए नहीं, बल्कि समूचे हिंदुस्तान के लिए गर्व की बात थी।

पहले की सरकारों ने जिस क्षेत्र की अनदेखी की। उसे अपने हाल पर छोड़े रखा। वहां चरमपंथ और अलगाव की भावना को दूर करके सशस्त्र संघर्ष खत्म कराने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया वहां से भारत का अपना पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर बनेगा। यह घोषणा अपने आप में पिछले 11 साल में उत्तर पूर्व में हुए बदलाव की कहानी बयान करती है। आज उत्तर पूर्व के राज्यों में शांति हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यों के बीच सीमा विवादों का निपटारा करने के लिए और सशस्त्र संघर्ष में शामिल समूहों के साथ अनेक समझौते कराए। स्थायी शांति बहाली के साथ ही पूरे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास की गति तेज हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निवेशकों के सम्मेलन में बताया कि पूर्वोत्तर के राज्यों में 11 हजार किलोमीटर हाईवे का निर्माण हुआ है और इसी अनुपात में रेल लाइनों का विस्तार किया गया है। केंद्र सरकार के सहयोग से पूरे उत्तर पूर्व में सड़क और रेल परिवहन में व्यापक सुधार हुआ और कनेक्टिविटी बढ़ी।

बुनियादी ढांचे के विकास, खास कर कनेक्टिविटी बढ़ने की वजह से पूर्वोत्तर में विकास और निवेश की संभावनाएं बढ़ीं। पिछले साल अगस्त में टाटा समूह ने असम में 27 हजार करोड़ रुपए के निवेश से सेमीकंडक्टर की फैक्टरी का ऐलान किया, जहां से भारत का पहला अपना स्वदेशी सेमीकंडक्टर बनेगा। इसके साथ ही सेमीकंडक्टर के साथ साथ इस पूरे सेक्टर और नई तकनीक के लिए पूर्वोत्तर का दरवाजा खुल जाएगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार पनबिजली और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ा निवेश कर रही है। यह भी उनके ग्रैंड विजन को बताने वाला है। ध्यान रहे किसी भी राज्य क्षेत्र में सड़क व रेल कनेक्टिविटी के साथ साथ ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स का नेटवर्क हो तो उसे विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता है। केंद्र सरकार ने इन सभी क्षेत्रों में पूर्वोत्तर में निवेश को प्राथमिकता दी। इस वजह से अब पूर्वोत्तर के राज्य विकास की नई छलांग लगाने को तैयार हैं। प्रधानमंत्री ने राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में एक और बहुत खास बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को सर्वाधिक विविधता वाला देश मानती है। उसमें भी हमारा पूर्वोत्तर भारत का सर्वाधिक विविधता वाला क्षेत्र है। यह विविधता भारत की और पूर्वोत्तर की शक्ति है। यह अब सिर्फ पूर्व और दक्षिण पूर्व के देशों के साथ भारत का गेटवे नहीं है, बल्कि विकास और संभावनाओं का क्षेत्र बन गया है, जो भारत के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में भारत और आसियान देशों के कारोबार में कई गुना बढ़ोतरी होगी और उसमें पूर्वोत्तर का महत्वपूर्ण योगदान होगा।निवेशकों के सम्मेलन में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों-अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया और देश के तमाम शीर्ष उद्योगपति इसमें शामिल हुए। डिपार्टमेंट ऑफ नॉर्थ ईस्ट रीजन ने इस निवेशक सम्मेलन का आयोजन किया। देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने पूर्वोत्तर में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा और सेमीकंडक्टर दोनों सेक्टर में पूर्वोत्तर को हब बनाने का ऐलान किया। इसके साथ साथ पर्यटन, कृषि खास कर जैविक कृषि, खाद्य प्रसंस्करण आदि के सेक्टर में बड़े विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया गया। देश के तीन शीर्ष उद्योग समूहों ने एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया, जिससे नए रोजगार के अवसर बनेंगे और विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। ध्यान रहे केंद्र सरकार के निवेश और पूर्वोत्तर के राज्यों को मुख्यधारा में शामिल करने की नीतियों के कारण निजी सेक्टर के निवेश में बढ़ोतरी हुई है और अब उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में वैश्विक निवेश में भी बढ़ोतरी होगी। अलग अलग सेक्टर में दुनिया भर के निवेशक पूर्वोत्तर में निवेश के लिए आकर्षित होंगे। प्रधानमंत्री अगले सप्ताह पूर्वोत्तर के दौरे पर भी जाएंगे। यह ऐतिहासिक दौरा होगा। प्रधानमंत्री 29 मई को सिक्किम के दौरे पर जाएंगे। सिक्किम भारत का 22वां राज्य बनने की स्वर्ण जयंती मना रहा है। ठीक 50 साल पहले सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना था। 2019 में राज्य में प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की सरकार बनमे के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिक्किम के दौरे पर जा रहे हैं। यह भी पूर्वोत्तर के राज्यों के विकास और पिछली सरकारों के समय बिल्कुल उपेक्षित छोड़ दिए गए क्षेत्र के विकास और मुख्यधारा में उनको शामिल करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दिखाता है। सिक्किम के जनप्रिय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने मंगलवार, 20 मई को प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्होंने सिक्किम के स्वर्ण जयंती समारोह का हिस्सा बनने का निमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है और सभी ने सिक्किम के 50वें राज्यत्व के समारोह में सम्मिलित होने की सहमति दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, कृषि व किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ऊर्जा व शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी सिक्किम के राज्यत्व के समारोह में शामिल होने पर सहमत हुए हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद सिक्किम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर स्वंय उनके सिक्किम के दौरे की जानकारी दी थी और लिखा था ह्लसिक्किम के राज्यत्व की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में चल रहे शानदार समारोहों के हिस्से के रूप में, मुझे आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मुलाकात करने का विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआह्व। उन्होंने आगे लिखा, ह्लसिक्किम के लोगों की ओर से मुझे वर्ष भर चलने वाले राज्य दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री को औपचारिक निमंत्रण देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

हमार रचना साजल बहुत जरूरी बा देश के गौरव के पुकार बा

सिंदूर सुहागन के नूर बा, सैनिकन के जुनून बा। आवर,

साजल बहुत जरूरी बाः हमार रचना के संदेश

साजल बहुत जरूरी बा सैनिक के हथियार हाथ में ,राखल बहुत जरूरी बा। साजल बहुत जरूरी बा बेटी के सुहाग ह सिंदूर, बाप के सजल फुलवारी ह सिंदूर। चुटकी भर लाल पाउडर मत समझे कोई, यह सुहागन के माथे का नूर है सिंदूर किसी माँ के लाल ने इस मांग को सजायाहै, वफादारी से लक्षमण की रेखा बनाया है। जब रेखा टूटती है तब भूचाल आता है, पास पड़ोस भी थरार्ता है। केहू रावण रेखा तूरि के आई, वोकर सोने के लंका फूँकायी ।सावधान, अभी तो हनुमान है,जिसके सीने में श्रीराम है । बजरंगी के तन मन में लिपटा सिंदूर है , कौन कहता कि भारत मजबूर है राजनीति के लोग , जे सेना से लाश के हिसाब मांगता, ओ मनबढुवन के डाँटल जरुरी बा, अब साजल बहुत जरूरी बा।विरोधिए सही, ह त उहो हिन्दुस्तानिए न। बकबकाता त बकबकाए द, भौंकता त भौंकेद ह त मौसिआउत भाइए न। कबो ओहू के बेरा आयी, त तूहूँ बकबकइह । इ राजनीति ह , बड़ भाई के एतना सीरिएस ना हो जाए के चाहीं कि केहू सजला के डरे कवनो सुझाव भी ना दे सके। कहल बा निंदक के नियरे बसायीं , बेंवत होखे त शासन में सुधार लायीं। भारत के एगो टुकड़ा पर एतना गुमान, भारत कइसे बनि गइल अफगानिस्तान पाकिस्तान वर्मा भूटान। राजनीति के पुरोधा जी लोग अबो होश में आयीं, पीओके के हनुमान जी पर सिंदूर चढ़ाईं। कश्मीर भारत के ताज ह, देश के सेना पर शुरूए से नाज ह। सांसद हयीं संसद के मजाक मति उड़ायीं, जनता के भ्रमजाल में जिन फँसायीं। लोकतंत्र संविधान से चली, इ चाबुक से ना चली चुचुकारि के चलायीं। जन के तंत्र से तालमेल मिलायीं ।जबले न्याय संविधान के अधीन बा, समझीं कि भारत तले स्वाधीन बा। खायेवाला बरतन के माजल जरूरी बा, अब साजल बहुत जरूरी बा

जब सूरज के किरन देश के माटी पर पड़े, त मन में एक जुनून जागे–हमार भारत के गौरव के सजल जरूरी बा! हमार नई रचना ₹साजल बहुत जरूरी बा₹ इही जुनून के आवाज बा। इ कवनो साधारण गीत ना, बल्कि ओ सच्चाई के हुंकार बा, जे सैनिकन के हथियार, बेटी के सुहाग, अउर देश के स्वाभिमान के प्रतीक–सिंदूर–के महिमा बतावेला।

साजल बहुत जरूरी बा–इ पंक्ति हर ओकरा के पुकार बा, जे भारत के माटी से प्यार करेला अउर एकर ताज, कश्मीर, के रक्षा खातिर कटिबद्ध बा।

पत्रकार के नाते हम समाज के नब्ज टटोलले बानी, अउर सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में इ देश के मयार्दा खातिर लड़े के हौसला राखले बानी। हमार रचना में सिंदूर के ताकत बा–चुटकी भर लाल पाउडर मत समझे कोई, यह सुहागन के माथे का नूर है सिंदूर। इ ना खाली बेटी के सुहाग, बल्कि सैनिकन के बलिदान अउर माँ के लाल के वफादारी के प्रतीक बा। जब इ रेखा टूटे, त भूचाल आवे, अउर रावण जइसन कोउ रेखा तूरि के आवे, त सोना के लंका फूँकायी। बाकि हम सावधान करत बानी–हनुमान आजो बा, जेकर सीने में श्रीराम बा, अउर तन-मन में सिंदूर लिपटल बा। कौन कहेला कि भारत मजबूर बा?

हमार रचना में गुस्सा बा, ओ लोगन पे, जे राजनीति के लोग बन के सेना से लाश के हिसाब माँगे। मनबढुवन के डाँटल जरूरी बा–इ हमार पुकार बा। विरोधी भी हमार भाई बा, बकबकाए त बकबकावे, बाकि इ राजनीति के खेल में देश के गौरव के मजाक ना बनावल जाव। हम कहत बानी, ₹निंदक के नियरे बसायीं₹, काहे कि सही सुझाव शासन में सुधार लावे। बाकि जे लोग भारत के टुकड़ा पर गुमान करे, उ लोगन के याद राखे–भारत के एकता कश्मीर से कन्याकुमारी तक अटल बा। कश्मीर भारत के ताज ह, देश के सेना पर शुरूए से नाज ह–इ हमार गर्व बा।

लोकतंत्र संविधान से चली, ना कि चाबुक से। जन के तंत्र से तालमेल मिलायीं–हमार रचना इ बात के जोर देले बा। जे लोग संसद के मजाक उड़ावे, जनता के भ्रमजाल में फँसावे, उ लोगन के होश में आवे के चाहीं। जबले न्याय संविधान के अधीन बा, तबले भारत स्वाधीन बा। हमार संदेश साफ बा–खायेवाला बरतन के माजल जरूरी बा, अब साजल बहुत जरूरी बा₹। इ रचना हमार अनुभव, हमार देशभक्ति, अउर हमार सपना के निचोड़ बा। आइए, अपन देश के गौरव के सजलीं, अउर एक अइसन भारत बनावलीं, जहाँ सत्य, न्याय, अउर एकता के सूरज सदा चमकी।

ए.के. सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अउर किसान फोर्स के संस्थापक, बलिया, उत्तर प्रदेश, विदुर मीडिया

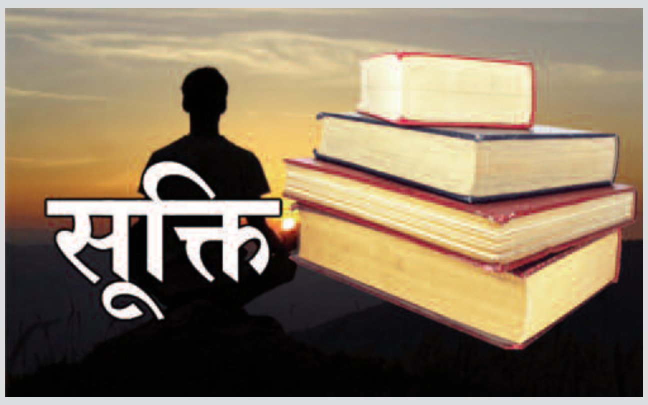

दुःख का कारण हमारी चित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है।
- भगवान श्री कृष्ण

कर्म की उत्पत्ति विचार में है, अतः विचार ही महत्त्वपूर्ण हैं।
- साई बाबा

आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं

–किशन सनमुखदास भावनानी–

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर, परिवार, संयुक्त परिवार एक मजबूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने, उनके फैसलों पर अमल करनें, आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे देश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गों को नजरअंदाज कर, एकला चलो रे !वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथों में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है, इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फर्क. के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है, मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी जरूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस !यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता-पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पता ही नहीं चलता कि आखिर वजह क्या है। इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिजाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेजी से और रातों रात हो रहा है, बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं जिसको रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुजुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मजबूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते, स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाजा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज्यादा करीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है, हर कोई बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुजुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुजरते दौर के साथ ये स्थिति और मजबूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मजबूत होते हैं, वो आसानी से खत्म नहीं होते, लिहाजा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चलन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आने वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी।

साथियों बात अगर हम उस एक पुराने जमाने की करें जहां संयम, बड़ों की कद्र और संयुक्त परिवार से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और फैसला लेना बड़ों के हाथ में रहता था तो, उस दौर में संयम, बड़ों की कद्र, छोटे बड़े का कायदा, नियंत्रण इन सब बातों का प्रभाव था। ऐसे ही संयुक्त परिवारों से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और पूरा मोहल्ला और गांव एक परिवार की ही तरह रहते थे। परिवार का नहीं, मोहल्ले का बुजुर्ग सबका बुजुर्ग माना जाता था और ऐसे बुजुर्गों के सामने जुबान चलानें या किसी अप्रिय कृत्य करने का साहस किसी का नहीं होता था। उस दौर में मोहल्लों में ऐसा माहौल और अपनापन होता था कि गांव का दामाद या मोहल्ले का दामाद कहकर लोग अपने क्षेत्र के दामाद को पुकारते थे और अगर कोई भानजा है तो किसी परिवार का नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले और गांव का भानजा माना जाता था और यही कारण था कि लोग गांव की बेटी या गांव की बहू कहकर ही किसी औरत को संबोधित करते थे जो रेखांकित करने वाली बात है।

साथियों बात अगर हम आओ घर को टूटने से बचाने के आसान उपायों की करें तो, एक संयुक्त परिवार और बड़े बुजुर्गों के निर्देशन में जीने का सही तरीका है? स्वार्थ भावना से दूर रहकर, खुद से पहले दूसरों की खुशी का ध्यान रखना होगा और हमारा परिवार हमारी खुशी का ध्यान रखेगा। अपने कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश हमेशा होनी चाहिए। बड़ो के प्रति आदर भाव और छोटों के प्रति प्रेम होना चाहिए। घर छोटा हो या बड़ा लेकिन दिल हमेशा बड़ा होना चाहिए। अपनी इच्छाओं से पहले परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। संयुक्त परिवार में मेरा कुछ नहीं होता जो भी होता है वो सबका होता है। कुछ बातों को नजरअंदाज करने की कला तो कुछ बातों पर ध्यान देने की कला आनी चाहिए। हर खुशी बड़ी हो जाती है और हर दुख छोटा सयुक्त परिवार में। साथ बैठने का और साथ खाने का महत्व समझना चाहिए। शेयर करना स्वभाव होना चाहिए क्योंकि, बस एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलना सीख लो। सहनशीलता अच्छी होनी चाहिए। सामंजस्य बैठाना भी आता हो।

साथियों मेरा यह निजी अनुभव है कि, मेरा परिवार सयुंक्त परिवार और इसीलिए मैने इस प्रश्न का उत्तर देना चाहा। सभी का उचित सम्मान होना चाहिए, विशेष रूप से छोटे बड़ों का हमेशा सम्मान करें। कार्यों का उचित विभाजन हो, जिससे टकराव ना हो। पुरानी कहावत है कि-जहाँ चार बर्तन होते है, वहां टकराव होता है, ये खटपट भी मधुर होनी चाहिए। बाहर की चुगलखोरी एवं चापलूसी को बिल्कुल ध्यान न दे, क्योंकि यह हमारे भारतवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार है वो तो करेंगे ही। अंत में सबसे जरूरी-

परिवार में प्यार, नहीं तो।
उपर लिखी सारी बातें बेकार। ।
करो दिल से सजदा तो इबादत बनेगी।
बड़े बुजुर्गों की सेवा अमानत बनेगी। ।
खुलेगा जब तुम्हारे गुनाहों का खाता।
तो बड़े बुजुर्गों की सेवा जमानत बनेगी। ।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं। घर तब तक नहीं टूटता जब फैसला बड़ों के हाथ में होता है, हर कोई बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देर नहीं लगती। आधुनिक युग कोई परिवार में बड़ों के लिए तरसे, कोई बड़ों पर गुस्से से बरसे की ओर चल पड़ा है।

बेहतर स्वास्थ की कुंजी असंतृप्त वसा

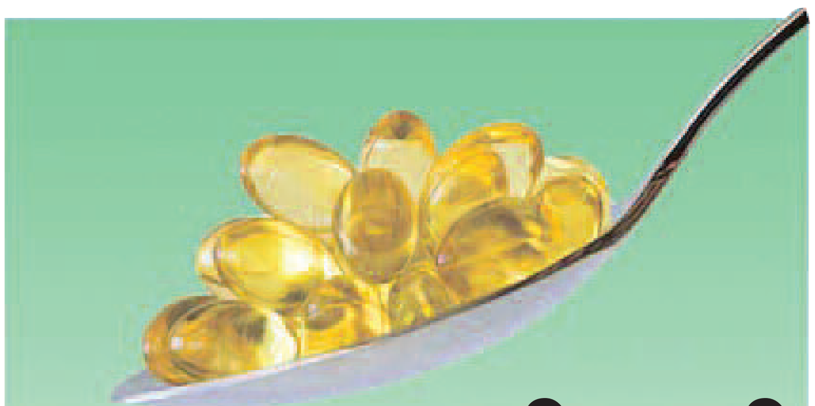

कम काबरेहाइड्रेट या कम वसा वाले भोजन के जुनून वाले इन दिनों में, यह समझना महत्वपूर्ण है कि हमारा शरीर वसा के बिना जीवित नहीं रह सकता। वसा सिर्फ ईंधन का एक प्रमुख स्रेत नहीं है, बल्कि यह वसा में घुलनशील विटामिन जैसे कुछ पोषक तत्वों को अवशोषित करने में भी मदद करता है

हमारे देश में हृदय से संबंधित बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। देश भर में कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां हर साल ढाई करोड़ लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। ये बीमारियां दुनिया में किसी भी देश की तुलना में भारतीयों को बहुत जल्द प्रभावित कर रही हैं। भारत में दिल के मरीज की औसत आयु अमेरिका में 70 से 80 वर्ष की तुलना में बहुत कम 50 से 60 वर्ष है। अस्वास्यकर जीवनशैली, तनाव, शारीरिक व्यायाम की कमी, मोटापा और खराब आहार- अधिक से अधिक लोगों में कार्डियोवैस्कुलर यानी दिल की ब्समस्याएं पैदा कर रही है। रक्तचाप के ऊंचे स्तर के अलावा, उच्च कोलेस्ट्रॉल हृदय रोग के लिए एक बड़ा जोखिम भरा कारक है। रक्त में घूम रहे कॉलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर धीरे- धीरे धमनियों की दीवारों में जमा होने लगता है, उन्हें संकरा कर देता है और हृदय में रक्त प्रवाह को कम कर दिल के

दौरा पैदा करता है। निवारक स्वास्थ्य सेवा हृदय रोगों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। यदि लोगों को मोनो असंतृप्त वसीय अम्लों (मुफा : एमयूएफए), पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड (पुफा : पीयूएफए), संतृप्त वसा और हमारे स्वास्थ्य में इनकी भूमिका के बारे में पता होगा तो कोलेस्ट्रॉल को कम करना किसी के लिए मुश्किल नहीं है। मोनोअनसेचुरेटेड फैटी एसिड्स और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड्स जैसे स्वस्थ वसा कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं और हमारे दिल की रक्षा करते हैं।

कम काबरेहाइड्रेट या कम वसा वाले भोजन के जुनून वाले इन दिनों में, यह समझना महत्वपूर्ण है कि हमारा शरीर वसा के बिना जीवित नहीं रह सकता। वसा सिर्फ ईंधन का एक प्रमुख स्रेत नहीं है, बल्कि यह वसा में घुलनशील विटामिन जैसे कुछ पोषक तत्वों को अवशोषित करने में भी मदद करता है। वसा दो प्रकार के होते हैं - संतृप्त और असंतृप्त वसा। मक्खन या नारियल के तेल जैसे संतृप्त वसा में कमरे के तापमान पर ठोस हो जाने की प्रवृत्ति होती है। जैतून के तेल या कनोला तेल जैसे असंतृप्त वसा में कमरे के तापमान पर भी तरल रहने की ही प्रवृति होती है। असंतृप्त वसा भी दो प्रकार के होते हैं - मुफा (मोनो अनसैचुरेटेड फैटी एसिड) और पुफा (पलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड)।

सेहत के लिए फायदेमंद

अधिकांश भारतीय आजकल डेयरी उत्पादों, मांस और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से बहुत अधिक वसा और कोलेस्ट्रॉल का सेवन कर रहे हैं। दिल्ली स्थित फोर्टिस अस्पताल के न्यूट्रिशनिस्ट एवं वेट लॉस कंसल्टेंट डॉ. सिमरन सैनी के मुताबिक ''अच्छे स्वास्थ के लिए सही उपाय सही मात्रा में सही वसा खाना है। हालांकि हमें अपने आहार में संतृप्त और असंतृप्त दोनों प्रकार की वसा की जरूरत होती है, लेकिन हमें असंतृप्त वसा का ही अधिक सेवन करना चाहिए। हम रोजाना जितनी कैलोरी का सेवन करते हैं उनमें से करीब 20 से 30 प्रतिशत कैलारी ही हमें वसा से लेनी चाहिए। हालांकि, संतृप्त वसा इसमें से 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।'

संतृप्त वसा और ट्रांस वसा (हाइड्रोजनित तेल और मक्खन में मौजूद) हमारे शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) के स्तर को बढ़ा सकते हैं। उन्हें असंतृप्त वसा से स्थानापन्न करना दिल के अच्छे स्वास्थ्य और समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। मक्खन को नकली मक्खन या फैट स्प्रेड्स जैसे अधिक संतृप्त वसा वाले उत्पादों को कम वसा वाले विकल्प के साथ स्थानापन्न करना, आहार में अधिक मुफा और पुफा वाले उत्पादों को शामिल करना और मांस से वसा को कम करना - हानिकारक संतृप्त फैटी एसिड के हमारे सेवन को कम करने का एक शानदार तरीका है। मुफा और पुफा जैसे असंतृप्त वसा को स्वस्थदायक वसा माना जाता है। मुफा विटामिन ई से भरपूर होते हैं जो शरीर की कोशिकाओं को विनष्ट होने से बचाती है। मूंगफली बटर, मूंगफली तेल, नट, जैतून का तेल, कनोला तेल, और सूरजमुखी तेल मुफा के अच्छे स्रेत हैं।

पुफा दो प्रकार के होते हैं - ओमेगा-6 फैटी एसिड और ओमेगा- 3 फैटी एसिड। ये सोयाबीन, मक्का और सैफ्लावर, फ्लेक्स और सूरजमुखी जैसे बीज, अखरोट, सोया दूध, और टूना, सैलमॉन और सार्डिन्स जैसी वसायुक्त मछलियों जैसे तेल में पाये जाते हैं।

शाकाहारी लोगों के लिये फ्लैक्ससीड अथवा फ्लैक्ससीड तेल सहित हरी पत्तेदार सब्जियों, सोयाबीन, राजमा जैसे सेम और अखरोट जैसे नट्स, चावल की भूसी, कैनोला और सोयाबीन के तेल फैटी वसा के प्रमुख स्रेत हैं।

ओमेगा 3 : चमत्कारी पोषक तत्व

डॉ. सिमरन सैनी के अनुसार ओमेगा -3 फैटी एसिड को चमत्कारिक पोषक माना जाता है जिसमें हर तरह के लाभ निहित होते हैं। यह तीन वसा - एएलए, ईपीए और डीएचए के समूह को बनाते हैं। ये मेटाबोल्जिम के लिये जरूरी होते हैं तथा रक्त के थक्के को नियंत्रित करते हैं। ये हमारे शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं तथा हमें हृदय रोग, कैंसर, सूजन आंत्र रोग और गठिया से बचाने में मददगार होते हैं। ओमेगा -3 फैटी एसिड बुरे (एलडीएल) कोलेस्ट्रॉल और हमारे रक्त प्रवाह में घूमने वाली ट्राइग्लिसराइड्स की मात्रा कम करते हैं। इनसे मानसिक स्वास्थ्य में भी लाभ पहुंचता हैं। ओमेगा 3 अवसाद और मानसिक थकान में भी फायदेमंद हैं। शाकाहारी लोगों के लिये फ्लैक्ससीड अथवा फ्लेक्ससीड तेल सहित हरी पत्तेदार सब्जियों, सोयाबीन,राजमा जैसे सेम, अखरोट जैसे नट्स, चावल की भूसी, कैनोला और सोयाबीन के तेल फैटी वसा के प्रमुख स्रेत हैं।

त्वचा रोगों से पाए छुटकारा

आम तौर पर त्वचा रोगों से कई लोग परेशान हैं। ज्यादातर लोग कई तरह की क्रीम लगाकर, दवाएं खाकर परेशान होते हैं इसके बावजूद भी उन्हें ज्यादा लाभ नहीं होता। हम जो आपको नुस्खे बता रहे हैं, उन्हें आजमाकर आप त्वचा रोगों से काफी हद तक छुटकारा पा सकते हैं।

- सोरीयेसीस - इसमें त्वचा लालिमा युक्त, फटी हुई एवं स्केली हो जाती है।
- स्किन ब्लिस्टर- लालिमायुक्त, खुजली करने वाले, वेदनायुक्त किसी भी आकार के फफोले होते हैं।
- रोसेकी -चेहरे पर अचानक सुर्ख ,लाल रेखाएं,पिम्पल्स या पस्च्युल्स बनना इसके लक्षण होते हैं।

इसके अलावा ड्राई स्किन, रिंग वर्म, एक्जीमा आदि अनेक समस्याएं स्किन से जुडी हो सकती हैं। आप यह जानकर आश्चर्य में पड़ जायेंगे के स्किन कैंसर सबसे कामन कैंसर है।

उपचार

तुलसी का रस, पुदीने का रस, चन्दन का पाउडर एवं गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगायें तथा १५-२० मिनट बाद चेहरे को धो लें। पानी पर्याप्त मात्रा में पीएं,रक्त शोधक प्राकृतिक औषधी जैसे खदिर, नीम, हल्दी आदि का सेवन करें निश्चित लाभ मिलेगा।

- हल्दी एक चम्मच एवं नींबू का रस एक चम्मच लेकर पिम्पल्स वाली जगह पर लगायें।
- हल्दी के पाउडर को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें तथा इसे रात में सोने से पहले प्रभावित हिस्से में लगायें, सुबह इसे धो लें और ऐसा लगातार दो सप्ताह तक करें, आपको पिम्पल्स से निजात मिल जाएगी।
- कच्चा पपीता बीज सहित जूस बनाकर पिमप्ल्स पर लगायें, निश्चित लाभ मिलेगा।
- एक भाग गुलाब जल, एक भाग नींबू का रस मिलाकर पिम्पल्स पर लगायें २०-३० मिनट छोड़ दें, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें यह भी काफी फायदेमंद घरेलु उपचार है।

दाग-धब्बों से निजात पाने के लिए

- चावल का आंटा, जौ का आटा दरदरा पीस कर दूध में भिगोकर हल्के हाथों से चेहरे पर मसाज करें, इसके अलावा पानी का भाप चेहरे पर लें आपको इस समस्या से छुटकारा मिलेगा।
- एक भाग नींबू का रस एवं एक भाग मूंगफली का तेल मिलाकर प्रभावित हिस्से में लगायें, ब्लैक हेड्स को ठीक करने के लिए यह अचूक नुस्खा है।
- केवल उबले दूध में नींबू का रस मिलाकर भी चेहरे पर लगाने से ब्लैक हेड्स एवं क्रेक (फटी हुई) स्किन में लाभ मिलता है।
- कच्चे आलू को ग्राईंड कर पिप्म्पल्स,व्हाईट हेड्स या ब्लैक हेड्स पर लगायें और देखें इसका फायदा।
- अन्नानास के छिलके का पाउडर भुनकर पेस्ट बनाएं और नींबू के रस के साथ मिलाकर चेहरे पर लगायें आपको व्हाईट हेड्स से मुक्ति मिल जाएगी।
- सहिजन की फली और पत्तियों का पेस्ट बनाकर आप यदि चेहरे पर लगायें तो व्हाईट हेड्स, ब्लैक हेड्स एवं पिम्पल्स सभी में लाभ मिलता है।
- नींबू का रस समान भाग पानी के साथ मिलाकर घोल तैयार कर चेहरे पर लगाएं, अब पहले गुनगुने पानी से फिर ठन्डे पानी से चेहरे को धोएं आपको निश्चित लाभ मिलेगा।

झुर्रियों के लिए

- अंडे के पीले हिस्से (योक) को सप्ताह में एक बार चेहरे पर लगायें।
- शहद, ओलीव आयल को नित्य चेहरे पर लगाना अत्यंत फायदेमंद रहेगा। पानी और दूध खूब पीयें, योग एवं प्राणायाम का अभ्यास नित्य करें, आपकी त्वचा झुर्रियों से मुक्त हो जायेगी, आप किसी भी प्राकृतिक मइस्चराईजर का प्रयोग कर सकते है।
- चेहरे पर आये एक बड़े तिल से निजात पाने के लिए हल्दी एवं खाने वाला चूना तिल के ऊपर लगाकर रात भर छोड़ दें, यह अपने आप ही गिर जाएगा।
- टायफायड ठीक होने के बाद चेहरे पर दाग से छुटकारे के लिए प्रोटीन एव विटामिन -ई युक्त आहार का सेवन करें।
- नींबू एवं संतरे के छिलकों को सुखा लें इनका पाउडर बनाकर गुलाब जल एवं दही के साथ मिलाकर सामान्य दाग धब्बों वाले हिस्से में लगायें, निश्चित ही लाभ मिलेगा।

अदरक हर मौसम में करें असर

अदरक व सौंठ हर मौसम में, हर घर के रसोई घर में प्राय: रहते ही हैं। इनका उपयोग घरेलू इलाज में किया जा सकता है। भोजन से पहले अदरक को चिप्स की तरह बारीक कतर लें। इन चिप्स पर पिसा काला नमक बुरक कर खूब चबा-चबाकर खा लें फिर भोजन करें। इससे अपच दूर होती है, पेट हलका रहता है और भूख खुलती है। अदरक का एक छोटा टुकड़ा छीले बिना (छिलके सहित) आग में गर्म करके छिलका उतार दें। इसे मुँह में रख कर आहिस्ता-आहिस्ता चबाते चूसते रहने से अन्दर जमा और रुका हुआ बलगम निकल जाता है और सर्दी-खाँसी ठीक हो जाती है। सौंठ को पानी के साथ घिसकर इसके लेप में थोड़ा सा पुराना गुड़ और ५-६ बूंद घी मिलाकर थोड़ा गर्म कर लें। बच्चे को लगने वाले दस्त इससे ठीक हो जाते हैं। ज्यादा दस्त लग रहें हों तो इसमें जायफल घिसकर मिला लें। अदरक का टुकड़ा छिलका हटाकर मुंह में रखकर चबाते-चूसते रहें तो लगातार चलने वाली हिचकी बन्द हो जाती है।

खूबसूरत रहना है तो करें ये व्यायाम

व्यायाम करना तन व मन के कईरोगों से दूर रखता है। लेकिन कुछ आसन ऐसे भी हैं, जो न सिर्फ शरीर को शेप में रखते हैं, बल्कि चेहरे का निखार भी बढ़ाते हैं। ऐसे ही कुछ आसन जो हमारी बूढ़ा दिखने की गति को धीमा करते हैं, जानें योगाचार्य कौशल कुमार से

सर्वांगासन

पीठ के बल जमीन पर लेट जाएं। दो गहरे सांस लें और छोड़ें। दोनों पैरों को जमीन से धीरे-धीरे 90 डिग्री तक ऊपर उठाएं। फिर कूल्हे को हल्का-सा जमीन के ऊपर उठा कर हाथों से कमर को सहारा देते हुए पैर तथा धड़ को गर्दन पर सीधा रखते हुए क्षमतानुसार रुकें। पैर व धड़ बिल्कुल सीधा रखें। शुरुआत में दस सेकेंड तक रुकें। अभ्यास से 5 मिनट तक ले आएं।

न करें: उच्च रक्तचाप, हृदयरोग, स्लिप डिस्क व थाइरॉएड के रोगी।

उपासन: इसके साथ इतनी ही अवधि के लिए सुप्त वज्रासन, मत्स्यासन, उष्ट्रासन जरूर करें।

सुप्त वज्रासन

घुटने के बल जमीन पर बैठें। दोनों पैर की एड़ियों के मध्य नितंब को रखें। दो गहरे सांस लें और छोड़ें। दोनों हाथों को पीठ के पीछे जमीन पर रखते हुए शरीर को धीरे-धीरे पीछे झुका कर सिर को जमीन तक ले आएं। फिर सिर का ऊपरी भाग जमीन पर रखें तथा दोनों हाथों को पेट पर रखें। आरामदायक अवधि तक रुकते हुए वापस पूर्व स्थिति में आएं। शुरु में 15 सेकेंड तक रुकें। बाद में 4 से 5 मिनट तक कर सकते हैं।

लाभ: शरीर सुडौल व ऊर्जावान होता है। सौंदर्य में वृद्धि होती है। नितंब, जांघ व पेट की चर्बी घटती है। चेहरे की झुर्रियां भी दूर

होती हैं।

त्रिकोणासन

सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों के बीच लगभग 3 से 4 फुट का अंतर रखें। दोनों हाथों को कंधों की ऊंचाई तक अगल-बगल उठाएं। अब ऊपरी धड़ को दायीं ओर इस तरह झुकाएं कि दायां हाथ दाएं पैर के पंजे पर आ जाए व बायां पैर बाएं कान के पास सीधा ऊपर की ओर हो। दृष्टि बाएं हाथ के पंजे पर रखें। घुटने मुड़ने न पाएं। कुछ देर रुकें और फिर पूर्व स्थिति में लौट आएं। इसे दूसरी तरफ से भी करें।

लाभ: यह आसन शरीर के सामने वाले हिस्से के सभी अंगों की मांसपेशियों, नसों व हड्डियों को मजबूत करता है। किडनी प्रक्रिया दुरुस्त होती है।

कपालभाति प्राणायाम

ध्यान की किसी भी मुद्रा यानी पद्मासन, सिंहासन या कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा करके बैठ जाएं। दो गहरे सांस लें व छोड़ें। इसके बाद नासिका द्वारा एक हल्के झटके के साथ सांस बाहर निकालें और नाक से सहज श्वास अंदर लें। यह एक आवृत्ति है। शुरुआत में इसे 25 से 30 बार करें। धीरे-धीरे नियमित व लगातार करें।

न करें: उच्च रक्तचाप, हृदयरोग, स्लिप डिस्क, हाइपरथाइरॉएड व अधिक एसिडिटी से पीड़ित।

लाभ: विषाक्त तत्व बाहर निकलते हैं। प्राण वायु का संचार होता है। सौंदर्य में वृद्धि होती है। झुर्रियां व धब्बे दूर होते हैं। मोटापा कम करने में मदद मिलती है।

नाड़ी शोधन प्राणायाम

नाड़ी शोधन प्राणायामों का राजा माना जाता है। यह मन की स्थिरता में वृद्धि करता है। इससे सौंदर्य के साथ-साथ सर्वांगीण विकास होता है।

विधि: ध्यान मुद्रा या कुर्सी पर सीधे बैठें। दो गहरे सांस लें व छोड़ें। इसके बाद दाएं हाथ के अंगूठे को दायीं नासिका पर रखते हुए बायीं ओर से गहरी, लंबी व धीमी सांस अंदर लें। अब बायीं नासिका को दायीं कनिष्ठा से बंद कर, दायीं नासिका से गहरी, धीमी व लंबी श्वास बाहर निकालें। फिर इसी दायीं नासिका से सांस भर कर बायीं नासिका से बाहर निकालें। यह नाड़ी शोधन प्राणायाम का एक चक्र है। शुरु में 6 से 12 बार इसे करें। धीरे-धीरे संख्या 36 से 72 तक ले जाएं।

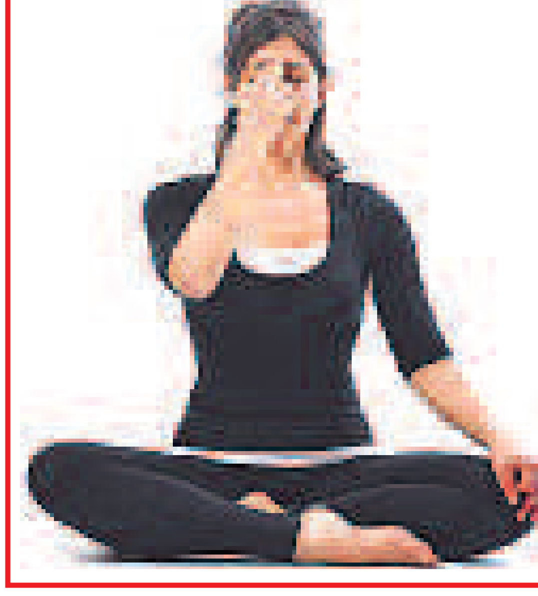

संक्षिप्त खबरें

गाजा पर इजराइल के हवाई हमले में 38 लोगों की मौत

दीर अल-बलाह,(एजेंसी) : गाजा में बीते 24 घंटों में इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 38 लोगों की जान गई है, जिनमें एक महिला और उसके दो बच्चे भी शामिल हैं जो एक अस्थायी शिविर में शरण लिए हुए थे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। उत्तरी गाजा के अस्पतालों तक पहुंच अवरुद्ध होने के कारण दो दिनों से वहां के हताहतों का आंकड़ा उपलब्ध नहीं हो सका है।

देर अल-बलाह और उत्तर में जबालिया क्षेत्रों में हुए ताजा हमलों में भी लोगों की जान गई। इन हमलों में एक ही परिवार के कई सदस्य मारे गए हैं।

इजराइल का कहना है कि वह नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने का प्रयास करता है और हमास को नागरिक इलाकों में छिपकर हमले करने का दोषी ठहराता है।

गंभीर चिंता की बात यह है कि इजराइल गाजा पर पूर्ण नियंत्रण और वहां की आबादी के स्वैच्छिक प्रवासन की योजना बना रहा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय और फिलिस्तीनी प्रतिनिधियों ने खारिज कर दिया है।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मार्च से अब तक इजराइली हमलों में 3,785 लोग मारे जा चुके हैं। वहीं, अक्टूबर 2023 से अब तक मृतकों की संख्या 53,000 से अधिक बताई जा रही है।

राजतंत्र की समाप्ति के 19 साल बाद ज्ञानेन्द्र शाह ने किया राजदरबार में प्रवेश

काठमांडू, (एजेंसी) : नेपाल में राजतंत्र के खात्मे के बाद शनिवार को पहली बार पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने राजदरबार में प्रवेश किया। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह अपने परिवार के साथ 19 साल बाद राजदरबार पहुंचे। उन्होंने महल में परिवार के साथ पूर्जा अर्चना भी की।

जिस राजमहल में रहकर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने वर्षों तक देश पर शासन किया, उस नारायणहिटी राजदरबार में 19 सालों के बाद अपनी पत्नी कोमल शाह, अपने पोते हृदयेन्द्र शाह और अन्य सदस्यों के साथ प्रवेश किया। उन्होंने अपने परिवार के साथ राजदरबार के भीतर बने चतुर्व्युह नारायण मंदिर में जाकर विधिवत पूजा की। इस अवसर पर राजपुरोहित ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिपूर्वक पूजा कराई।

इस दौरान पूर्व राज परिवार के सदस्य राजदरबार के मुख्य भवन तक नहीं गए, जहां रह कर वह अपना शासन चलाया करते थे। हालांकि राजदरबार परिसर में रह रहीं अपनी मां रत्न राज्य लक्ष्मी देवी शाह से ज्ञानेन्द्र शाह ने मुलाकात की। इस मौके पर मौजूद डा. जगमान गुरूंग ने बताया कि 29 मई से शुरू हो रहे राजसंस्था समर्थकों के आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ही पूर्व राजा को राजदरबार के स्थापित करना है। उससे पहले पूर्व राजपरिवार के सदस्यों का राजदरबार में जाना एक शुभ संकेत है।८

भारत से मात खाए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री आज से चार देशों की यात्रा पर

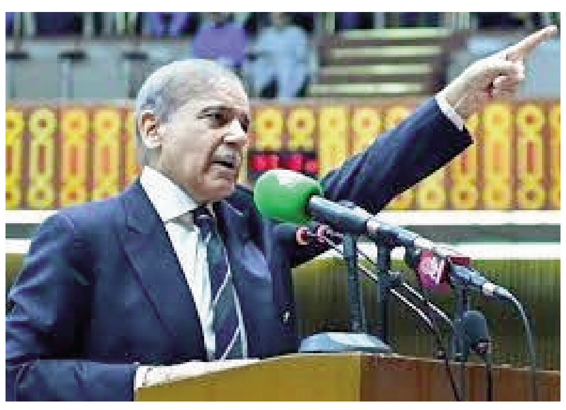

इस्लामाबाद,(एजेंसी) : आपरेशन सिंदूर में बुरी तरह से मात खाने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आज, रविवार से चार देशों की यात्रा पर जाएंगे ।वह उन देशों के सामने भारत द्वारा आपरेशन सिंदूर के तहत किए गए हमलों का ब्यौरा देंगे, साथ ही पाकिस्तान का भी पक्ष रखेंगे। आपरेशन सिंदूर में भारी तबाही झेलने के बाद पाकिस्तान काफी बैचेन है। उधर भारत ने तमाम देशों में अपने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेज कर पाकिस्तान की करतूतों का खुलासा कर रहा है। इसके जवाब में पहले तो पाकिस्तान ने भी अपने प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने का फैसला लया था। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी चार देशों की यात्रा पर जा रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया को शहबाज शरीफ रविवार को चार देशों की यात्रा पर रवाना होंगे। वह तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान का दौरा करेंगे। शहबाज शरीफ वहां पर भारत द्वारा पाकिस्तान पर किए गए हमले समेत तमाम मुद्दों पर अपना पक्ष रखेंगे। इसके साथ ही वह 29-30 मई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

आपरेशन सिंदूर से भयभीत पाकिस्तान बढ़ाएगा अपना रक्षा बजट

इस्लामाबाद, (एजेंसी) : आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमलों से भयभीत पाकिस्तान अब अपने रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी करेगा। पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसन इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान की रक्षा के लिए रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी जरूरी है।

योजना मंत्री इकबाल ने कहा है कि यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है कि वित्त वर्ष 2025-26 के आम बजट में रक्षा बजट में भारी बढ़ोत्तरी की जाए। इससे सेना जरूरी साजो-सामान खरीद सके, जिनकी उन्हें जरूरत है। भारत का बिना नाम लिए उन्होंने शनिवार को इस्लामाबाद में कहा कि हमारा पड़ोसी काफी खतरनाक है, जिसने रात के अंधेरे में पाकिस्तान पर हमला किया। हमें तैयार रहना होगा कि यदि दोबारा हमला हुआ तो उसका माकूल जवाब दिया जा सके। पाकिस्तान का बजट दस जून को पेश किया जा सकता है।गौरतलब है कि बीते दिनों आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान पर हवाई हमले करके उसके तमाम आतंकी लांच पैड तबाह कर दिए, वहीं 11 एयरबेस को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया था।

टॉप 10 की 6 कंपनियों का मार्केट कैप 78 हजार करोड़ गिरा, रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 25 मई (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 78 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक मुनाफा भारती एयरटेल को हुआ।

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 78,166.08 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 15,946.03 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

कारोबार के दौरान 19 मई से 23 मई के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 40,800.40 करोड़ रुपये घट कर 19,30,339.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 17,710.54 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,71,395.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा इंफोसिस का मार्केट कैप 10,488.58 करोड़ रुपये गिर कर 6,49,876.91 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 5,462.80 करोड़ रुपये कम होकर 5,53,974.88 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 2,454.31 करोड़ रुपये घट कर 10,33,868.01 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 1,249.45 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 7,05,446.59 करोड़ रुपये के स्तर पर और पहुंच गया। दूसरी ओर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 10,121.24 करोड़ रुपये बढ़ कर 10,44,682.72 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 4,548.87 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,74,207.54 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईटीसी का मार्केट कैप 875.99 करोड़ रुपये की मजबूती के साथ 5,45,991.05 करोड़ रुपये के स्तर पर और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 399.93 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 14,80,723.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,30,339.56 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,80,723.47 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,71,395.95 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,44,682.72 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,33,868.01 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,05,446.59 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,49,876.91 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,74,207.54 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,53,974.88 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,45,991.05 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

नेपाल में डी कंपनी का गुर्गा युनूस अंसारी जेल से रिहा होते ही दूसरे मामले में दोबारा गिरफ्तार

काठमांडू, (एजेंसी) : नेपाल में दाऊद इब्राहिम और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का प्रमुख गुर्गा युनूस अंसारी को आज जेल से रिहा होते ही दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। जाली भारतीय नोट के कारोबार में पांच वर्ष की कैद पूरा होने के बाद रविवार को उसे दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया गया।

नेपाल में डी कंपनी का पूरा कारोबार संभालने वाला युनूस अंसारी कोनाज चौथी बार गिरफ्तार किया गया है। केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने काठमांडू के सेंट्रल जेल से रिहा होने के साथ ही युनूस को आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार किया गया है।

सीआईबी प्रवक्ता एसएसपी युवराज खड़का ने बताया कि युनूस पर संपत्ति शुद्धिकरण का मामला चल रहा था जिसमें उसकी गिरफ्तारी की गई है। खड़का ने बताया कि युनूस को आज ही जिला अदालत काठमांडू में पेश कर 5 दिनों के रिमांड पर लिया गया है।

यह तीसरी बार है जब युनूस को गिरफ्तार किया गया है। सबसे पहले 30 जनवरी 2010 को उसके घर से गिरफ्तार किया गया था। उस समय युनूस पर जाली नोट और ड्रग्स का कारोबार करने का आरोप लगाया गया था। छापेमारी के दौरान युनूस के घर से 2 करोड़ रुपए जाली भारतीय नोट और 5 किलो अफीम और चरस बरामद किया गया था।

चार साल जेल में रहने के बाद युनूस को दोबारा जेल से निकलते ही जनवरी 2014 में दूसरी बार गिरफ्तार किया गया था। जाली नोट के कारोबार के आरोप में फिर से चार साल जेल में रहने के बाद वह 14 फरवरी 2018 को जेल से रिहा हुआ था। इसके बाद 24 मई 2019 को कतर एयरवेज के उड़ान (संख्या दफ644) से आए 7 करोड़ रुपए की डिलीवरी लेने खुद एयरपोर्ट गए युनूस अंसारी को एयरपोर्ट से ही गिरफ्तार किया गया। 2019 से ही काठमांडू के सेंट्रल जेल में बंद युनूस अंसारी रविवार को 5 साल बाद रिहा किया गया और रिहा होते ही आज उसे चौथी बार गिरफ्तार कर लिया गया है। नेपाल में वर्षों तक दाऊद के सभी कारोबार को युनूस ही संभालता था।

युद्धपोत की लांचिंग फेल होने पर किम जोंग ने तीन अफसरों को किया गिरफ्तार

प्योंगयांग, (एजेंसी) : उत्तर कोरिया में बीते दिनों विध्वंसक युद्धपोत की लाचिंग फेल होने की गाज तीन अधिकारियों पर गिर गई है। तानाशाह किम जोंग ने युद्धपोत के निर्माण में शामिल रहे तीन अफसरों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें कड़ी सजा देने की तैयारी चल रही है।

दरअसल 21 मई को उत्तर कोरिया के पूर्वी बंदरगाह पर पर नव निर्मित विध्वंसक युद्धपोत लांच किया जा रहा था। दुनिया भर की नजर इस युद्धपोत पर लगी हुई थी। लाचिंग के समय तानाशाह किम जोंग खुद बेटी के साथ मौजूद थे। लेकिन करीब पांच हजार टन के वजन वाले युद्धपोत का संतुलन बिगड़ गया और पानी में गिर गया, जिससे लाचिंग फेल हो गई। इस घटना के बाद से ही किम जोंग खासे गुस्से में हैं। वह इस घटना को साजिश के साथ ही अपराध भी मान रहे हैं। कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस मामले में युद्धपोत के निर्माण में शामिल रहे मुख्य इंजीनियर, निर्माण प्रमुख और प्रशासनिक प्रबंधक को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों को ही युद्धपोत के डूबने का जिम्मेदार माना जा रहा है।

अगले सप्ताह 9 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, तीन कंपनियां करेंगी शेयरों की लिस्टिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी) : घरेलू शेयर बाजार में तेजी का माहौल बनते ही प्राइमरी मार्केट में भी हलचल नजर आने लगी है। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट काफी गुलजार रहने वाला है। इस सप्ताह 9 नए आईपीओ की लॉन्चिंग होने वाली है। इनमें से 4 मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं। इसके साथ ही पिछले सप्ताह 22 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एक आईपीओ में भी कल (26 मई) तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ लॉन्चिंग के अलावा इस सप्ताह तीन कंपनियां अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरूआत करेंगी।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 26 मई को एजीस वोपैक टर्मिनल्स का 2,800 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 28 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 223 रुपये से 235 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 63 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 29 मई को किया जाएगा। इनकी लिस्टिंग 2 जून को बीएसई और एनएसई पर होगी।इसी तरह लीला ब्रांड के तहत लग्जरी होटल और रिसॉर्ट चल चलने वाली कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड का 3,500 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 26 मई को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 28 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 413 रुपये से 435 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 34 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 29 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 2 जून को बीएसई और एनएसई पर होगी।

इसके अगले दिन 27 मई को प्रोस्ट्रैम इन्फो सिस्टम का 168 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 95 रुपये से 105 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 142 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 30 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 3 जून को बीएसई और एनएसई पर होगी।इसी दिन एस्टोनिया लैब्स का 37.67 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 128 रुपये से 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 30 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 3 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।इसी तरह ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स का 40.50 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 27 मई को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 132 रुपये से 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 30 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 3 जून को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।27 मई को ही एक और कंपनी निकिता पेपर्स लिमिटेड का 67.54 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 95 रुपये से 104 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है।

बांग्लादेश में सेना ने दो हजार लोगों को किया गिरफ्तार, बढ़ाई गश्त

ढाका,(एजेंसी) :बांग्लादेश में सेना ने गश्त बढ़ा दी है। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना ने पिछले कुछ दिनों में अपने अभियान तेज किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने कई जगहों पर तैनाती बढ़ाई है। सैन्य कर्मी बख्तरबंद गाड़ियों के साथ देशभर में सक्रिय दिख रहे हैं। सेना ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए एजेंसियों के साथ मिलकर 2 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। पिछले साल अगस्त में अपनी तैनाती के बाद से सेना ने अब तक 10 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले चुकी है।बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उथल पुथल के बीच सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस अपने पद पर बने रहेंगे। इससे पहले माना जा रहा था कि वह राजनीतिक और सैन्य दबाव के चलते इस्तीफा दे सकते हैं। मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को सलाहकार परिषद की बैठक बुलाई थी। इस बैठक के बाद प्लानिंग एडवाइजर वाहिदुद्दीन महमूद ने कहा था कि मोहम्मद यूनुस हमारे साथ बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सलाहकार परिषद की बैठक के बाद जल्द मंत्रियों के साथ बैठक होगी। वहीं, सेना प्रमुख वकार-उज-जमां ने दिसंबर तक चुनाव कराने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर विपक्षी दल बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच चुनाव को लेकर चर्चा और सड़कों पर संघर्ष की रणनीतियां बन रही हैं।

किसी को नहीं बख्शते डोनाल्ड ट्रंप, पर पीएम मोदी के साथ दिखी खास बॉन्डिंग

वॉशिंगटन(एजेंसी) :अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी भी राष्ट्र प्रमुख ने नहीं बख्शने के मूड में हमेशा रहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बाद, इस सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के सिरिल रामफोसा की बारी थी, जिन्हें व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भाषण दिया या सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा के दौरान दोनों देशों के नेताओं ने एक-दूसरे की प्रशंसा की और सबके सामने से विनम्र व्यवहार किया। पीएम मोदी की मुलाकातों की तरह ही, ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भी ट्रंप के साथ सौहार्दपूर्ण मुलाकातें हुई हैं।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते में शुल्क रियायत की पेशकश बहुत छोटी: अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी) :ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत ने वाहन क्षेत्र के लिए शुल्क रियायत की पेशकश की है, जिसे अधिकारियों ने बहुत छोटी बताया है। इस पेशकश में वाहन क्षेत्र के लिए आयात शुल्क में 10 से 15 साल की अवधि में कमी और कोटा इंजन की क्षमता और वाहन की कीमत पर निर्भरता है। भारत और ब्रिटेन ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए बातचीत के समापन की घोषणा की है। यह व्यापार करार 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम करेगा और ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात सुगम बनाएगा। इससे कुल व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। इसका उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा के 60 अरब डॉलर से दोगुना करने का है। दोनों पक्षों के कोटा के तहत वाहन आयात पर शुल्क की दर 100 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगी। इससे टाटा-जेएलआर जैसी कंपनियों को लाभ होगा। टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) ने पहले कहा था कि यह समझौता भारत में जेएलआर के प्रदर्शन को आगे बढ़ाने के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि इससे भविष्य की कारों को लाभ होगा और ग्राहकों को वैश्विक कारों और वैश्विक कीमतों तक बहुत तेजी से पहुंचने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू ने एफटीए को एक सकारात्मक घटनाक्रम बताया है।

कुवैत सरकार ने की रातों-रात हजारों लोगों की नागरिकता रद्द, बैंक अकाउंट हुए बंद

सबसे ज्यादा ऐसी महिलाएं शामिल, जिन्होंने शादी कर पाई थी नागरिकता

कुवैत सिटी,(एजेंसी) : लोग जब सुबह सोकर उठे तो किसी का बैंक अकाउंट बंद हो गया तो किसी की अन्य सरकारी सुविधाएं ठप हो गईं। जब पता चला कि उनकी नागरिकता ही खत्म हो गई है। कुवैत सरकार ने रातों रात हजारों लोगों की नागरिकता रद्द कर दी। इस सूची में ज्यादातर महिलाएं हैं। मई 2024 में ही अमीर ने लोकतंत्र को खतरा बताया था और संविधान में संशोधन करने की घोषणा की थी। सरकार उन लोगों की नागरिकता ज्यादा रद्द कर रही है जिन्हें शादी के बाद यहां की नागरिकता मिली थी। इस सूची में वे महिलाएं शामिल हैं जिन्होंने कुवैत के पुरुषों से शादी कर नागरिकता हासिल की थी।

एक महिला जब कुवैत सिटी में क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने लगीं तो पता चला कि उनका अकाउंट फ्रीज कर दिया गया है। बाद में पता चला कि उनकी नागरिकता ही छिन गई है। वह महिला मूलरूप से जॉर्डन की रहने वाली है। बता दें अमीर शेख मेशाल अल अहमद अल सबाह दिसंबर 2023 में कुवैत के अमीर बने थे। इसके बाद उन्होंने संसद को भंग कर दिया और संविधान के कुछ हिस्सों को भी निलंबित कर दिया।

अब अमीर का कहना है कि उन लोगों को ही कुवैत का नागरिक माना जाएगा जिनका यहां के लोगों के साथ ब्लड रिलेशन है। अमीर ने पहले कहा था कि कुवैत में रहने वाले करीब 50 लाख लोगों में केवल एक तिहाई ही असली कुवैती हैं। अमीर ने कहा कि अब कुवैत में केवल ओरिजिनल लोग ही रहेंगे। जार्डन की महिला 37 हजार लोगों में शामिल हैं जिनकी अगस्त के बाद से नागरिकता जा चुकी है। इनमें 26 हजार महिलाएं ही हैं। यह कुवैत की सरकार का डेटा है।

कुवैत में पहले से भी ऐसे लोग रह रहे हैं जिनके पास वहां की नागरिकता नहीं है। 1961 में आजाद होने के बाद करीब 1 लाख लोगों को नागरिकता नहीं मिल पाई थी। वहीं जिन लोगों के पास कुवैत की नागरिकता नहीं होगी उनको बैंकिंग, शिक्षा, सरकारी नौकरी और अन्य सुविधाएं भी नहीं मिलेंगी। कुवैत में 1987 के बाद से जिन लोगों को शादी के आधार पर नागरिकता मिली है, सरकार उनपर कार्रवाई कर रही है। आंकड़े कहते हैं कि 1992 से 2020 तक 38,505 महिलाओं शादी के आधार पर नागरिकता दी गई थी। इसके अलावा दोहरी नागरिकता वाले लोगों की भी नागरिकता छीनी जा रही है। इसके अलावा जिनको उपलब्धियों के आधार पर

26 May Page 9_Page 3.qxd 5/25/2025 8:40 PM Page 1

डीसी के समीर रिजवी ने कहा, टीम का प्रदर्शन सराहनीय, भले ही प्लेऑफ में न पहुंचे

जयपुर,(एजेंसी) : दिल्ली कैपिटल्स ने शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल 2025 सीजन के अपने अंतिम मैच में पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया।

पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 206/8 रन बनाए, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स ने समीर रिजवी के 25 गेंदों पर नाबाद 58 और करुण नायर के 27 गेंदों पर 44 रनों की बदौलत तीन गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।अपने मैच जीतने वाले प्रदर्शन पर विचार करते हुए, रिजवी ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी करने आया, तो आवश्यक दर अधिक थी। मेरा दृष्टिकोण तीन या चार गेंदों पर जम जाना और फिर आक्रमण करना था। दूसरी ओर, करुण नायर ने एक ओवर में चार चौके लगाए, जिससे मुझ पर दबाव कम हुआ और मुझे अपना समय लेने का मौका मिला।उन्होंने कहा, हमें आईपीएल में जीतने की मानसिकता बनाए रखनी होगी। पिछले साल, 260 का लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता था, इसलिए सपाट विकेट पर, 200 का लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जा सकता है। जब आप लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो आपको सकारात्मक रहना होगा। मैं आश्वस्त था क्योंकि यह एक अच्छा विकेट था, और मैंने अपने शॉट्स खेलने के लिए खुद पर भरोसा किया।अपने पहले आईपीएल अर्धशतक के बारे में पूछे जाने पर, रिजवी ने कहा, मैं बहुत सहज महसूस कर रहा था। मैं जिन चीजों के बारे में सोचता था - मुझे क्या करना है, मुझे कैसे खेलना है - मैं आखिरकार इस मैच में उन्हें अंजाम देने में सक्षम था। मैं अपने खेलने के तरीके से बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, क्योंकि यही वह है जो मैं करना चाहता हूं।दिल्ली कैपिटल्स ने अपने आईपीएल 2025 अभियान को सात जीत, छह हार और एक मैच बारिश के कारण धुलने के साथ समाप्त किया। पांचवें स्थान पर रहते हुए, 21 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा, जीतना या हारना हमारे हाथ में नहीं है। हमारे हाथ में अच्छा क्रिकेट खेलना है।

महिला चैंपियंस लीग: आर्सेनल ने बार्सिलोना को 1-0 से मात दी

लिस्बन, (एजेंसी) :स्टिना ब्लैकस्टेनियस के गोल की बदौलत आर्सेनल की महिलाओं ने लिस्बन में बार्सिलोना को 1-0 से हराकर 2024/25 यूईएफए महिला चैंपियंस लीग जीत ली है।

2007 की सफलता के कारण यूरोपीय चैंपियन बनने वाली एकमात्र अंग्रेजी टीम होने के बाद, आर्सेनल की महिलाओं ने अब अपने शानदार इतिहास में एक और महाद्वीपीय खिताब जोड़ लिया है, जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड 15 लीग खिताब, 14 एफए कप और सात लीग कप जीते हैं।

पुर्तगाल में जीत टीम के लिए एक उल्लेखनीय अभियान का समापन करती है, जिसने सितंबर में पहले क्वालीफाइंग दौर में टूर्नामेंट में प्रवेश किया था। ग्रुप चरणों में पहुंचने के लिए हैकेन और रेंजर्स को हराने के बाद, आर्सेनल ने नॉकआउट चरणों में पहुंचने के लिए बायर्न म्यूनिख, जुवेंटस और वेलारेन्गा से आगे रहकर काम किया, भले ही अक्टूबर में जोनास ईडेवाल की

जगह रेनी स्लेगर्स ने मैनेजर के रूप में काम किया हो।

इसके बाद उन्होंने फाइनल में पहुंचने के लिए नाटकीय रास्ता अपनाया, पहले चरण में 2-0 की हार को पलटते हुए क्वार्टर फाइनल में एमिरेट्स स्टेडियम में रियल मैड्रिड को 3-0 से हराया और फिर ल्योन को उनके ही मैदान पर 4-1 से हराकर कुल मिलाकर 5-3 से आगे बढ़कर लिस्बन शोपीस में अपनी जगह पक्की की। आर्सेनल की महिलाओं ने तीन बार की विजेता और पिछले धारकों को हराया, जिसमें ब्लैकस्टेनियस ने 74वें मिनट में विजयी गोल करके ट्रॉफी हासिल की, जिससे प्रतियोगिता के एक ही संस्करण में आठ मैच जीतने वाली पहली अंग्रेजी टीम बन गई। स्लेगर्स, जो एक पूर्व अकादमी उत्पाद है और उसने अपने पहले पांच ग्रुप गेम जीतकर सुनिश्चित किया कि वे नॉकआउट में पहुंच जाएं, महिला चैंपियंस लीग जीतने वाली पहली डच मैनेजर बन गई हैं, और लुइस वैन गाल और फ्रैंक रिजकार्ड के बाद पुरुष या महिला प्रतियोगिता जीतने वाली तीसरी ओवरऑल मैनेजर बन गई हैं।

तेज गेंदबाज हेजलवुड प्लेऑफ से पहले आरसीबी में शामिल, टीम को मिली मजबूती

नई दिल्ली,(एजेंसी) : तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खेमे में शामिल हो गए हैं। हेजलवुड आरसीबी के अंतिम लीग मैच से पहले आईपीएल 2025 में अपनी टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

आईपीएल 2025 में आरसीबी के लिए 10 मैचों में 18 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले हेजलवुड 27 अप्रैल से मैदान से बाहर थे। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण आईपीएल को कुछ दिनों के लिए रोक दिया गया था। इस दौरान वे ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए ब्रिसबेन में ट्रेनिंग सेशन में भी भाग लिया। इसके बाद वह अब आरसीबी टीम में वापस आ गए हैं।

आरसीबी पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, लेकिन शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद से हाई-स्कोरिंग थ्रिलर मैच हारने के बाद शीर्ष-दो में जगह बनाने की उनकी कोशिशों को झटका लगा है। हेजलवुड की वापसी टीम के लिए सही समय पर हुई है।

पूर्व भारतीय कोच अनिल कुंबले ने हेजलवुड के शामिल होने के बाद आरसीबी को एक मजबूत टीम बताया।

उन्होंने ईएसपीएन क्रिकइंफो से बातचीत पर कहा, आरसीबी के लिए अच्छी बात यह है कि वे आखिरी लीग मैच खेलेंगे और उन्हें पता चल जाएगा कि वे कहां खड़े हैं और उन्हें क्या करना है।

हाल ही में अपनी अनुपस्थिति के बावजूद, हेजलवुड आईपीएल 2025 में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं। उनके 18 विकेट 17.27 की औसत और 8.44 की इकॉनमी रेट से आए हैं, जो पारी के सभी चरणों में उनके महत्व को दर्शाता है। आरसीबी के लिए उनके पीछे बाएं हाथ के स्पिनर क्रुणाल पांड्या हैं जिन्होंने 15 विकेट और तेज गेंदबाज यश दयाल ने 10 विकेट लिए हैं।

आरसीबी ने इस सीजन काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी के लिए सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की रेस में बने हुए हैं। वहीं, गेंदबाजी के मोर्चे पर हेजलवुड के शामिल होने से टीम का बैलेंस संतुलन हो गया है।

टेस्ट कप्तान बनने पर गिल ने कहा: यह सम्मान की बात है, जिम्मेदारी निभाऊंगा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत के नवनियुक्त टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि लाल गेंद के प्रारूप में देश का नेतृत्व करने का अवसर उनके लिए एक बड़ा सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी है। गिल ने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर बीसीसीआई द्वारा साझा की गई एक छोटी क्लिप में कहा,एक युवा बच्चे के रूप में, जब कोई क्रिकेट खेलना शुरू करता है, तो वह भारत के लिए खेलना चाहता है। न केवल भारत के लिए खेलना, बल्कि बहुत लंबे समय तक भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना। यह अवसर प्राप्त करने में सक्षम होना एक बड़ा सम्मान है और जैसा कि आपने कहा, यह एक बड़ी जिम्मेदारी है।

गिल ने टेस्ट में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज और नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में खेला है, और अब वह रोहित शर्मा द्वारा इस महीने की शुरूआत में प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा के बाद नेतृत्व की भूमिका निभा रहे हैं। 32 टेस्ट में, गिल ने 35.1 की औसत से 1,893 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम पांच

शतक और सात अर्धशतक हैं। गिल को कप्तान बनाए जाने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा, हमने पिछले एक साल में हर विकल्प पर चर्चा की, हमने कई बार शुभमन को देखा है। ड्रेसिंग रूम से बहुत सारी प्रतिक्रियाएं ली हैं। बहुत युवा, लेकिन सुधार हुआ है।हमें उम्मीद है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। वह एक शानदार खिलाड़ी है, उसे हमारी शुभकामनाएं। आप एक या दो दौरे के लिए कप्तान नहीं चुनते हैं। हमने पिछले एक या दो साल में उसके साथ कुछ प्रगति देखी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह जितना मुश्किल हो सकता है, उतना मुश्किल होगा।" भारतीय टीम में गिल के पिछले नेतृत्व अनुभवों में पिछले साल जिम्बाब्वे में 4-1 से टी20 सीरीज जीत और दुबई में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के व्हाइट-बॉल उप-कप्तान शामिल हैं। गिल ने टेस्ट में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज और तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में खेला है, और अब वह रोहित शर्मा द्वारा इस महीने की शुरूआत में प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा के बाद नेतृत्व की भूमिका निभा रहे हैं। 32 टेस्ट मैचों में गिल ने 35.1 की औसत से 1893 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम पांच शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं।

25 वर्षीय गिल वर्तमान में गुजरात टाइटन्स की अगुवाई कर रहे हैं, जो आईपीएल 2025 अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में खेलने के लिए तैयार है। उनके जीटी टीम के साथी और कोचिंग स्टाफ के सदस्यों ने गिल की सक्रियता, शांत और सामरिक कौशल की सराहना की है।

कुश मैनी फॉमूर्ला 2 स्प्रिंट रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मोनाको (एजेंसी) : भारतीय रेसर कुश मैनी ने मोनाको ग्रां प्री के फॉमूर्ला 2 स्प्रिंट रेस जीतकर एक रिकार्ड बनाया है। यह पहली बार है जब कोई भारतीय रेसर फॉमूर्ला 2 में पोल पोजिशन पर उतरने के साथ ही ट्रॉफी जीतने में सफल हुआ है। भारतीय रेसर मैनी सर्किट डी मोनाको में हुई इस रेस में शुरूआत से ही बढ़त बनाये रहे। वह मोनाको में रेस जीतने वाले पहले भारतीय चालक हैं। वहीं गैब्रिएल मिनी दूसरे स्थान पर रहे। कुश ने डैम्स लुकास ऑयल टीम की ओर से उतरते हुए यह जीत दर्ज की। मैनी अल्पाइन अकादमी की ओर से में डीएएमएस के लिए एफआईए फॉमूर्ला 2 चैंपियनशिप में भाग लेते हैं। वह अल्पाइन के लिए फॉमूर्ला वन में और महिंद्रा के लिए फॉमूर्ला ई में रिजर्व चालक के रूप में रहते हैं। कुश की मैनी को इस उपलब्धि पर महिंद्रा एंड महिंद के प्रमुख आनंद महिंद्रा ने बधाई दी है।जीत से उत्साहित मैनी ने इसे किसी सपने के सच होने जैस बताया। मैनी ने मोंटे कार्लो के सर्किट डी मोनाको में फॉमूर्ला 2 स्प्रिंट रेस में पोल पोजीशन से शुरूआत करते हुए अंत तक अपनी बढ़त बनाए रखी।

चार देशों के टूनार्मेंट में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चिली को मात दी

नई दिल्ली(एजेंसी) : भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने रविवार को अर्जेंटीना के रोसारियो में चिली पर 2-1 से जीत के साथ अपने मैत्रीपूर्ण चार देशों के टूनार्मेंट की सकारात्मक शुरूआत की। भारत के लिए सुखवीर कौर (39') और कनिका सिवाच (58') गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। चिली के लिए एकमात्र गोल जावेरिया सेंज (20') ने किया।

चिली की जावेरिया सेंज ने 20वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को दूसरे क्वार्टर में मामूली बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने तीसरे क्वार्टर में 39वें मिनट में सुखवीर कौर के सौजन्य से बराबरी का गोल करके तुरंत जवाब दिया।

मैच के अंतिम क्षणों में, कनिका सिवाच ने 58वें मिनट में विजयी गोल करके भारत की जीत सुनिश्चित की। टीम का अगला मैच 26 मई को उरुग्वे के खिलाफ होगा।

मैत्रीपूर्ण मैचों के महत्व के बारे में बात करते हुए, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच तुषार खांडेकर ने कहा, हम इस साल के अंत में जूनियर विश्व कप की तैयारी

कर रहे हैं, और चूंकि रोसारियो का दौरा चार देशों का टूनार्मेंट है, इसलिए हम विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इस टीम से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की पहचान करना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य जितना संभव हो उतना अनुभव हासिल करना और पिछले प्रदर्शनों के आधार पर यह आकलन करना है कि हमने कितना सुधार किया है।

विपक्षी टीमों के बारे में पूछे जाने पर, खांडेकर ने कहा, जब भी आप कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हैं - चाहे वह दौरा हो, द्विपक्षीय श्रृंखला हो, टेस्ट मैच हो या टूर्नामेंट हो - आप भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं। इसलिए, उद्देश्य हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देना और अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करना होता है, चाहे प्रतिद्वंद्वी कोई भी हो। इस टूनार्मेंट में हमारा मुख्य ध्यान अपनी रणनीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करना और लड़कियों को यथासंभव अधिक से अधिक मैच खेलने का मौका देना होगा, ताकि वे जूनियर विश्व कप से पहले आवश्यक अनुभव और आत्मविश्वास हासिल कर सकें।

जोकोविच ने 100 वां एटीपी खिताब जीतकर फेडरर और कोनर्स की बराबरी की

जिनेवा (एजेंसी) : सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने जिनेवा ओपन के फाइनल में पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज को हराकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जोकोविच ने इसी के साथ ही अपना 100वां एटीपी खिताब जीता है। जोकोविच ने खिताबी मुकाबले में ह्यूबर्ट को 5-7, 7-6, 7-6 से हराया। सर्बियाई खिलाड़ी ने पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे सेट में जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम किया। 100 एटीपी खिताब जीतने के बाद जोकोविच बेहद उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैंने काफी प्रयास किये थे। इसी के साथ ही अब जोकोविच ने स्विटजरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर और अमेरिका के जिमी कोनर्स के 100 खिताब जीतने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। कोनर्स ने सबसे अधिक 109 खिताब जीते हैं जबकि फेडरर के नाम 103 खिताब हैं।

पीएम मोदी ने कहा – 'जो खेलता है, वही खिलता है', खेलो इंडिया बिहार में सफल आयोजन

नई दिल्ली, (एजेंसी) :प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात की 122वीं कड़ी में खेलो इंडिया गेम्स के उत्साह और युवा प्रतिभाओं की उपलब्धियों को देशवासियों के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में बिहार के पांच शहरों में आयोजित खेलो इंडिया गेम्स में पूरे भारत से 5,000 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इन खिलाड़ियों ने बिहार की मेहमान नवाजी और खेल भावना की जमकर तारीफ की।

पीएम मोदी ने कहा, साथियों, बीते दिनों खेलो इंडिया गेम्स की बड़ी धूम रही। 'खेलो इंडिया' के दौरान बिहार के पांच शहरों ने मेजबानी की थी। वहां अलग-अलग कैटेगरी के मैच हुए थे। पूरे भारत से वहां पहुंचे एथलीटों की संख्या पांच हजार से भी ज्यादा थी। इन एथलीटों ने बिहार की खेल भावना की, बिहार के लोगों से मिली आत्मीयता की बड़ी तारीफ की है।

पीएम ने कहा कि बिहार की धरती ने इस आयोजन को और भी खास बनाया। यह पहला मौका था जब खेलो इंडिया यूथ गेम्स को ओलंपिक चैनल के माध्यम से दुनियाभर में प्रसारित किया गया। विश्व ने भारत के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखा और सराहा। इस आयोजन में महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान शीर्ष तीन विजेताओं में रहे, जिन्हें पीएम ने विशेष रूप से बधाई दी।खेलो इंडिया में इस बार कुल 26 रिकॉर्ड बने, जो भारतीय खेलों के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। वेटलिफ्टिंग में महाराष्ट्र की अस्मिता धोने, ओडिशा के हर्षवर्धन साहू और उत्तर प्रदेश के तुषार चौधरी ने शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचा। वहीं, महाराष्ट्र के साईराज परदेशी ने तो तीन रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। एथलेटिक्स में उत्तर प्रदेश के कादिर खान और शेख जीशान तथा राजस्थान के हंसराज ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बिहार ने भी 36 पदक जीतकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की।

शुभमन को अपनी नैचुरल बैटिंग बनाए रखनी चाहिए: पुजारा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि नवनियुक्त टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को 20 जून से शुरू होने वाले इंग्लैंड के आगामी पांच मैचों के दौरे पर अपनी बल्लेबाजी के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहिए।

लेकिन साथ ही, पुजारा, जिन्होंने इंग्लैंड में 16 टेस्ट खेले हैं और काउंटी क्रिकेट में व्यापक रूप से भाग लिया है, का मानना है कि गिल को विभिन्न परिस्थितियों और स्थितियों के अनुसार उन शॉट्स को समझना होगा जो वे खेल सकते हैं, जो दाएं हाथ के बल्लेबाज का इंग्लैंड का पहला पूर्णकालिक दौरा भी है।

शनिवार को, रोहित शर्मा के प्रारूप से संन्यास लेने के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया और उनका पहला कार्यभार इंग्लैंड का दौरा होगा, जो 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में टीम की पहली श्रृंखला भी है।

103 टेस्ट खेलने वाले पुजारा ने भारत के इंग्लैंड दौरे के आधिकारिक प्रसारक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क द्वारा आयोजित एक वर्चुअल कॉल में 'आईएएनएस' से कहा, ठीक है, उनकी बल्लेबाजी के तरीके पर, मैं कहूंगा कि यह बदलने वाला नहीं है और इसे बदलना भी नहीं चाहिए। उन्हें टेस्ट प्रारूप में जिस तरह से बल्लेबाजी करनी है, उसी तरह से बल्लेबाजी करनी होगी। वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं। उन्हें अपने शॉट खेलना पसंद है। इसलिए, मैं कहूंगा कि उन्हें अपने शॉट खेलना जारी रखना होगा।लेकिन साथ ही, उन्हें यह समझने की जरूरत है कि वह कब शॉट खेल सकते हैं, अंग्रेजी परिस्थितियों में वह किस तरह के शॉट खेल सकते हैं, उन्हें किस तरह के शॉट खेलने हैं और किस गेंदबाज का सामना करना सही रहेगा। इसलिए, मुझे यकीन है कि वह इन चीजों का आकलन करने की कोशिश करेंगे, साथ ही वह इसे समझने की कोशिश करेंगे।"

गिल का इंग्लैंड में टेस्ट खेलने का अनुभव बहुत ज्यादा नहीं रहा है - 2021 और 2023 में दो डब्ल्यूटीसी फाइनल में हिस्सा लिया और जुलाई 2022 में बर्मिंघम में 2021 के दौरे से पुनर्निर्धारित पांचवां टेस्ट खेला। उन्होंने ग्लेमोर्गन के साथ एक छोटी काउंटी पारी भी खेली, लेकिन टेस्ट में उनका औसत सिर्फ 27.53 रहा जबकि घर पर 42.03 रहा, गिल को अब विदेशी टेस्ट में बल्लेबाज के तौर पर खुद को साबित करना होगा, क्योंकि अब उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इंग्लैंड में इनस्विंगर से निपटने के अलावा, गिल किस तरह से मुश्किल बल्लेबाजी परिस्थितियों से निपटते हैं, यह भी देखने लायक होगा - चाहे वह तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें। उदाहरण के लिए, इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में, रोहित के खेल से बाहर होने के बाद गिल प्लेइंग इलेवन में वापस आ गए थे।

उस खेल में गिल के आउट होने के तरीके - पिच पर आगे आते हुए तथा नाथन लियोन और ब्यू वेबस्टर की गेंद पर स्टंप आउट और विकेट के पीछे कैच आउट - ने कई लोगों को हैरान कर दिया था। इसके अलावा इंग्लैंड में गिल को तेज गेंदबाजों के खिलाफ अपने डिफेंस को मजबूत करना होगा और नई ड्यूक्स गेंद को परखना होगा, उसके बाद ही अपने स्ट्रोकप्ले को संतुलित तरीके से खेलना होगा।

पुजारा ने कहा, जब वह इंग्लैंड जाएगा और जब वह अपनी तैयारी शुरू करेगा, तो वह समझ जाएगा कि ये ऐसे शॉट हैं जिन्हें वह तब खेल सकता है जब गेंद नई हो। साथ ही, कुछ ऐसे शॉट हैं जिन्हें आपको तब खेलने से बचना चाहिए जब गेंद नई हो और वह थोड़ी स्विंग या सीम कर रही हो। मैं कहूंगा कि यह ऑस्ट्रेलिया में मिलने वाले शॉट से काफी मिलता-जुलता है, जहां गेंद पहले 25-30 ओवर तक थोड़ा अधिक चलती है और फिर थोड़ी स्थिर हो जाती है।

उन्होंने कहा, इसलिए, जब गेंद पुरानी हो जाती है, तो आप बल्लेबाज के तौर पर कुछ और शॉट खेल सकते हैं। लेकिन अगर वह तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहा है और अगर वह पहले बल्लेबाजी करता है और भारत शुरूआत में एक या दो विकेट खो देता है, तो उसे अपना खेल थोड़ा बदलना पड़ सकता है। वह ऐसा करने में सक्षम है और एक बार जब वह वहां जाएगा, तो मुझे यकीन है कि वह समझ जाएगा कि उसे क्या करना है।

श्रीकांत मलयेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में हारे

क्वालालंपुर (एजेंसी) :भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के श्रीकांत को यहां हुए मलयेशियाई मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत को आधे घंटे से अधिक समय तक चले पुरुष एकल खिताबी मुकाबले में चीन के ली शी फेंग ने सीधे गेम में 11-21, 9-21 से हरा दिया। इससे श्रीकांत के पास आया खिताब जीतने का अवसर निकल गया। श्रीकांत ने मलयेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करते हुए छह साल में पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के फाइनल में प्रवेश किया था। इस भारतीय खिलाड़ी ने क्वालिफायर से लेकर फाइनल तक अच्छा प्रदर्शन किया था पर फाइनल में वह चीनी खिलाड़ी के सामने टिक नहीं पाये।

श्रीकांत ने इससे पहले सेमीफाइनल में विश्व के 23वें नंबर के खिलाड़ी टनाका को 21-18, 24-22 से हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग के फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ जीत हासिल की थी। इसके अलावा क्वार्टर फाइनल में पोपोव को 24-22, 17-21, 22-20 से पराजित किया जबकि प्री-क्वार्टर फाइनल में गुयेन को 23-21, 21-17 से हराया था।

26 May Page 10_Page 3.qxd 5/25/2025 8:15 PM Page 1

संक्षिप्त खबरें

देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सीनियर जस्टिस बीवी नागरत्ना आज आधिकारिक रूप से कॉलेजियम का हिस्सा बनेंगी। जस्टिस अभय एस. ओका के रिटायरमेंट के बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में सदस्य बनाया जा रहा है। इस तरह कॉलेजियम में अब चीफ जस्टिस बी.आर. गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना होंगे। जस्टिस नागरत्ना देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में हैं। वह 29 अक्टूबर 2027 को रिटायरमेंट तक इस सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का हिस्सा रहेंगी।

सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों ने बताया कि चीफ जस्टिस गवई सुप्रीम कोर्ट में खाली पदों को भरने और कई हाई कोर्टों में अहम नियुक्तियां करने के लिए सोमवार को अपनी पहली कलीजियम बैठक बुला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस ओका के रिटायर होने के बाद न्यायाधीशों के खाली पदों की संख्या तीन हो जाएगी।

कॉलेजियम सिस्टम 1993 में वजूद में आया था। इसके तहत, सुप्रीम कोर्ट के पांच सीनियर मोस्ट जस्टिस सर्वोच्च न्यायालय और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, तबादले और प्रमोशन की सिफारिश करते हैं। सरकार कॉलेजियम की सिफारिशें लौटा सकती है। हालांकि, कॉलेजियम के दोबारा सिफारिश करने पर वह आमतौर पर इसे स्वीकार कर लेती है। कई ऐसे मामले भी आए हैं, जब सरकार ने फाइल को फिर से लौटा दिया है या सिफारिशों पर कोई जवाब नहीं दिया।

तीन देशों की सीमा पर आए भूकंप के झटके, दहशत में भागे लोग

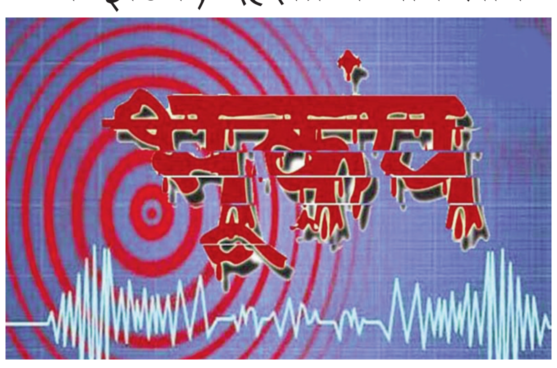

नई दिल्ली,(एजेंसी) : तीन देशों की सीमाओं पर आए भूकंप ने लोगों को डरा दिया है। स्थानीय लोग दहशत में घरों से बाहर निकले और सुरक्षित स्थान तलाशने लगे। हालांकि भूकंप बहुत ज्यादा नहीं था, इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। यह भूकंप पहले शनिवार को आया इसके बाद रविवार को भी मामूली झटके महसूस किए गए हैं।

भूकंप की वजह से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा, अफगानिस्तान के उत्तरी क्षेत्र और ताजिकिस्तान के सुदूरवर्ती इलाकों में कंपन महसूस किया गया। भूकंप वैज्ञानिकों का कहना है कि यह इलाका तीन टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने वाले क्षेत्र में आता है, इसलिए यहां अक्सर हल्के से मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान की सीमावर्ती इलाकों में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। स्थानीय समयानुसार भूकंप सुबह करीब 9 बजे के आसपास आया। झटकों की वजह से लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश पर्वतीय क्षेत्र के पास बताया जा रहा है जो अक्सर भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। हालांकि फिलहाल किसी बड़े जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है।

मान सरकार का फरमान, पंजाब के स्कूलों में पढ़ाई जाएगी तेलुगू भाषा

शिक्षक संगठन नाराज, बोला- फरमान सिर्फ कागजों तक ही सीमित

चंडीगढ़,(ईएमएस)। पंजाब राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों को एक पत्र जारी किया इसके बाद पत्र को लेकर विवाद शुरू हो गया। दरअसल इसमें समर कैंप के दौरान स्कूली बच्चों को तेलुगू भाषा सिखाने का उल्लेख है। पत्र में कहा गया है कि समर कैंप में सरकारी स्कूलों के कक्षा 6 से 10 तक के बच्चों की भागीदारी तय की जानी है और उन्हें तेलुगू की बुनियादी जानकारी और ज्ञान प्रदान किया जाना है। एक यूनियन के नेता ने कहा कि सबसे पहले तो हमारे शिक्षकों को तेलुगू भाषा नहीं आती है, तो वे बच्चों को कैसे सिखाएंगे? भाषा बुरी नहीं है, लेकिन हमें उस देश की भाषा का प्रयोग करना चाहिए, जिसमें हम रहते हैं। विशेषकर हमारी पंजाबी हर जगह बोली जाती है। भारत में पंजाबी की लिपि गुरमुखी है, तो पाकिस्तान में शाहमुखी है।उन्होंने कहा कि अगर सरकार तेलुगू भाषा को लागू करना ही चाहती है, तो उन्हें तेलुगू बोलने वाले शिक्षकों को पंजाब लाना चाहिए। हमारे बच्चे पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में पूरा ध्यान नहीं दे रहे हैं, और चौथी भाषा तेलुगू में कैसे ध्यान देंगे? कुछ दिनों में स्कूल बंद कर दिए जाएंगे। हम इस भाषा को इतने कम समय में कैसे लागू कर सकते हैं?उन्होंने कहा कि यह सरकार तीन साल से सत्ता में है। अगर उन्हें तेलुगू भाषा लागू करनी होती, तो वे तब इस बारे में सोचते। सरकार के फरमान सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं, इससे ज्यादा कुछ नहीं है। सीमावर्ती क्षेत्रों के स्कूलों के लिए सीमा भत्ता भी बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी भाषा बुरी नहीं होती। पंजाब में भी चार-पांच प्रकार की बोलियां बोली जाती हैं, जिनमें मालवई, माझा या दोआबा प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि हमारे मंत्रिगण भी अंग्रेजी में पत्र जारी करते हैं, पंजाबी में नहीं। जब वे भी पंजाबी मातृभाषा का पूर्ण प्रचार नहीं करते, तो आम लोग कैसे करेंगे? राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए यूनियन नेता ने कहा कि पंजाब में जो विकास कार्य होने थे, उन्हें रोक दिया गया है।

उत्तराखंड में विकसित होगी टिकाऊ ड्रेनेज प्रणाली, सीएम धामी ने मांगी केंद्र से मदद

देहरादून(एजेंसी): बाढ़, बारिश और आंधी तूफान के चलते उत्तराखंड के कई हिस्सों में पानी की निकासी होना कठिन हो जाता है। इसके लिए एक मजबूत ड्रेनेज सिस्टम की जरुरत होती है। इसे विकसित करने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र से सहायता मांगी है। पर्वतीय क्षेत्रों में एप्पल मिशन, कीवी मिशन, मिलेट मिशन समेत कई हाई वैल्यू एग्रीकल्चर को प्रोत्साहित किया जा रहा है।ऐसे में इन क्षेत्रों में सिंचाई व्यवस्था मजबूत करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र का मात्र 10 प्रतिशत भू-भाग ही सिंचित हो पा रहा है। उन्होंने पीएम कृषि सिंचाई योजना में लिफ्ट इरिगेशन को सम्मिलित करने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में तेजी से हो रहे शहरीकरण के चलते शहरों में ड्रेनेज की समस्या एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस समस्या के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर टिकाऊ ड्रेनेज प्रणाली विकसित करने के लिए विशेष योजना बनाई जाए।उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हिमनद आधारित नदियों को वर्षा आधारित नदियों से जोड़ने को नदी जोड़ो परियोजना के साथ चेक डैम और लघु जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है। इससे वर्षा जल को संरक्षित किया जा सकेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जीडीपी में प्राथमिक सेक्टर का योगदान जहां मात्र 9.3 प्रतिशत है। वहीं, इस कार्य में लगभग 45 प्रतिशत आबादी लगी है। इस समस्या को देखते हुए लो वैल्यू एग्रीकल्चर के स्थान पर हाई वैल्यू एग्रीकल्चर अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। राज्य में एप्पल मिशन, कीवी मिशन, ड्रैगन फ्रूट मिशन, मिलेट मिशन तथा सगंध कृषि की परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में उत्तराखंड में पर्वतीय महाकुंभ के रूप में प्रसिद्ध मां नंदा राजजात यात्रा और वर्ष 2027 में हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होना है। इन दोनों आयोजनों को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए उन्होंने केंद्र से सहयोग मांगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में डेमोग्राफिक डिविडेंड की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस लाभ को प्राप्त करने के लिए एक निश्चित समय सीमा में इसका दोहन करना आवश्यक है। इस दृष्टि से आने वाले दस वर्ष हमारे प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इन्हीं वर्षों में हम डेमोग्राफिक डिविडेंड का सर्वाधिक लाभ उठा सकते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए राज्य में विशेषरूप से स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत एवं समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देते हुए जीडीपी की तर्ज पर जीईपी अर्थात ग्रोस एनवायरमेंट प्रोडक्ट इंडेक्स जारी करने की शुरूआत की है। इस आकलन से अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के मध्य बेहतर सामंजस्य स्थापित हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जियोथर्मल ऊर्जा नीति शीघ्र लागू की जाएगी।

साबरमती से वापी के बीच 2028 में शुरू हो जाएगी भारत की पहली बुलेट ट्रेन?

नई दिल्ली(एजेंसी): देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलाई जानी है। इसके लिए 508 किमी का हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2028 तक यह गुजरात में साबरमती से वापी के बीच शुरू हो सकती है। पूरे मार्ग पर 2030 तक ट्रेन के दौड़ने की संभावना जताई गई है। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा राइडरशिप सर्वे कराया जाएगा, जिसमें यात्री संख्या, किराया निर्धारण और ट्रैफिक अनुमान तय किए जाएंगे।

इस रेल लाइन की कुल दूरी 508 किलोमीटर की होगी। गुजरात में करीब यह 348 किमी की दूरी तय करेगी। इसके बाद महाराष्ट्र में लगभग 156 किमी के ट्रैक पर बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। महाराष्ट्र में मुंबई,ठाणे, विरार, बोईसर में स्टेशन तैयार किए जा रहे हैं। वहीं, गुजरात में वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, साबरमती स्टेशन बनाए जा रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब तक 300 किमी वायाडक्ट का निर्माण हो चुका है। मुंबई के बीकेएस स्टेशन पर 76 प्रतिशत खुदाई का काम पूरा हो चुका है। 383 किमी पियर वर्क, 401 किमी फाउंडेशन और 326 किमी गर्डर कास्टिंग भी पूरी हो चुकी है।

गुजरात में काम तेजी से हुआ है, जबकि महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण को लेकर पूर्ववर्ती महा विकास आघाड़ी सरकार के समय परियोजना लगभग तीन साल तक रुकी रही।बता दें कि इस परियोजना के शुरू होने से भारत दुनिया के उन चुनिंदा 15 देशों की सूची में शामिल हो जाएगा जहां हाई-स्पीड रेल प्रणाली मौजूद है। बुलेट ट्रेन से यात्रा समय में भारी कमी, प्रदूषण में गिरावट, सड़क दुर्घटनाओं में कमी, रोजगार के नए अवसर, विदेशी तेल पर निर्भरता में कमी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वहीं सर्वे में यह आकलन किया जाएगा कि कौन-कौन से मौजूदा यात्रा विकल्प जैसे कि कार, टैक्सी, बस, एसी ट्रेन, हवाई यात्रा आदि से यात्री हाई-स्पीड रेल की ओर आकर्षित होंगे। यह सर्वे विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के आसपास के क्षेत्रों में किया जाएगा।

वॉट्सऐप में जल्द आएगा स्टिकर रिएक्शन फीचर

नई दिल्ली (एजेंसी): वॉट्सऐप अपने यूजर्स के चैटिंग अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए एक नया और दिलचस्प फीचर लाने की तैयारी कर रहा है। जल्द ही वॉट्सऐप पर यूजर्स को मैसेजेस और मीडिया फाइल्स पर इमोजी के अलावा स्टिकर्स से भी रिएक्ट करने का विकल्प मिलेगा। पहले इस फीचर को वॉट्सऐप बीटा फॉर एंड्रॉयड के वर्जन 2.25.13.23 में टेस्ट करते हुए देखा गया था और अब कंपनी इसे आईओएस यूजर्स के लिए भी उपलब्ध कराने जा रही है। इस नए फीचर को हाल ही में टेस्टफ्लाइट ऐप के जरिए वॉट्सऐप बीटा फॉर आईओएस 25.16.10.72 वर्जन में देखा गया है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह सुविधा आईफोन यूजर्स के लिए भी जल्द ही आने वाली है।

वॉट्सऐप बीटाइंफो ने इस फीचर से जुड़ा एक स्क्रीनशॉट भी साझा किया है जिसमें यह साफ नजर आता है कि यूजर किसी भी मैसेज पर रिएक्शन ट्रे खोलकर सीधे स्टिकर्स का उपयोग कर सकता है। रिएक्शन ट्रे में पहले से मौजूद डिफॉल्ट इमोजी के अलावा अब रीसेंट्ली यूज्ड स्टिकर्स भी दिखाई देंगे। इससे यूजर्स को बार-बार पूरे स्टिकर कलेक्शन को ब्राउज नहीं करना पड़ेगा और वे तेजी से अपनी भावना जाहिर कर सकेंगे। दिलचस्प बात यह है कि यूजर्स केवल सजेस्टेड या रीसेंट स्टिकर्स तक ही सीमित नहीं रहेंगे। उन्हें वॉट्सऐप के पूरे स्टिकर कलेक्शन का एक्सेस मिलेगा, जिसमें डाउनलोड किए गए स्टिकर पैक्स, सेव्ड स्टिकर्स, एआई द्वारा जनरेट किए गए स्टिकर्स और थर्ड-पार्टी स्टिकर इम्पोर्ट की सुविधा शामिल होगी। यह सुविधा लॉटी फ्रेमवर्क से बनाए गए एनिमेटेड स्टिकर्स के साथ भी काम करेगी, जिससे मैसेज रिएक्शन का अनुभव और भी रिच और इंटरएक्टिव हो जाएगा। वॉट्सऐप का यह नया अपडेट चैटिंग को सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं बल्कि अभिव्यक्ति का रंगीन जरिया बना देगा।

एएसआई ने बैठने का कारण पूछा तो बरसा दिए तीर, एक सीने में धंसा

लखनऊ(एजेंसी): सीबीआई दफ्तर के सुरक्षा कर्मचारी एएसआई वीरेंद्र सिंह पर हमला करने का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि आरोपी ने सबसे पहले मुख्य गेट पर एएसआई को बाण मारा। जब बाण उनके पेट में घुस गया और वह घायल होकर अंदर भागे, तो आरोपी उनके पीछे भी आया और अंदर जाकर दूसरा बाण भी चला दिया। आरोपी दिनेश मुर्मू पर कई आपराधिक मामले, पुलिस ने गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई जिससे वो कई बार जेल जा चुका है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी का नाम दिनेश मुर्मू है, जिसकी उम्र 50 साल है। वह बिहार का रहने वाला है। यह घटना शुक्रवार को हुई। उस दिन लखनऊ पुलिस लाइन से तैनात एएसआई वीरेंद्र सिंह सुरक्षा में ड्यूटी पर थे। तभी आरोपी दिनेश मुर्मू वहां पहुंचा। उनसे पूछताछ करने पर उसने झोले से धनुष और बाण निकाला और वीरेंद्र सिंह पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। इस घटना से वहां मौजूद पुलिसकर्मियों में भगदड़ मच गई। लेकिन, एक अन्य सुरक्षाकर्मी ने साहस दिखाते हुए आरोपी को डंडे से पीटकर जमीन पर गिरा दिया, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी पहले भी जेल जा चुका है। वह बिहार में रेलवे में नौकरी करता था, लेकिन साल 2000 में अपने गुस्से और आक्रामक स्वभाव की वजह से रेलवे से निकाल दिया गया। इसके बाद साल 2005 में दिल्ली पुलिस के सिपाही से मारपीट करने के मामले में जेल गया। 2015 में जौनपुर में जीआरपी ने उस पर सिपाही के साथ मारपीट का आरोप लगाकर जेल भेजा था। रेलवे में नौकरी के दौरान ही उसने रेलवे ट्रैक इंस्पेक्टर से 200 रुपये घूस मांगी थी, जिसे सीबीआई की भ्रष्टाचार टीम ने पकड़ लिया था और ट्रैक इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने आरोपी दिनेश मुर्मू को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पता चला है कि वह बिहार का रहने वाला है और कई बार जेल जा चुका है। अब उसकी खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में महज 2 घंटे की बारिश से मचा हाहाकार, उड़ानों पर हुआ असर

नई दिल्ली(एजेंसी):दिल्ली-एनसीआर में हुई चंद घंटों की बारिश ने हाहाकार जैसी स्थिति निर्मित कर दी है। यह बारिश रात को हुई जिससे दिल्ली का हाल बुरा हो गया है। एक तरफ सड़कों में जलभराव देखा गया तो वहीं दूसरी तरफ तेज आंधी के साथ बारिश के चलते विमानों की उड़ानों पर भी असर पड़ा है।

दिल्ली-एनसीआर में रविवार तड़के जमकर झमाझम बारिश हुई है। मौसम विभाग की मानें तो करीब 60 किमी प्रतिअवर की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम में ठंडक घुलने के साथ ही जहां राहत लोगों ने महसूस की तो वहीं जलभराव से परेशानी भी खड़ी हो गई। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर में रात भर बारिश का माहौल बनता रहा। तेज बारिश में दिल्ली की अनेक सड़कें लबालब भर गईं, लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया। दरअसल दिल्ली-एनसीआर से लेकर हरियाणा और पश्चिमी यूपी में आधी रात से आंधी के साथ बारिश का मौसम बन गया। दिल्ली, नोएडा से लेकर गाजियाबाद तक तेज हवाएं चलीं और बारिश हुई।

दिल्ली में भारी बारिश के चलते मोती बाग, मिंटो रोड, दिल्ली छावनी और दीन दयाल उपाध्याय मार्ग समेत राष्ट्रीय राजधानी की अनेक सड़कों पर जलभराव देखने को मिला है। इसके अलावा, तेज हवाओं के चलते कई इलाकों में पेड़ गिरे और बिजली के खंभे उखड़ गए। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से मौसम में ठंडक तो आ गई, मगर लोगों के लिए परेशानी भी बढ़ गई। दिल्ली में जगह-जगह सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी है। जैसे-तैसे वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आए हैं। आंधी और बारिश से दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई हैं। यूपी-बिहार में शनिवार को भी तेज बारिश हुई। महाराष्ट्र और तमिलनाडु में भी मौसम मेहरबान दिखा है। खास बात यह है कि केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। दिल्ली में बदले मौसम के मिजाज के बीच देश के सबसे बड़े इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 17 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत 49 विमानों के मार्ग परिवर्तित किए गए। विमानन कंपनी इंडिगो ने रविवार तड़के करीब 04 बजे सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि दिल्ली में प्रतिकूल मौसम की वजह से विमान संचालन में अस्थायी बाधाएं पैदा हुई हैं। इसके साथ ही कहा गया कि मौसम धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है लेकिन हवाई क्षेत्र में कुछ अवरोध बना हुआ है। इंडिगो ने आगे कहा, कि ह्यआपको हम आश्वस्त करते हैं कि परिस्थितियां अनुकूल होने के साथ ही उड़ानों की आवाजाही फिर से शुरू की जाएगी।

हादसे का शिकार हुआ आईएनएस ब्रह्मपुत्र एक बार फिर जल्द लौटेगा समुद्र की लहरों पर

मुंबई,(एजेंसी): पिछले साल जुलाई में मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में हुए एक गंभीर हादसे का शिकार हुआ भारतीय नौसेना का स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र एक बार फिर समुद्री लहरों पर जल्द उतरने को तैयार है। वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों ने बताया कि युद्धपोत के ह्यफ्लोट और मूव क्षमताओं को बहाल करने का कार्य इस साल के अंत या 2026 की शुरूआत तक पूरा हो सकता है, जबकि इसकी ह्यफाइटह्वयानी युद्ध क्षमता जून-जुलाई 2026 तक दोबारा सक्रिय हो सकती है। कई लोगों को आशंका थी कि भारी नुकसान के कारण यह पोत दोबारा सेवा में नहीं लौट पाएगा, लेकिन नौसेना इसे ठीक करने और सेवा में वापस लाने के लिए तेजी से काम कर रही है। वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, नौसेना डॉकयार्ड में युद्धपोत की मरम्मत तेजी से चल रही है। उसे फिर से समुद्र में चलने लायक बनाना प्राथमिकता है। यह पहली बार है जब वर्ष 2000 में सेवा में आए इस गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट के दोबारा ऑपरेशन को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आई है। यह युद्धपोत कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा बनाया गया था। दूसरे अधिकारी ने बताया कि, मरम्मत चरणबद्ध तरीके से चल रही है। सबसे पहले जहाज की ढांचा, प्रणोदन प्रणाली और बिजली उत्पादन को दुरुस्त किया जा रहा है ताकि फ्लोट और मूव क्षमता बहाल हो सके। युद्धपोत की फाइट यानी हथियार प्रणाली और सेंसर को पुनः सक्रिय करने का कार्य भी समानांतर रूप से चल रहा है। सभी क्षतिग्रस्त उपकरणों को हटाकर डॉकयार्ड की वर्कशॉप में ले जाया जा रहा है, जहां उनकी मरम्मत या रिप्लेसमेंट हो रहा है। युद्धपोत के क्रू सदस्य भी मरम्मत कार्य में तकनीकी सहायता दे रहे हैं। बता दें कि 21 जुलाई 2024 को नौसेना डॉकयार्ड में खड़े 3,850 टन वजनी आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर आग लग गई थी। आग बुझाने के लिए बड़े पैमाने पर पानी पंप किया गया, जिससे युद्धपोत झुक कर पलट गया। इस हादसे में लीडिंग सीमैन सितेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। वह उस समय युद्धपोत के मरम्मत कार्य में शामिल थे। जबकि अधिकांश क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकल गए थे, कुछ ने समुद्र में छलांग लगाकर जान बचाई, लेकिन सितेंद्र सिंह डूब गए। इसके बाद युद्धपोत को नवंबर 2024 में ड्राई डॉक में ले जाया गया और फिर नुकसान का व्यापक मूल्यांकन कर मरम्मत की योजना बनाई गई।

संक्षिप्त खबरें

बलियापुर के सरिसाकुंडी मोड़ में सेल टासरा भूमि अधिकरण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः सरिसाकुंडी मोड़ में आमसभा कर रविवार को सेल टासरा भूमि अधिग्रहण के खिलाफ विरोध जताया। रैयत किसानों ने भूमि अधिग्रहण के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। कार्यक्रम में बलियापुर 23 पंचायत के लगभग एक दर्जन मुखिया ने कहा कि रैयत किसानों के आंदोलन में कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। वक्ताओं ने कहा कि रैयत किसानों का रोड किनारे जमीन में दुकान मकान बनाने नहीं दिया जा रहा है। जबकि अभी अधिग्रहण की प्रक्रिया हुआ ही नहीं। मौके पर मुखिया रंगा किस्कू, मुखिया उत्तम चौबे, जिप सदस्य पति आशीष महतो, पूर्व मुखिया दिनेश सरखेल, आजाद हांसदा, राबड़ी देवी, कविता देवी, मीना देवी, सुकूरमुनी देवी, बुधनी देवी, सुचित्रा देवी, उर्मिला देवी, विजय सोरेन, अमृत महतो, सुनील सोरेन, निर्मल महतो, राहुल महतो, मंतोष महतो, बबलू महतो, सहदेव मांझी, महिलाल मल्लिक, किष्टोपदो महतो आदि मौजूद थे।

शहीद विभूति महतो स्मारक समिति का गठन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः डांगापाड़ा हाई स्कूल में रविवार को भाकपा माले कार्यकताओं की बैठक प्रखंड सचिव गणेश महतो की अध्यक्षता में हुई। आगामी 11-12 जून को बलियापुर में आयोजित होने वाले शहीद विभूति महतो मेला कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय लिया। इसके लिए शहीद विभूति महतो स्मारक समिति का गठन किया गया। अध्यक्ष देवाशीष पांडेय, सचिव अविनाश महतो, कोषाध्यक्ष बुधनलाल महतो, के अलावा कार्यकारी सदस्यों का चयन किया गया। बैठक में कहा कि विद्युत विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर का पुरजोर विरोध होगा। कृषि विज्ञान द्वारा समय पर बीज वितरण नहीं किया जा रहा है। इसको लेकर आंदोलन किया जाएगा। बैठक में जयदेव महतो, शीतल दत्ता, मंगल महतो, कृष्णा दा, अमित बनर्जी, राकेश रवानी, विनोद महतो, लालमोहन महतो, सुबल चन्द्र महतो, समीर कुमार मुर्मू, प्रदीप उपाध्याय, मेघू महतो, रोहित महतो, काशीनाथ मंडल, अरूण रजवार, रामप्रसाद रजवार, धर्मेंद्र मांझी, अधर सहिस, संतोष रवानी, सुनील महतो, विजय राम आदि मौजूद थे।

पाथरडीह अजमेरा में विश्व शांति वैदिक यज्ञ का आयोजन धूमधाम से हुआ

जोड़ापोखर : ब्रम्ह बिद्या बिहंगम योग समाज की ओर से पाथरडीह अजमेरा में रविवार को विश्व शांति बैदिक यज्ञ का आयोजन धूमधाम से हुआ।जहां मन्त्रोच्चार से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।जहां पकड़ी बलिया ब्रिटीकूट आश्रम व झुषि प्रयागराज से आये बिनोद शाश्त्री,भोला शाश्त्री ने अपने प्रवचनों से वहां उपस्थित महिलाओं को भाव विभोर कर दिया।हवन के बाद विशाल भंडारा का आयोजन किया गया था।पुरोहितों ने बताया कि सनातन धर्म सबसे पुराना धर्म है।यह समाज के सभी लोगों को जोड़ने का काम करता है।यज्ञ से विश्व,देश सहित पूरे समाज का कल्याण होता है।साथ ही आस पास का वातावरण सुद्ध हो जाता है।मौके पर गुलाब सिंह,मुन्ना वर्मा,देव कुमार दुबे,भिखारी सिंह,डीएन दुबे,मनीष वर्मा आदि थे।

महिलाओं को धान की खेती के बारे में दी जानकारी

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर :बाघमारा पंचायत के कुंअरडीह गांव में रविवार को कृषि उत्थान महिला प्रोड्यूसर कंपनी की ओर से महिला कृषकों के बीच धान की खेती के बारे में विशेष जानकारियां दी गई। कंपनी के सीईओ राजीव रंजन ने धान की खेती पर खेतों की जुताई, बीज की मात्रा, बीज उपचार विधि आदि के बारे में जानकारियां द गई। इस अवसर पर कंपनी के डायरेक्टर शोभारानी महतो, लक्ष्मी देवी के अलावा काफी संख्या में महिला कृषक मौजूद थी।

बलियापुर में वट सावित्री की हुई पूजा

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः क्षेत्र में बट सावित्री व्रत का त्यौहार रविवार को भक्ति भाव के साथ मनाया गया. क्षेत्र की सुहागिनों ने इस अवसर पर बट वृक्ष के समक्ष पूजा अर्चना के दौरान अपनी सुहाग की रक्षा के लिए प्रार्थना किया। क्षेत्र के सुरूंगा , गांव में प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, रेखा , पार्वती उर्मिला ममता अन्ना, कविता, पूजा बसंती निभा के साथ काफी संख्या में महिलाओं ने पूजा अर्चना में भाग लिया।

जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह में एसआईएस के सुरक्षा कर्मी के घर से डेढ़ लाख की चोरी

आशंकाः खिड़की में लगे कूलर में डाला बेहोशी की दवा, घर में सभी सोए रहे, संपत्ति चुरा हुए फरार

जोरापोखर : जोरापोखर थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाओं में वृद्धि होने से लोग दहशत में है.यहां हर दूसरे दिन कहीं न कहीं चोरी की घटना घट ही जाती है.शनिवार रात को भी कुछ ऐसा ही घटना घटी जहां अज्ञात चोरों ने डिगवाडीह के टाटा न्यू कालोनी में एसआईएस के निजी सुरक्षा कर्मी सुरजीत सिंह के घर में नकदी एवं जेवरात सहित करीब डेढ़ लाख की संपति की पर अपना हाथ साफ कर दिया. घटना को लेकर पीड़ित सुरजीत ने जोरापोखर थाना में लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है.पुलिस मामले की जांच कर रही है. घटना के संबंध में बताते चलें कि सुरजीत के घर के दो खिड़की में बाहर में दो कूलर लगा है. सुरजीत ने आशंका जताया है कि चोरों ने कूलर में बेहोशी वाली स्प्रे कर चहारदीवारी फांदकर घर में प्रवेश की है.घर में सो रहे सभी लोगों के बेहोश होने पर अलमीरा में रखे सोने का चेन, एक जोड़ा कान बाली एवं 4 हजार रुपए नकद चोरी कर फरार हो गया है. घटना की जानकारी सुरजीत की भाभी को तब हुई जब वो सुबह में सो कर उठी और देखा घर का मुख्य द्वार खुला पड़ा है एवं अलमीरा के सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ है.

चोरों ने भागने के क्रम में पड़ोस के रहने वाले कन्हैया सिंह एवम संजय हजारी के बंद घर का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया परंतु घर खाली रहने से चोरो को कुछ भी हाथ नहीं लगा है।क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ने से लोगों में पुलिस के खिलाफ काफी आक्रोश है. हालांकि पुलिस द्वारा रात्रि में तीन वाहनों से पुरे क्षेत्र में लगातार गश्त लगाया जाता है, बावजूद इसके क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर लोग दहशत में है.

गीतकार ,संगीतकार व पेंटर के लिए सरकार अच्छी नीति बनाएं,जिससे उनकी माली हालत में सुधार हो:सदानंद महतो

तोपचांची :दुमदुमी के पीएम श्री स्कूल के चार दिवारी में झारखंड प्रदेश के लोकप्रिय पेंटर महावीर सामी ने झारखंडी कला संस्कृति को बेहतर तरीके से दिखाने का प्रयास किया है। महावीर को कला से अद्भुत प्रेम है।उनकी पेंटिंग से झारखंड प्रदेश के त्यौहार,भाषा भाषी,

पहनावा,जीवन शैली, खानपान के अलावा झारखंड आंदोलन के शीर्ष नेतृत्व को दशार्ता है।उनकी कला से झारखंड की खूबसूरती दिखती है। गांव के चौपाल से लेकर विधानसभा तक की चमक दिखती है। नरकोपी ग्राम वासियों ने उन्हें बुके, शॉल, व मिठाई खिलाकर बधाई दी।इस मौके पर आजसू नेता सदानंद महतो ने कहा कि झारखंड सरकार के कलाकार,संगीतकार, गीतकार,व पेंटर के लिए नई व अच्छी नीति बननी चाहिये।

जिससे उनका घर परिवार का भरण पोषण हो सके।प्रदेश के पेंटरों की माली हालत ठीक नहीं है,उन्हें उचित सम्मान सरकार दे। इस अवसर पर अनंत लाल महतो,विकास महतो, छेदीलाल महतो,योगेश महतो,लीला महतो राजेश महतो,उर्मिला देवी आदि ग्रामीण मौजूद थे।

जामाडोबा आलमनगर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

जोरापोखरः सेल एवं दुगार्पुर सुन्दरम क्रिएटिव वेलफैर सोसाइटी के सौजन्य से जामाडोबा आलमनगर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस जांच शिविर मे कुल 100 मरीजों ने अपनी जांच कराई जिसमे 69 महिलाएं एवं 31 पुरुषों ने अपनी जांच कराई।महिलाओं की संख्या अधिक थी जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, ऑक्सीजन लेवल, वजन मापन सहित आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। सेल के दुवारा लगभग प्रतेक माह निशुल्क जाँच शिविर लगाई जा रही है। जिससे गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगो को लाभ मिल रहा है। डॉक्टर ने बढती गर्मी एवं लूह से बचने के लिए मरीजों को बहुत सारी जानकारी दी। कमजोर महिलाओं को मल्टी विटामिन का कैप्सूल्स एवं सिरप भी दिया गया। डॉक्टर ने सभी मरीजों से समय पर स्वास्थ्य जांच कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति हमेशा जागरूक रहने का मशवरा दिया। जामाडोबा राम्जनपुर, आलमनगर, शास्त्री नगर, पंजाबी धैरा से लोग अपनी जांच कराने पहुचे। आए हुए मरीज ने सेल की तरीफ करते हुवे कहा की जामाडोबा में पहली बार स्वस्थ के प्रति इतनी सारी सुविधा दी जा रही है। पैसे की कमी के कारण कई बार लोगों को अपना इलाज कराने में बहुत मुश्किल होती है, क्योंकि वे अपनी चिकित्सा खर्च को पूरा नहीं कर पाते। इससे उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं आज डॉक्टर के जांच के साथ साथ दवा भी मिल रहा है। यह पहल पूरे वर्ष भर नियमित रूप से जारी है, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ा लाभ मिल रहा है। सेल का यह प्रयास वंचित वर्ग को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस शिविर में डॉ. अनन्या डे, नर्स बोइसाखी हसदा, श्राबंती टुडू, अनीशा मड्डी,अमर सिन्हा आदि शामिल थीं।

चांद कुईया मुखिया के सहयोग से वर्षो पुराना पारिवारिक जमीनी विवाद सुलझा

झरिया : चांद कुईंयां भागारामपुर के रहने वाले संजय सिंह पिता नूनू सिंह ने अपने पारिवारिक जमीन के बंटवारे को लेकर चांद कुईंयां पंचायत के मुखिया को एक पत्र लिखा था. पत्र के माध्यम से बताया गया था कि हमारे चार भाई हैं .चारों भाइयों में जमीन के बंटवारे को लेकर कई बार फैसला हुआ था, लेकिन परिवार वाले मानने को तैयार नहीं थे।तब उन्होंने मुखिया और मुखिया प्रतिनिधि से आग्रह किया कि पारिवारिक जमीन को बंटवारा करवा दें.पंचायत जो फैसला करेगी सभी मानने को तैयार होंगे। उसी के संबंध में मुखिया प्रतिनिधि मनोज सिंह और पंचायत के लोगों ने उनकी पारिवारिक जमीन के बंटवारे में अहम भूमिका निभाई. उनकी पुश्तैनी जमीन का बंटवारा पिछले 25 सालों से नहीं हो पा रहा था। कई बार प्रयास करने के बावजूद परिवार के लोग एकमत नहीं हो पा रहे थे,मुखिया प्रतिनिधि मनोज सिंह के प्रयास से रविवार को बरसों पुराना मामला रविवार को सुलझा लिया गया. परिवार के सभी लोग मामला सूलझ जाने से काफी खुश हैं. इसके लिए पंचायत के लोगों ने पूर्व मुखिया मनोज सिंह को धन्यवाद दिया। पंचायत के लोगों में निरंजन सिंह,सीरीष सिंह, प्रताप सिंह, अमित महतो, संजय सिंह, भीम सिंह, बाबू मनीसिंह, प्राण राय, निमाई राय, बैजनाथ सिंह, गौतम सिंह,जीगीन सिंह, राजेंद्र सिंह, नरेश राय, मधुरमहतो, विनोद सिंह, भीम सिंह आदि थे।

जयरामपुर कोलियरी के पांच नंबर पिट में लगे दोनों मोटर पंप खराब

25 हजार की आबादी को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है

झरिया : लोदना क्षेत्र के जयरामपुर कोलियरी स्थित पांच नंबर पिट में लगे दोनों पम्प के खराब हो जाने से लगभग 25000 की आबादी को भीषण गर्मी में पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। बता दे कि बीते गुरुवार से जयरामपुर कोलियरी का पम्प खराब है।जिसके कारण पिट वाटर की सप्लाई पूर्ण रूप से बंद हो गया है।

जयरामपुर में पानी का कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। चार दिनों से पानी सप्लाई बंद होने के बाद भी प्रबंधन ने पानी का कोई वैकल्पिक व्यवस्था अभी तक नहीं किया है। और ना ही पम्प के मरम्मत के लिए कोई पहल की जा रही है।

इस भीषण जल संकट पर ना तो झरिया विधायक और ना ही धनबाद के सांसद के द्वारा कोई पहल की जा रही है।अभी तक किसी श्रमिक यूनियन नेताओ के द्वारा भी प्रबंधन पर दबाव नही बनाया जा रहा है। पम्प को मरम्मत करा कर क्षेत्र के जनता को जल संकट से जल्द निजात दिलाई जाए।

श्री सत्यनारायण मंदिर में संस्कृत पाठशाला का आयोजन

वट सावित्री पर विशेष प्रकाश डाला गया

झरिया : श्री सत्यनारायण मंदिर स्टेशन रोड झरिया में संस्कृत पाठशाला का आयोजन किया गया। जहां वट सावित्री व्रत को ध्यान में रख कर संस्कृत में वहां उपस्थित छात्रों के बीच श्लोक सुनाया गया।वट मूले स्थितो ब्रह्मा वट मध्य जनार्दन । वटाग्रेतू शीवो देव

सावित्री वट संस्थिता।सावित्री ब्रह्मगायत्री सर्वदा प्रियभाषीनी।

तेन सत्येन मां पाही दुःख संसार सागरात।पढ़ाया गया।साथ ही किस प्रकार से सती सावित्री ने अपने पति सत्यवान को यमराज के चंगुल से मृत्यु के बाद भी छुड़ाया था। इसकी कहानी बताई गई । वट सावित्री व्रत क्यों मनाया जाता है इसपर प्रकाश डाला गया।इसके अलावे संस्कृत में सभी देवी देवताओं कि स्तुति कर अंताक्षरी, पहाड़ा, संभाषण इत्यादि पढ़ाया गया।

संस्कृत अधिवक्ता हरीश कुमार जोशी पढ़ा रहे थे।वहीं प्रसाद वितरण प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक संघवी धनबाद के द्वारा किया गया।इस अवसर पर हर्षिका गोयल, वैष्णवी कुमारीबरनवाल,माहिरा कुमारी, परी कुमारी, माही कुमारी, कुमकुम कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, चेल्सी गोयल, साधना कुमारी, नंदिनी कुमारी, प्रियांशी साव, छोटी कुमारी, खुशी कुमारी, आराध्या कुमारी, अंकिता कुमारी, याचना कुमारी, श्रद्धा कुमारी, प्राची कुमारी, आस्था कुमारी, सौम्या कुमारी, रोशन कुमार रवानी, देव कुमार रवानी,ऋतिक कुमार,अनमोल कुमार, सूरज ठक्कर, प्रथम जोशी, होमेष जोशी आदि उपस्थित थे।

एबी फिटनेस जिम के ओपन चैलेंज का समाजसेवी कुंभनाथ सिंह एवं दिलीप सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया

धनबादःरविवार को ए बी फिटनेस जिम के द्वारा बेंच प्रेस, डेडलिफ्ट ,स्क्वेट आर्म लिफ्टिंग का ओपन चैलेंज कंपीटीशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी कुंभनाथ सिंह और विशिष्ट अतिथि युवा संघर्ष मोर्चा जनवादी के संस्थापक दिलीप सिंह के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर कुंभनाथ सिंह ने कहा वर्तमान में युवाओं के लिए जिम का रुख शारीरिक बलिष्ठता के लिए सबसे सही निर्णय है जहां कई युवा नशे के लत के शिकार है। युवाओं को अपने शरीर का ध्यान रखने जिम में विभिन्न व्यायाम प्रशिक्षित करने फिट रखने और आज ओपन चैलेंज में युवाओं का उत्साह और हौसला बढ़ाने के लिए शानदार कार्यक्रम के लिए एबी फिटनेस जिम सेंटर को मैं बधाई और शुभकामनाएं देता हूं कहां की जिम को अगर और एक्सरसाइज के सामानों की जरूरत पड़ेगी तो मैं दूंगा, ए बी जिम सेंटर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जिम में जोड़ कर नशा से मुक्त करने का प्रयास करे। अतिथि दिलीप सिंह ने कहा कि अब जिम सेंटर युवाओं के स्वास्थ्य के दृष्टिकोन से बहुत ही उल्लेखनीय कार्य कर रही है, मैं इस ओपन चैलेंज के सभी प्रतिभागियों को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं। साथ ही शुभकामना देता हूं कि और मेहनत करके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर धनबाद का नाम रोशन करें।

कुमारधुबी स्टेशन पर जल्द होगा इंटरसिटी और वनांचल एक्सप्रेस का ठहराव

धनबादः यात्रियों को इंटरसिटी व वनांचल का ठहराव कुमारधुबी स्टेशन पर नहीं होने से यात्रियों की परेशानी को देखते हुए सांसद ढुलू महतो ने गंभीरता से लिया है।यहां के यात्री को बंगाल के बराकर या फिर चितरंजन स्टेशन पर जाकर ट्रेन पकड़ना पड़ता है.जिसके कारण उनकी जेब पर अतिरिक्त भार पड़ता है।उन्होंने कहा कि धनबाद पटना इंटरसिटी, दोनों वनांचल एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव जल्द कुमारधुबी स्टेशन पर होगा। इसको लेकर रेल मंत्री से विचार विमर्श हुई है।महतो ने कहा कि लंबे से इसकी मांग इस क्षेत्र की जनता कर रही है। ट्रेन का ठहराव नहीं होने के कारण कई तरह की परेशानी हो रही है। उन परेशानियों से मंत्री को अवगत कराया गया है।उन्होंने ने भी इस पर सकारात्मक पहल करने की बात कही है। कहा कि जल्द ही इस मामले को लेकर फिर से मंत्री से मिलकर ठहराव संबंधित आदेश जारी कराएंगे। ट्रेन के ठहराव होने से यात्री सुविधा में जहां लाभ मिलता है।वहीं, इसे कई तरह के लाभ भी लोगों को मिलता है। स्वरोजगार का साधन खुल जाता है। ट्रांसपोर्ट सिस्टम, छोटे-छोटे दुकानदार को भी इसका लाभ मिलता है। स्टेशन की आय भी बढ़ जाती है।

सिंदरी में आर्य समाज गौशाला में आयुर्वेद पर जागरूकता कार्यक्रम, महिलाओं को बनाया जा रहा 'लक्षपति दीदी'

सिंदरीः रविवार को आर्य समाज गौशाला, सिंदरी में श्री वेदा रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना तथा स्वदेशी आयुर्वेदिक उत्पादों के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना था। मुख्य अतिथि के रूप में गया, बिहार से पधारे निदेशक सुनील कुमार साह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यदि हम अपने खान-पान में सुधार करें और आयुर्वेद को अपनाएं, तो हम न केवल स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि गंभीर बीमारियों से भी बच सकते हैं। उन्होंने बताया कि गलत जीवनशैली ही आज के अधिकांश रोगों का मुख्य कारण है, जबकि आयुर्वेद में इतनी शक्ति है कि इससे 100 वर्ष तक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। इस अवसर पर अंजलि सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने श्री वेदा रिटेल से जुड़कर लाखों रुपये की आमदनी की है, और अब वे अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। कार्यक्रम में लाखो देवी, मीना देवी, रूपा महतो, लता देवी, सुषमा श्रीवास्तव, वैजयंती देवी, अरुणा देवी तथा ललन ठाकुर सहित अनेक स्थानीय सहयोगी उपस्थित रहे।

लगभग 100 से अधिक महिलाओं और स्थानीय नागरिकों की भागीदारी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। श्री वेदा रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का उद्देश्य हर घर तक आयुर्वेद और स्वदेशी उत्पादों को पहुँचाकर एक स्वस्थ और सुंदर समाज का निर्माण करना है।

केयर एंड सर्व फाउंडेशन के द्वारा कहलडीह, धोखरा पंचायत में किथि कपड़ा वितरण

धनबाद : जाने-माने समाज सेबी संस्था केयर एंड सर्व फाउंडेशन की तरफ से आज कहलडीह, धोखरा पंचायत में जरूरतमंदों के बीच कपड़ा वितरण किया गया। उपस्थित जरूरतमंदों का अपना साइज का शर्ट पैंट, धोती कुर्ता और महिलाओं का भी परिधान का वस्त्र वितरण किया गया। उपस्थित जरूरतमंदों को चाय और नाश्ता का पैकेट भी दिया गया। जिसमें आलू चाप सिंघाड़ा और जलेबी दिया गया था।आज का इस कार्यक्रम में रॉबिन चटर्जी का नेतृत्व में संपन्न हुआ और उनके साथ में विशेष रूप से मुन्ना खान और सुनील कुमार महतो उपस्थित थे।

Page 12_Page 3.qxd 5/25/2025 10:24 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

श्री गणपति एजुकेशन हब एंड लाइब्रेरी का उद्घाटन सांसद ढुल्लू महतो ने किया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबादः रविवार कों धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के हाथों श्री गणपति एजुकेशन हब एंड लाइब्रेरी का उद्घाटन हुआ.मौके पर डायरेक्टर मनीष गुप्ता एवं उनकी धर्म पत्नी गायत्री गुप्ता ने बताया की हमारे इंस्टिट्यूट लाइब्रेरी में सभी के पढ़ने के लिए बहुत सी सुविधाएं मौजूद है. उद्घाटन के अवसर पर पंख एक नई दिशा की अध्यक्ष पिंकी गुप्ता , शशि शेखर गुप्ता, सुषमा प्रसाद,नम्रता गुप्ता,रवि शेखर, कुणाल कुमार, प्रीति चौधरी,अर्पिता अग्रवाल और बहुत सारे गणमान्य लोग मौजूद थे.सभी लोगो ने मनीष गुप्ता कों स्टूडेंट्स की सुविधा के लिए इस महत्वपूर्ण कार्य की बहुत बधाई दी.

बेनीडीह मेन साइडिंग में अंबे माइनिंग का सीएचपी हॉपर को किया गया डिसमेंटल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : बीसीसीएल ब्लॉक दो क्षेत्र के बेनीडीह मेन साइडिंग स्थित आउट सोर्सिंग कंपनी अंबे माइनिंग की जर्जर हो चुके फिडर ब्रेकर (सीएचपी) हॉपर की क्षमता बढ़ाने के लिए रविवार को सुबह साढ़े सात बजे पुराने हॉपर का डिसमेंटल किया गया. अचानक जोरदार आवाज के साथ हॉपर धराशायी होने से साइडिंग में अफरा- तफरी मच गयी. इससे किसी तरह की हताहत नहीं हुआ. लेकिन मजदूर इसे दुर्घटना बताते हुए बीडीओ वायरल कर दिया. सुचना पाकर बीसीसीएल के सेफ्टी अधिकारी भी पहुंचे. लोगों की भीड़ जुट गयी. बाद में अंबे कंपनी के प्रबंधन मजदूरों को वस्तुस्थिति से अवगत कराया. कंपनी के पीओ शंभु पासवान ने बताया कि यह दुर्घटना नहीं है. बल्कि हॉपर को डिसमेंटल किया गया है. इसकी सुचना पहले से सभी को है. प्रतिदिन आठ हजार डिस्पैच के लिए सीएचपी हॉपर की कैपेसिटी कम थी. चार हजार टन क्षमता वाली हॉपर का स्टेकचर कमजोर होने के कारण ओवर लोड संभाल नहीं रही थी. हॉपर का कैपेसिटी बढ़ाने के लिए पुराने हॉपर को डिसमेंटल करना जरूरी था. अब आठ हजार कैपेसिटी का निर्माण कराया जायेगा. लगभग एक महिने में नया हॉपर का निर्माण पूरा हो जायेगा.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने अनुपमा सिंह को मनोनीत किया चिरकुंडा नगर निगम पर्षद की पर्यवेक्षक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने धनबाद लोक सभा क्षेत्र अंतर्गत आगामी नगर निगम, नगर पर्षद, निकाय चुनाव को देखते हुए कांग्रेस नेत्री श्रीमती अनुपमा सिंह को चिरकुंडा नगर पर्षद का पर्यवेक्षक मनोनीत किया गया है. जिससे धनबाद जिले के कांग्रेस जनों में उत्साह व्याप्त है. आज सबों ने बधाइयां देते हुए झारखंड प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का आभार व्यक्त किया.

निश्चित रूप से जिस पूर्ण विश्वास उत्तरदायित्व पार्टी ने श्रीमती अनुपमा सिंह को दिया है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा एवं लगन के साथ निभाते हुए संबंधित नगर परिषद क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करेगा. जिसका सकारात्मक परिणाम मिलेगा. बधाई देने वालों एके झा, बजेंद्र प्रसाद सिंह ,एसके शाही, सतोंष महतो, राम गोपाल भुवानिया, नवनीत नीरज, सतपाल सिंह ब्रोका करामप्रीत यादव ,बंमभोली सिंह अच्छेयवर प्रसाद, रवि चौबे जितेश सिंह फैज अहमद रिजवी मसूद आलम, मुरली तुरी,दुर्गा दास, डी एन यादव ,संतोष राय शशि भूषण तिवारी, मनोज सिंह बबलू दास गंगा वाल्मीकि जियाउल हक आदि थे.

शराब के नशे में मैथन डैम में छलांग लगा रहे हैं नशेड़ी व बच्चे, सुरक्षा के ऐतिहातन रोकने वाला कोई नही

मौत को गला लगाने के लिए बिना कोई परवाह के लगाते दिखे छलांग, पुलिस बनीं खामोश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : मैथन डैम में देखिए यह नजारा जो किसी स्विमिंग पूल से कम नहीं है, यह लोग सैकड़ों मीटर गहराई गहराई में छलांग लगा रहे हैं और यह जिस जगह से छलांग लगा रहे हैं इसे सेंडिंग प्वाइंट कहा जाता है. इसके ऊपर से रविवार को दूर-दूर से आए बच्चे पानी के गहराई में छलांग लगाकर मस्ती करते देखें गए. लेकिन इनको यह नहीं पता कि यह मौत को गले लगा रहे हैं. दरअसल यह नजारा झारखंड बंगाल सीमा पर स्थित मैथन डैम के स्पोर्ट हॉस्टल समीप सेंडिंग प्वाइंट का है, जहां पर बताया जाता है कि सैकड़ों मीटर गहराई है, यहां लोग पिकनिक मनाने और घूमने के उद्देश्य से आते है. झारखंड और बंगाल से दूर-दूर से आए बच्चें बिना डर के कई फीट ऊपर से छलांग लग रहे हैं ना इन्हें रोकने वाला कोई प्रशासन है ना ही

डीवीसी के सुरक्षा बल मौजूद है.जिसे यह साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि मैथन डैम में आने वाले सैलानी कितने सुरक्षित है. इन बच्चों को रोकने वाला भी कोई नहीं है ना ही इन्हें बताने वाला कोई है कि हां यहां पर पानी की गहराई अधिक है. अब देखिए इस स्थान पर एक नहीं दो नहीं बल्कि दर्जनों बच्चे कम उम्र के पश्चिम बंगाल झारखंड के दूर-दूर जगह से आकर छलांग लग रहे हैं, अगर ऐसे में लापरवाही से किसी की जान चली जाए तो इसका जवाब कौन देगा और जवाबदेही किसकी होगी.स्थानीय समाज सेवी रंजीत महतो बताते है कि यहां पर पानी की काफी गहराई है कई बार लोग यहां पर डूब चुके हैं,लेकिन इसके बावजूद भी कम उम्र के बच्चें सैकड़ों मीटर ऊपर से पानी में छलांग लग रहे हैं. मैथन डैम में पानी की गहराई अधिक है लोग मौत के मुंह में भी समा सकते हैं.उनके परिवार घर में इंतजार कर रहे हैं लेकिन परिजनों को पता नही उनके बच्चे क्या कर रहे है. युवा वर्ग शराब पी रहे है और यहां पर शराब के नशे में डुबकी लगा रहे हैं. पर्यटक स्थल कहे जाने वाला मैथन डैम में शराबियों का अड्डा बन चुका है लोग यहां पर आते हैं और शराब के नशे में जश्न मनाते हैं.

उसके बाद पानी के लहरों में मस्ती करते हैं लेकिन यह खतरों से खाली नहीं है. नहीं डीवीसी का कोई सिक्योरिटी ना ही पुलिस प्रशासन इसी बंद करने का काम कर रहे हैं. कुछ दिन पहले इसी जगह से बंदूक की नोंक से बाइक का छिनतई की घटना हुई थी. कहीं ना कहीं पुलिस प्रशासन के ऊपर प्रश्न चिन्ह उठ रहा है आगे प्रशासन क्या कार्रवाई करती हैं यह देखना बाकी है.

अखंड सुहाग की सौभाग्य को लेकर सुहागिनों ने वट सावित्री की भक्ति भाव के साथ की पूजा अर्चना

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदाः महुदा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में रविवार को सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री की पूजा भक्ति भाव के साथ किया. इस दौरान महिलाएं वटवृक्ष के नीचे फल फूल व पूजन सामग्री के साथ पूजा अर्चना किया. उपस्थित सुहागिनों ने अपने पति के दीघार्यु जीवन के लिए कच्चे धागे के साथ वृक्ष का परिक्रमा किया.पति के दीघार्यु होने का आशीर्वाद मांगा. इसके अलावे भाटडीह ओपी के समीप स्थित वट वृक्ष पर सुबह से ही महिलाओं की काफी भीड़ देखी गई. पूजा समापन के बाद सभी महिलाएं अपने अपने गांव और घरों में पंडित व आचार्य से सत्यवान सावित्री की कथा सुनीं. महुदा क्षेत्र में कांड्रा, कंचनपुर, पाथरगड़िया, भुरूंगिया, भाटडीह सहित दर्जनों गांवों में महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा की.इस खास पुजा के संबंध में कांड्रा निवासी मंजु देवी ने बतायी कि वट सावित्री व्रत का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है. इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने अखंड सुहाग की लंबी आयु की कामना के लिए व्रत रखती हैं और सावित्री देवी की विधि-विधान से पूजा करती हैं. यह पर्व ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि पर वट सावित्री का व्रत रखा जाता है. ऐसे में सुहागिन महिलाएं इस दिन सोलह श्रृंगार करके पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखेंगी और वट वृक्ष तथा देवी सावित्री की पूजा करेंगी.मान्यता है कि ऐसा करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहता है. इसके लिए व्रत वाले दिन पूजा के लिए संपूर्ण सामग्री होना बहुत महत्वपूर्ण होता है. महुदा मोड़ शिव मंदिर में वट वृक्ष पुजा के दौरान मंजु देवी, चम्पा देवी, सावित्री देवी, शारदा देवी, रीता देवी, नीतू देवी, बिंदु देवी, पुनम देवी, भारती देवी, उपासी देवी, रीना देवी, पुर्णिमा देवी सहित दर्जनों महिलाएं मौजूद थी.

लोयाबाद में अहले सुबह पेड़ से टकरायी बाइक, 24 वर्षीय युवक शशि की हुई मौत

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : लोयाबाद में रविवार की सुबह पेड़ से टकराकर एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार लोयाबाद थाना क्षेत्र के मदनाडीह में रविवार की अहले सुबह एक बाइक सवार युवक पेड़ से टकरा गया. इस हादसे में उसकी मौत हो गयी. मृतक की पहचान लोयाबाद सात नंबर निवासी सुरेश विश्वकर्मा के 24 वर्षीय पुत्र शशि विश्वकर्मा के रूप में की गयी है.घटना के संबंध में बताया गया कि मृतक रविवार सुबह 5:30 बजे के करीब बाइक पर सवार होकर लोयाबाद से सेंद्रा की ओर जा रहा था. तभी मदनाडीह के पास मृतक के बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वो पेड़ से जाकर टकराया. हादसे के बाद आसपास के लोगों ने युवक को आनन-फानन में एसएनएमएमसीएच धनबाद पहुंचाया. लेकिन यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

रामकनाली में बीसीकेयू की बैठक में 30 मई को सीटू का स्थापना दिवस मनाने का निर्णय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरासः रामकनाली कोलियरी यूनियन कार्यालय में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन की एक बैठक कल हुई. जिसकी अध्यक्षता कैलाश भुइयां ने की. बैठक में सर्वसम्मति से 30 मई को सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू का स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया. सीटू का स्थापना 30 मई 1970 को हुआ था. स्थापना दिवस पर श्रमिकों को सम्मानित किया जाएगा. बैठक को सीटू झारखंड राज्य सचिव राजेन्द्र प्रसाद राजा, राजु राजवार, रूस्तम अंसारी, संजय महतो, अमृत महतो, लखन मुर्मू, मनु टुडू, राजु महतो आदि उपस्थित थे.

अंगारपथरा में हाईवा के खलासी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस ने शव को लिया कब्जे में

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : अंगारपथरा ओपी क्षेत्र के नेशनल अंगारथरा में खड़ी हाईवा संख्या जेएच 10 बीपी/1677 में रविवार की सुबह लोगों ने एक युवक का शव गमछा के सहारे झूलता हुआ देखा. शव को देखते ही क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई. हाईवा के डाला से झूलता युवक की पहचान धनबाद डोकरा निवासी करण राय उर्फ गुड्डू के रूप में हुई.मृतक हाइवा का खलासी था.करण राय लोयाबाद में अपने मामा टुपेंद्र सिंह के यहां आया हुआ था. हाईवा के चालक बजरंगी ने बताया कि करण राय को सुबह नाश्ता करने के लिए बोला तो वह बाहर निकला, थोड़े देर बाद देखते हैं

कि वह डाला के हुक से गमछा के सहारे झूल रहा था. घटना की सूचना परिजन और पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंची अंगारपथरा पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया और घटना की जांच में जुट गई. मृतक करण राय उर्फ गुड्डू ने हाईवा के डाला के हुक में फांसी कैसे लगाई यह संदेहात्मक है.फांसी लगाने के स्थान पर अन्य कोई दूसरा सामान बरामद नहीं हुआ है. पुलिस सभी पहलू पर जांच कर रही है.

जमुआटांड़ में झामुमो की बैठक में केंद्र सरकार से सरना कोड लागू करने की मांग उठी

27 मई को जिला मुख्यालय पर किया जाएगा जोरदार प्रदर्शन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : झारखंड मुक्ति मोर्चा बाघमारा प्रखंड समिति की एक बैठक जमुआटाड पंचायत भवन में हुई. अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार रवानी ने की जबकि संचालन प्रखंड सह सचिव सज्जाद अंसारी ने किया. बैठक में मुख्य रूप से जिला संगठन सचिव मनोज रवानी उपस्थित थे. बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार द्वारा जो जातीय आधारित जनगणना कराई जा रही है उसका झारखंड मुक्ति मोर्चा समर्थन करती है. परंतु विगत कई वर्षों से झारखंड सरकार द्वारा सरना धर्म कोड लागू करने के लिए

विधानसभा से पारित कर केंद्र को भेजा गया है परंतु एक सोची समझी साजिश के तहत बिना सरना कोड लागू किया जातीय जनगणना करना चाहती है जिसका झारखंड मुक्ति मोर्चा पुरजोर विरोध करती है. 27 मई को बाघमारा प्रखंड समिति हजारों की संख्या में जिला मुख्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन करेगी. बैठक में मुख्य रूप से अर्जुन मुखिया, सुरेश महतो, पंकज दिनकर,संजय रजवार, प्रवीण लाला, रितिक सिंह, वकील अंसारी, निरंजन भुइयां, सुरेश भुइयां, श्रवण भुइयां, जय सिंह आदि उपस्थित थे.

धनबाद जिला यादव महासभा के नवनिर्मित भवन का तीन विधायकों ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया उद्घाटन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : रविवार को धनबाद जिला यादव महासभा कमेटी के द्वारा सबलपुर स्थित सहयोगी नगर में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन विधायक डा. नीरा यादव विधायक अमित यादव व विधायक मनोज यादव के द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया. जिला अध्यक्ष राम नरेश यादव ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित कर स्वागत किया.इस

मौके पर विधायक डा. नीरा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भवन का उद्घाटन होने पर समाज के लोग शादी विवाह, मीटिंग समेत विभिन्न अनुष्ठानों में भवन का उपयोग कर लाभान्वित होंगे. नीरा यादव ने समाज में शिक्षा और एकता के प्रति जोर दिया और भवन निर्माण में सहयोग के लिए समाज के महत्वपूर्ण योगदानों के लिए धन्यवाद दिया. जिला प्रवक्ता गोपाल यादव ने कहा आर्थिक दृष्टिकोण से कमजोर लोगों को शादी विवाह एवं अन्य आयोजनों में भवन निःशुल्क दिया जाएगा. साथ ही भवन में समाज के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षण के लिए व्यवस्था किया जाएगा. जिला मौके पर वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी योगेंद्र यादव, जिलाध्यक्ष रामनरेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष रूबी यादव, महिला प्रदेश अध्यक्ष अनीता यादव जिला प्रवक्ता गोपाल यादव, बसंत कुमार यादव, महेश यादव, राजेश्वर सिंह यादव रामस्वरूप यादव, शंकर यादव,प्रधान यादव, संजय यादव, जिला अध्यक्ष रामनरेश सिंह यादव समेत समाज के लोग उपस्थित थे.कार्यक्रम का संचालन स्वरूप यादव ने किया.

निरसा भाकपा माले कार्यालय में विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित

नूनुडीह में 31 मई को मजदूर दिवस का समापन दिवस मनाया जाएगा, सांसद सुदामा प्रसाद रहेंगे शामिल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : भाकपा माले निरसा विधान-सभा की स्तरीय बैठक पार्टी कार्यालय में राज्य सचिव का. मनोज भक्त की उपस्थिति में सम्पन्न हुई.बैठक की अध्यक्षता राज्य कमिटी सदस्य सह निरसा विधान- सभा संयोजक आगम राम ने किया.मनोज भक्त ने कहा कि 31 मई को नुनुडीह में मई दिवस का समापन समारोह मनाया जाएगा, जिसमें छपरा के सांसद सुदामा प्रसाद मुख्य वक्ता होंगे. विधायक अरूप चटर्जी और चन्द्रदेव महतो समारोह को

सम्बोधित करेंगे. उन्होंने कहा कि 15 जून को का. एके राय की मूर्ति का अनावरण सरायढेला केन्द्रीय अस्पताल के पास किया जाएगा. 9 जुलाई की आम हड़ताल को हमारी पार्टी समर्थन करती है, क्योंकि मोदी सरकार श्रम कानूनों को समाप्त कर मजदूरों के अधिकारों को छीनना चाहती है. बैठक में भाजपा नेताओं द्वारा संविधान और देश के सर्वोच्च न्यायालय की लगातार अवमानना तथा साम्प्रदायिक उन्माद फैलाकर सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का कुत्सित प्रयास, अपराध का धर्म के नाम पर वर्गीकरण तथा सेना के पराक्रम पर राजनीति करने की घोर निंदा की गई. पहलगाम में 26 निर्दोष यात्रियों की हत्या के कारणों की जिम्मेदारी तथा आतंकवादी कैसे घुसे इसकी जांच नहीं करके मोदी सरकार अपनी पीठ खुद थपथपा रही है.

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा युद्ध विराम की घोषणा, यह एक अभूतपूर्व घटना है जो हमारी संप्रभुता पर हमला है.इस पर सरकार चुप्पी साधे हुई है तथा प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक तथा संसद का विशेष सत्र बुलाने से कतरा रहे हैं.बैठक में तय किया गया कि वर्तमान राजनैतिक परिस्थिति, देश में बढ़ते फासीवाद, संविधान पर हमला, 9 जुलाई की आम हड़ताल तथा का. एके राय के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 1 जून से एक महीने के लिए कोयलांचल में जन-जागरण यात्रा निकाली जाएगी. जिससे आम लोगों के बीच में केन्द्र सरकार की मजदूर-किसान विरोधी नीतियों से अवगत कराया जाएगा. बैठक में आगम राम, जिला सह सचिव कार्तिक प्रसाद, एगारकुण्ड प्रखण्ड सचिव बादल बाउरी, निरसा प्रखण्ड सचिव दुटुन मुखर्जी, चिरकुंडा नगर परिषद संयोजक श्रीकांत सिंह, केलियासोल प्रखण्ड सचिव स्वपन गोराई, मुमताज अंसारी, हरेंद्र सिंह, निरंजन गोराई, रामजी यादव, नमिता महतो, साधन चटर्जी, हरे राम, बंशी सिंह, पोमिल सिंह, मो. रब्बानी, कैलाश मोदी, मदन डे, इत्यादि ने अपने विचार व्यक्त किए.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई नं.JHAHIN/2015/63780.